नई दिल्ली । शनिवार, 25 अप्रैल, 2026
बैशाख शुक्ल पक्ष नवमी, सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष :12, अंक :109 / मूल्य 3.00 रुपए । पृष्ठ 12

दैनिक
विश्व केसरी
नई दिल्ली संस्करण
सिर्फ पत्रकारिता...
vishwakesari.com
@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwakesari
आर. एन. आई. संख्या डीईएलएच आईएन/2015/61415

@ खेल स्क्वैश: अभय सिंह पहली बार पीसीए ...
@ विचार विश्व मलेरिया दिवस: एक रोग मुक्त भविष्य...
@ व्यापार लगातार तीसरे दिन लाल निशान में बंद हुआ बाजार...

आप में फूट

राघव चड्ढा ने आप पार्टी में लगाई झाड़ू

बगावत से उभरा नया संकट

राज्यसभा में आम आदमी पार्टी के दो-तिहाई से अधिक सांसदों का भाजपा में विलय : राघव चड्ढा

एजेंसी ■ नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी (आप) से इस्तीफे और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल होने की घोषणा के बाद राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा शुक्रवार को भाजपा के राष्ट्रीय कार्यालय पहुंचे। यहां उन्होंने भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन से मुलाकात की। इस दौरान उनके साथ अशोक मित्तल और संदीप पाठक भी थे। भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने मिठाई खिलाकर सभी का स्वागत किया।

इससे पहले राघव चड्ढा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि आज, भारत के संविधान के प्रावधानों का प्रयोग करते हुए राज्यसभा में आम आदमी पार्टी (आप) के दो-तिहाई से अधिक सांसदों ने भाजपा में विलय कर लिया है। सात सांसदों ने उस दस्तावेज पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसे राज्यसभा के अध्यक्ष को सौंपा गया था। मैंने, दो अन्य सांसदों के साथ, व्यक्तिगत रूप से हस्ताक्षरित दस्तावेज सौंपे। वहीं, आम आदमी पार्टी ने इसे भाजपा का 'ऑपरेशन लोटस' करार दिया है। पार्टी का आरोप है कि ईडी और सीबीआई जैसी केंद्रीय एजेंसियों का भय दिखाकर आप के नेताओं को तोड़ने की साजिश रची गई है।

आप के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने कहा कि 'ऑपरेशन लोटस' के माध्यम से भाजपा पंजाब की भगवंत मान सरकार को अस्थिर करना चाहती है। उन्होंने कहा कि यह पंजाब और पंजाब के लोगों के साथ धोखा है। पंजाब की जनता इसको कभी नहीं भूलेगी।

इससे पहले राघव चड्ढा ने कहा कि राज्यसभा में 'आप' के 10 सांसद हैं और दो-तिहाई से ज्यादा सांसद इस मुहिम में हमारे साथ हैं। उन्होंने पहले ही हस्ताक्षर कर दिए हैं, और आज सुबह हमने सभी जरूरी दस्तावेज, जिनमें हस्ताक्षरित पत्र और अन्य औपचारिक कागजात शामिल हैं, राज्यसभा के सभापति को सौंप दिए हैं। उन्होंने आगे कहा कि जैसा कि मैंने बताया, दो-तिहाई से ज्यादा सांसद हमारा समर्थन कर रहे हैं और हम जल्द ही आपको पूरी सूची उपलब्ध करा देंगे। उनमें से तीन सांसद अभी आपके सामने यहां मौजूद हैं। इनके अलावा, विश्व-स्तरीय क्रिकेटर हरभजन सिंह, राजेंद्र गुप्ता, विक्रम साहनी और स्वाति मालीवाल भी शामिल हैं।

भाजपा ने पंजाबियों के साथ धक्का किया : केजरीवाल

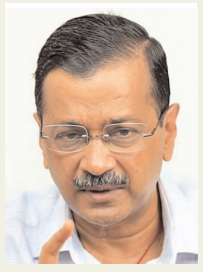

आम आदमी पार्टी (आप) को शुक्रवार को बड़ा झटका देते हुए राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने संदीप पाठक और अशोक मित्तल समेत कई सांसदों के साथ पार्टी छोड़ने और भाजपा में शामिल होने की घोषणा की है। चड्ढा के इस ऐलान पर आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की प्रतिक्रिया सामने आई है। इस मुद्दे पर प्रतिक्रिया देते हुए अरविंद केजरीवाल ने भाजपा पर निशाना साधा। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में उन्होंने लिखा, 'बीजेपी ने फिर से पंजाबियों के साथ किया धक्का।' आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने एक्स पोस्ट में लिखा, 'भाजपा, अमित शाह ने 'ऑपरेशन लोटस' चलाकर सांसदों को तोड़कर, पंजाब के साथ गद्दारी की है। सातों सांसदों को आप और पंजाब की जनता ने प्यार और आशीर्वाद भी दिया है। अब गद्दारी की सजा भी देगी।' आप नेता अनुराग ढांडा ने कहा, 'किसी भी व्यक्ति की पहचान उसके चरित्र से होती है।

आप नेताओं के भाजपा में शामिल होने पर अन्ना हजारे बोले- कुछ दिक्कतें आई होंगी, इसलिये वे चले गए

अहिल्यानगर। आम आदमी पार्टी के सात सांसदों ने शुक्रवार को पार्टी का दामन छोड़ दिया। इस घटना को लेकर समाजसेवी अन्ना हजारे की प्रतिक्रिया सामने आई है। समाजसेवी अन्ना हजारे ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि ये लोकतंत्र में हर एक व्यक्ति का अधिकार है। इसके लिए किसी पर सख्ती करना ठीक नहीं है। लोकतंत्र में उनको दिक्कतें आई होंगी, इसलिये वे चले गए। इसमें दोष पार्टी का है अगर पार्टी सही से चलती वे नहीं जाते। अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधते हुए अन्ना हजारे ने कहा कि जब स्वार्थ बीच में आ जाता है तो समाज और देश भूल गए। सत्ता और पैसे के पीछे पड़ गए। इस वजह से गड़बड़ी हुई है। आम आदमी पार्टी नेता मनीष सिसोदिया ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि तीन दिन से गुजरात में हूं। जिस समय गुजरात में हजारों कार्यकर्ता अपनी जान जोखिम में डालकर, सारे खतरे और भाजपा की धमकियां झेलकर पार्टी की विचारधारा को मजबूत करने के लिए खून पसीना बहा रहे है, उसी समय कुछ गद्दारों ने पंजाब के कार्यकर्ताओं के खून पसीने की कमाई का सौदा कर लिया।

मनीष सिसोदिया ने लिखा कि जो राज्यसभा सदस्य आज भाजपा के सामने झुक गए, अपनी निजी मजबूरियों, डर और लालच के कारण जिन्होंने पंजाब के लोगों के साथ गद्दारी की है, उन्हें पता होना चाहिए कि पंजाब गद्दारों को कभी माफ नहीं करता है।

संक्षिप्त खबर

पाकिस्तानी अधिकारियों से बैठक करेंगे ईरानी विदेश मंत्री, अमेरिका शामिल नहीं होगा

वॉशिंगटन। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची पाकिस्तानी अधिकारियों से बातचीत करेंगे। यह बैठक अमेरिका और ईरान के बीच संभावित वार्ता की तैयारी के तौर पर देखी जा रही है। रिपोर्ट के मुताबिक, इस बातचीत में अमेरिका शामिल नहीं होगा।

इससे पहले अराघची ने आज दोपहर पाकिस्तान के सेना प्रमुख असीम मुनीर और विदेश मंत्री मोहम्मद इशाक डार से अलग-अलग बातचीत की। इसमें अमेरिका और ईरान के बीच सीजफायर बनाए रखने पर चर्चा हुई।पाकिस्तान इस पूरे मामले में मध्यस्थ की भूमिका निभा रहा है और उसे उम्मीद है कि इस बैठक के बाद अमेरिका और ईरान के बीच दूसरे दौर की बातचीत का रास्ता खुल सकता है।

ईरानी मीडिया के अनुसार, पाकिस्तान के बाद अराघची ओमान की राजधानी मस्कट और फिर रूस जाएंगे।

ममता के खिलाफ जनाक्रोश दोगुना, भारी बहुमत से आ रही भाजपा : अमित शाह

राज्य में 2021 से लेकर 2026 तक राजनीतिक माहौल में बड़ा बदलाव

एजेंसी ■ कोलकाता

पश्चिम बंगाल में पहले चरण की बंपर वोटिंग के बाद सियासी सरगर्मी तेज हो गई है। मुख्य विपक्षी भारतीय जनता पार्टी ने अपने चुनावी अभियान को और आक्रामक बना दिया है। इसी क्रम में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को उत्तर 24 परगना में रोड शो किया और राज्य में भाजपा की भारी बहुमत से जीत का दावा किया।

रोड शो के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि राज्य में 2021 से लेकर 2026 तक राजनीतिक माहौल में बड़ा बदलाव देखने को मिला है।

उन्होंने दावा किया कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के खिलाफ जनाक्रोश पहले की तुलना में काफी बढ़ गया है। यह लहर अब लगभग दोगुनी हो चुकी है और भाजपा इसी माहौल के आधार पर राज्य में सरकार बनाने की दिशा में मजबूती से आगे बढ़ रही है।

भवानीपुर विधानसभा सीट को लेकर भी शाह ने बड़ा दावा किया। उन्होंने विश्वास जताया कि पार्टी न सिर्फ इस सीट पर बल्कि पूरे राज्य में भारी बहुमत के साथ जीत दर्ज करेगी। भवानीपुर सीट पर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और भाजपा नेता सुभेंदु अधिकारी के बीच कड़ी टक्कर मानी जा रही है।

वहीं, कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा ममता बनर्जी पर ध्रुवीकरण की राजनीति करने के आरोपों पर भी अमित शाह ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि राहुल गांधी को यह बात काफी देर से समझ में आई है।

दरअसल, राहुल गांधी ने हाल ही में कहा था कि अगर ममता बनर्जी ने साफ-सुथरी सरकार चलाई होती और राज्य में ध्रुवीकरण की राजनीति नहीं की होती, तो भाजपा के लिए बंगाल में जगह बनाना आसान नहीं होता।

इसके अलावा, आम आदमी पार्टी के सात सांसदों के भाजपा में शामिल होने के मुद्दे पर भी शाह ने संक्षिप्त प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि उन्होंने अभी तक इस संबंध में पूरी प्रेस कॉन्फ्रेंस नहीं देखी है, लेकिन जानकारी के अनुसार, उन सांसदों ने पार्टी छोड़ने के पीछे कई कारण बताए हैं।

पश्चिम बंगाल में गुरुवार को पहले चरण के लिए 152 सीटों पर रिकॉर्ड 90 प्रतिशत से अधिक वोटिंग दर्ज की गई। आजादी के बाद यह वोटिंग प्रतिशत ऐतिहासिक है। भाजपा इसे राज्य में बदलाव के संकेत के रूप में देख रही है। दूसरे चरण में 142 सीटों के लिए 29 अप्रैल को वोटिंग होनी है, वहीं नतीजे 4 मई को सामने आएंगे।

आरबीआई ने पेटीएम पेमेंट्स बैंक लिमिटेड का रद्द किया लाइसेंस

एजेंसी ■ मुंबई

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने शुक्रवार को पेटीएम पेमेंट्स बैंक लिमिटेड का लाइसेंस रद्द कर दिया। आरबीआई ने कहा कि बैंक ने अपने लाइसेंस से संबंधित जरूरी नियमों का पालन नहीं किया।

केंद्रीय बैंक ने साफ किया कि अब यह बैंक किसी भी तरह की बैंकिंग सेवाएं नहीं दे सकेगा और इसे बंद करने (वाइंडिंग अप) के लिए हाई कोर्ट में आवेदन किया जाएगा।

आरबीआई ने अपने आदेश में कहा कि बैंक का लाइसेंस बैंकिंग रेगुलेशन एक्ट, 1949 की धारा 22(4) के तहत 24 अप्रैल को कामकाज खत्म होने के बाद से रद्द कर दिया गया है।

अब पेटीएम पेमेंट्स बैंक लिमिटेड को तुरंत प्रभाव से बैंकिंग का कोई भी काम करने की अनुमति नहीं है, जैसा कि एक्ट की धारा 5(बी) और 6 में बताया गया है।

आरबीआई ने यह भी कहा कि वह बैंक को बंद करने के लिए हाई कोर्ट में आवेदन करेगा।

हालांकि, केंद्रीय बैंक ने यह भरोसा दिलाया कि बैंक के पास इतना पैसा (लिक्विडिटी) है कि वह अपने सभी ग्राहकों की जमा राशि लौटा सकता है।

आरबीआई के अनुसार, बैंक को जारी रखने से न तो कोई फायदा होगा और न ही यह जनता के हित में है।

आरबीआई ने कहा कि बैंक ने अपने लाइसेंस की शर्तों का पालन नहीं किया, जिससे बैंकिंग रेगुलेशन एक्ट के नियमों का उल्लंघन हुआ।

इससे पहले भी बैंक पर कार्रवाई की गई थी, और 11 मार्च 2022 से नए ग्राहकों को जोड़ने पर रोक लगा दी गई थी।

इसके बाद 31 जनवरी 2024 और 16 फरवरी 2024 को भी बैंक पर कई प्रतिबंध लगाए गए थे, जिनमें मौजूदा खातों में पैसे जमा करने, वॉलेट में टॉप-अप करने जैसी सेवाओं पर रोक शामिल थी।

दिल्ली में तीन साल का रिकॉर्ड टूटा, शनिवार को भी आसमान से बरसेगी आग

एजेंसी ■ नई दिल्ली

देश के उत्तरी और मध्य हिस्सों में इस बार अप्रैल महीने में ही भीषण गर्मी ने लोगों का हाल बेहाल कर दिया है। शुक्रवार को दिल्ली में तापमान तीन साल का रिकॉर्ड तोड़ते हुए 41.9 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया, जो कि सामान्य से 4.2 डिग्री अधिक है। इससे पहले वर्ष 2022 अप्रैल में तीन दिन तापमान 42 डिग्री से अधिक और तीन दिन 43 डिग्री से अधिक दर्ज हुआ था। इस तरह से शुक्रवार को इस सीजन का सबसे गर्म दिन भी रहा। दिन के साथ-साथ रात भी गर्म रही, इस कारण से न्यूनतम तापमान सामान्य से 1.8 डिग्री अधिक 24.5 डिग्री सेल्यिस दर्ज किया गया।

कब-कब पड़ी कितनी गर्मी

वर्ष 2023 में 15, 16, 17 व 18 अप्रैल को अधिकतम तापमान 40 डिग्री से अधिक रहा था। वर्ष 2024 में केवल 26 अप्रैल को अधिकतम तापमान 40.5 डिग्री और वर्ष 2025 में सात अप्रैल को 40.2, आठ अप्रैल को 41.0, व 09 अप्रैल को 40.5 डिग्री और 26 अप्रैल को 42.1 डिग्री सेल्सियस तापमान रहा था।

लू का यलो अलर्ट

इससे पहले गुरुवार (23 अप्रैल 2026) को भी 41.7 डिग्री तापमान के साथ इस सीजन का सबसे गर्म दिन रहा था। शुक्रवार को दिल्ली के विभिन्न इलाकों में तापमान और भी ज्यादा दर्ज किया गया। रिज क्षेत्र सबसे गर्म रहा, यहां तापमान 43.1 डिग्री, आयानगर में 42.5 डिग्री, पालम में 42 डिग्री और लोधी रोड में 41.8 डिग्री सेल्सियस तापमान रिकॉर्ड किया गया। दिन भर सूरज की तपिश ने लोगों का हाल बेहाल किया। कई इलाकों में लू की स्थिति रही। मौसम विभाग ने पहले ही 24 व 25 अप्रैल के लिए लू का यलो अलर्ट जारी किया हुआ है।

राज्यों में लू चलने की चेतावनी

वहीं दिन के साथ रात का तापमान भी अधिक होने के कारण लोगों को राहत नहीं मिल पा रही है। मौसम विभाग ने दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान और उत्तर प्रदेश में अगले लू चलने की चेतावनी जारी की हुई है।

28 अप्रैल से तापमान में हो सकती है कमी

25 अप्रैल से 27 अप्रैल तक अधिकतम तापमान 42-44 डिग्री तक रहने की संभावना है। दिल्ली-एनसीआर में 25 से 27 अप्रैल के बीच लू के साथ तेज हवाएं चल सकती हैं। हालांकि 27 अप्रैल को हल्की बारिश और गरज-चमक के साथ मौसम में बदलाव हो सकता है। 28 अप्रैल से पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से तापमान में कुछ गिरावट आ सकती है। जिससे लोगों को गर्मी से थोड़ी राहत मिल सकती है। 28 अप्रैल को तापमान 40-42 डिग्री के बीच और न्यूनतम तापमान 26-28 डिग्री के बीच रह सकता है। जबकि 29 अप्रैल को तापमान 39-41 डिग्री के बीच और 30 अप्रैल को 38-40 के बीच रहने का अनुमान है।

हीट वेव से बचाव के हर स्तर पर पुख्ता इंतजाम हों : मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता

दिल्ली में बढ़ती गर्मी और संभावित हीट वेव को लेकर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शुक्रवार को हीट वेव एक्शन प्लान 2026 की उच्चस्तरीय समीक्षा करते हुए साफ कहा कि सरकार का लक्ष्य वर्ष 2030 तक हीट वेव से होने वाली मौतों को शून्य तक लाना है। उन्होंने सभी विभागों को निर्देश दिए कि इस दिशा में हर स्तर पर पुख्ता, समयबद्ध और जमीनी इंतजाम सुनिश्चित किए जाएं।

मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाने 73 सांसदों ने राज्यसभा में दिया नोटिस

एजेंसी ■ नई दिल्ली

विपक्षी दलों ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने के लिए राज्यसभा में एक नया प्रस्ताव पेश किया है, जिसमें उन पर आचार संहिता लागू करने में प्रक्रियात्मक पक्षपात और प्रधानमंत्री के खिलाफ शिकायतों पर निष्क्रियता के गंभीर आरोप लगाए गए हैं। कांग्रेस और टीएमसी समेत 73 सांसदों द्वारा समर्थित इस प्रस्ताव में ष्टश्वष्ट के आचरण को संविधान पर हमला बताया गया है।

विपक्षी दलों के गठबंधन ने शुक्रवार को राज्यसभा में एक नया प्रस्ताव पेश किया, जिसमें प्रक्रियात्मक पक्षपात के आरोपों के मद्देनजर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को हटाने की मांग की गई है। मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ औपचारिक आरोपों में आचार संहिता के प्रवर्तन में निरंतर पक्षपातपूर्ण असमानता शामिल है। विपक्ष ने चुनाव आयोग पर पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में विधानसभा चुनावों से पहले 18 अप्रैल को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा दिए गए राष्ट्र के नाम संबोधन के खिलाफ शिकायतों पर निष्क्रियता का आरोप लगाया है।

विभिन्न दलों द्वारा उठाई गई चिंताओं को संबोधित करते हुए, नोटिस में कहा गया है कि इस नोटिस की तारीख तक, ज्ञानेश कुमार ने उक्त शिकायतों में से किसी पर भी कोई कारण बताओ नोटिस, कोई सलाह या कोई सार्वजनिक प्रतिक्रिया जारी नहीं की है। कांग्रेस नेता जयराम रमेश और टीएमसी नेता सागरिका घोष ने नोटिस प्रस्तुत किया। जयराम रमेश ने एक्स पर लिखा कि राज्यसभा में विपक्ष के 73 सांसदों ने अभी-अभी महासचिव को एक नया प्रस्ताव प्रस्तुत किया है, जिसमें भारत के राष्ट्रपति को एक संबोधन प्रस्तुत करने की मांग की गई है।

मध्य पूर्व तनाव के बीच समुद्री सुरक्षा से लेकर उड़ानों तक हालात सामान्य, अब तक 2,729 से ज्यादा भारतीय नाविक सुरक्षित लौटे स्वदेश

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया और खाड़ी क्षेत्र में जारी तनाव के बीच केंद्र सरकार ने शुक्रवार को एक आधिकारिक बयान में कहा कि देश के सभी बंदरगाहों पर किसी तरह की भीड़ या बाधा नहीं है। साथ ही, पिछले 24 घंटों में किसी भी भारतीय जहाज से जुड़ी कोई घटना सामने नहीं आई है और सभी भारतीय नाविक सुरक्षित हैं।

समुद्री हालात को लेकर पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय ने बताया कि पर्शियन गल्फ क्षेत्र में स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है। मंत्रालय विदेश मंत्रालय, भारतीय मिशनों और अन्य समुद्री एजेंसियों के साथ मिलकर काम कर रहा है, ताकि नाविकों की सुरक्षा और समुद्री संचालन बिना रुकावट जारी रहे।

डायरेक्टरेट जनरल ऑफ शिपिंग (डीजी शिपिंग) का कंट्रोल रूम 24 घंटे सक्रिय है, जिसने अब तक 7,553 कॉल और 16,000 से ज्यादा ईमेल्स का जवाब दिया है। पिछले 24 घंटों में ही 150 कॉल और 394 ईमेल प्राप्त हुए हैं। अब तक 2,729 से ज्यादा भारतीय नाविकों को सुरक्षित भारत वापस लाया जा चुका है, जिनमें 49 लोग पिछले 24 घंटों में लौटे हैं।

सरकार के अनुसार, देश भर के सभी बंदरगाह सामान्य रूप से काम कर रहे हैं और कहीं भी जाम या रुकावट की स्थिति नहीं है। इससे साफ है कि सप्लाई चेन पर फिलहाल कोई बड़ा असर नहीं पड़ा है और जरूरी सामान की आवाजाही सुचारु बनी हुई है।

विदेश मंत्रालय लगातार खाड़ी और पश्चिम एशिया में हो रहे घटनाक्रम पर नजर बनाए हुए है। वहां रह रहे भारतीय नागरिकों की सुरक्षा, सहायता और कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है।

इसके लिए विशेष कंट्रोल रूम चौबीसों घंटे काम कर रहा है और भारतीय दूतावासों में हेल्पलाइन भी लगातार चालू हैं। भारतीय मिशन स्थानीय सरकारों के संपर्क में हैं और समय-समय पर एडवाइजरी जारी कर रहे हैं, जिसमें यात्रा, सुरक्षा और अन्य जरूरी जानकारी शामिल है। उड़ानों की स्थिति में अब सुधार देखने को मिल रहा है। 28 फरवरी से अब तक करीब 12.38 लाख यात्री इस क्षेत्र से भारत लौट चुके हैं। यूएई से भारत के लिए रोजाना करीब 110 उड़ानें संचालित हो रही हैं, जबकि सऊदी अरब और ओमान से भी फ्लाइट्स जारी हैं।

यूपी संस्कृत बोर्ड परिणामः पूर्व मध्यमा से उत्तर मध्यमा तक शानदार नतीजे, 95 प्रतिशत के करीब रहा रिजल्ट

लखनऊ । उत्तर प्रदेश में सरकार द्वारा शिक्षा क्षेत्र में किए जा रहे सुधारों का प्रभाव अब संस्कृत शिक्षा में भी स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है। उत्तर प्रदेश माध्यमिक संस्कृत शिक्षा परिषद, लखनऊ द्वारा वर्ष 2026 की पूर्व मध्यमा द्वितीय, उत्तर मध्यमा प्रथम एवं उत्तर मध्यमा द्वितीय परीक्षाओं का परिणाम घोषित कर दिया गया है। पारदर्शी व्यवस्था के बीच पूर्व मध्यमा द्वितीय में 95.91 प्रतिशत परीक्षार्थी, उत्तर मध्यमा प्रथम में 94.40 प्रतिशत परिणाम और उत्तर मध्यमा द्वितीय में 94.86 प्रतिशत परीक्षार्थियों ने सफलता हासिल की।

माध्यमिक शिक्षा निदेशक डॉ महेंद्र देव और माध्यमिक संस्कृत शिक्षा परिषद के सचिव शिव लाल ने परीक्षाफल की घोषणा की। उल्लेखनीय है कि इस वर्ष परीक्षाएं 19 फरवरी से 28 फरवरी 2026 के मध्य प्रदेश के 241 परीक्षा केंद्रों पर कड़ी निगरानी और सुव्यवस्थित व्यवस्थाओं के बीच संपन्न कराई गई। परीक्षाफल परिषद की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध है। माध्यमिक शिक्षा मंत्री गुलाब देवी ने सभी सफल विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दीं। पूर्व मध्यमा द्वितीय (कक्षा-10) के परीक्षाफल में शीर्ष स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों में प्रथम स्थान पर कन्नौज के सुजीत कुमार रहे, जिन्होंने 700 में से 661 अंक (94.43प्रतिशत) प्राप्त किए। द्वितीय स्थान पर प्रतापगढ़ की खुशबू सरोज ने 660 अंक (94.29 फीसद) हासिल किए। वहीं, तृतीय स्थान प्रतापगढ़ के मुलायम सिंह यादव और प्रियंका सरोज ने संयुक्त रूप से 653 अंक (93.29 प्रतिशत) के साथ प्राप्त किया।

उत्तर मध्यमा द्वितीय (कक्षा-12) की श्रेष्ठता सूची में प्रतापगढ़ के रजनीश यादव ने 1400 में से 1251 अंक (89.36 प्रतिशत) प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया। द्वितीय स्थान पर प्रतापगढ़ की वंशिका श्रीवास्तव रहीं।

भारत-अमेरिका व्यापार वार्ता में प्रमुख मुद्दों पर बढ़े आगे, गोर ने चार्ल्स हार्डर से की मुलाकात

नई दिल्ली। भारत-अमेरिका के बीच व्यापार समझौते के विवरण को अंतिम रूप देने और व्यापक बीटीए के तहत वार्ता को आगे बढ़ाने के लिए अमेरिकी समकक्ष के साथ वॉशिंगटन में बैठक हुई। वाणिज्य और औद्योगिक मंत्रालय ने इसे समझौते के लिए अहम बताया। इसके अलावा, अमेरिका के खास दूत चार्ल्स हार्डर ने भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर से मुलाकात की।

वाणिज्य और औद्योगिक मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा कि भारत-अमेरिका ने मार्केट एक्सेस, नॉन-टैरिफ उपाय, व्यापार में तकनीकी रुकावटें, कस्टम और व्यापार में आसानी, इन्वेस्टमेंट प्रमोशन, आर्थिक सुरक्षा अलाइनमेंट और डिजिटल ट्रेड जैसे जरूरी मामलों पर वाशिंगटन में हुई बातचीत के नए दौर में बढ़ोतरी की है।अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'स्पेशल दूत चार्ल्स हार्डर के भारत दौरे से अमेरिका-भारत साझेदारी मजबूत हो रही है। अमेरिका की अगुवाई वाली पब्लिक-प्राइवेट साझेदारी और को-इन्वेस्टमेंट मॉडल को इस्तेमाल करके, हम ऐसे प्रैक्टिकल सॉल्यूशन पर काम कर रहे हैं, जो लंबे समय तक स्थिरता और बढ़ोतरी के लिए ह्यूमन कैपिटल बनाते हैं।

पीआईबी ने बताया कि दोनों पक्षों के बीच बाजार पहुंच, गैर-टैरिफ उपाय, व्यापार में तकनीकी बाधाएं, सीमा शुल्क और व्यापार सुविधा, निवेश प्रोत्साहन, आर्थिक सुरक्षा संयोजन और डिजिटल व्यापार जैसे कई क्षेत्रों पर चर्चा हुई। बैठकें रचनात्मक और सकारात्मक माहौल में आयोजित की गईं। इनमें सार्थक और दूरदर्शी चर्चाएं हुईं, जिससे प्रमुख मुद्दों पर प्रगति संभव हुई। दोनों पक्षों ने आगे बढ़ते हुए इस गति को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्धता जताई।

भारतीय डेलिगेशन ने इस हफ्ते 20 से 23 अप्रैल तक अपने अमेरिकी समकक्षों के साथ बातचीत की। मंत्रालय के एक बयान में कहा गया, 'मीटिंग्स कंस्ट्रक्टिव और सकारात्मक भावना से हुईं, जिसमें जरूरी मामलों में विकास के लिए अर्थपूर्ण बातचीत हुई। दोनों पक्ष आगे बढ़ते हुए इस मोमेंटम को बनाए रखने के लिए जुड़े रहने पर सहमत हुए।

भारत और अमेरिका ने 7 फरवरी को एक संयुक्त बयान जारी किया, जिसमें आपसी और एक-दूसरे के लिए फायदेमंद व्यापार के बारे में एक अंतरिम समझौते के लिए एक फ्रेमवर्क पर सहमति जताई गई। इस फ्रेमवर्क ने बड़े भारत-अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार समझौता नेगोशिएशन के लिए देशों की प्रतिबद्धता की फिर से पुष्टि की।

भारत टैक्सी ने मुंबई में शुरू कीं सेवाएं, शहरी परिवहन को मिलेगा बढ़ावा

नई दिल्ली । वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने मुंबई में भारत टैक्सी के ड्राइवर ऑनबोर्डिंग अभियान का उद्घाटन किया। यह कदम शहरी परिवहन को मजबूत करने और ड्राइवरों की आजीविका सुधारने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

इस कार्यक्रम में सैकड़ों ऑटो-रिक्शा और कैब ड्राइवरों, परिवहन यूनियन प्रतिनिधियों और सहकारी संस्थाओं के सदस्यों ने भाग लिया।

गोयल ने कहा कि सहकारी और तकनीक-आधारित मॉडल भारत के बदलते परिवहन तंत्र को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाएंगे।

उन्होंने बताया कि भारत टैक्सी ड्राइवरों को भागीदार के रूप में जोड़ती है और उन्हें डिजिटल टूल्स के जरिए पारदर्शिता, बेहतर कमाई और सम्मानजनक काम का अवसर देती है।

मंत्री ने यह भी कहा कि ऐसे मॉडल भविष्य के शहरी परिवहन की दिशा तय करेंगे।

सहकारिता मंत्रालय के अनुसार, इस पहल का उद्देश्य डिजिटल प्लेटफॉर्म तक पहुंच बढ़ाना, पारदर्शिता सुधारना और ड्राइवरों के लिए बेहतर कमाई के अवसर पैदा करना है।

यह ऑनबोर्डिंग अभियान बड़े शहरों में ड्राइवर-केंद्रित मोबिलिटी सिस्टम को मजबूत करने की व्यापक योजना का हिस्सा है।

सरल ऑनबोर्डिंग प्रक्रिया, बेहतर संचालन और राइड की लगातार मांग सुनिश्चित करके यह पहल ड्राइवरों और यात्रियों के लिए एक स्थायी और समावेशी सिस्टम बनाने का प्रयास करती है।

मुंबई अब दिल्ली-एनसीआर, गुजरात, चंडीगढ़ और लखनऊ जैसे शहरों की सूची में शामिल हो गया है, जहां संगठित मोबिलिटी नेटवर्क तेजी से बढ़ रहा है।

भारत टैक्सी के सीओओ विवेक पांडे ने कहा कि मुंबई एक बड़ा और संभावनाओं से भरा बाजार है और यहां के ड्राइवर यूनियनों का समर्थन कंपनी के विस्तार के लिए काफी उत्साहजनक है।

हाल के आंकड़ों के अनुसार, प्लेटफॉर्म से 5.17 लाख से ज्यादा ड्राइवर जुड़े हैं, 50 लाख से अधिक ग्राहक हैं और हर महीने लगभग 10 लाख राइड्स पूरी की जा रही हैं।

मंत्रालय के मुताबिक, यह विस्तार अमित शाह के उस विजन के अनुरूप है, जिसमें अगले तीन सालों में भारत टैक्सी को देश के सभी प्रमुख शहरों तक पहुंचाना शामिल है, और इस दिशा में मुंबई एक अहम कदम है।

'पंजाब विरोधी है भाजपा, गद्दारों को सबक सिखाएगी जनता', मुख्यमंत्री भगवंत मान

चंडीगढ़ । पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने शुक्रवार को आम आदमी पार्टी (आप) छोड़ने वाले सांसदों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) हमेशा से पंजाब विरोधी रही है और राज्य के लोग गद्दारों को सबक सिखाएंगे।

भगवंत मान ने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि पार्टी किसी भी व्यक्ति से बड़ी होती है। जो सांसद पार्टी छोड़कर गए हैं, वे पंजाब का प्रतिनिधित्व नहीं करते। जब उन्हें भगवंत मान के खिलाफ कुछ नहीं मिला, तो उन्होंने आम आदमी पार्टी (आप) को तोड़ने की कोशिश की। भाजपा दूसरी पार्टियों में बाधाएं पैदा करती है।

उन्होंने कहा, ''पंजाबी दिल से सभी से प्यार करते हैं, लेकिन अगर कोई उनके साथ विश्वासघात करता है, तो वे उसे कभी नहीं भूलते। भाजपा में शामिल हुए 6-7 आप सांसद पंजाब से नहीं हैं। उन्होंने कहा, ''ये लोग पंजाबियों के गद्दार हैं। इन्हें सीटें मिलीं, इन्हें वोट मांगने की जरूरत नहीं पड़ी। इन्हें सड़कों पर जाकर लोगों के मुद्दों पर बोलने की जरूरत नहीं पड़ी। ये सिर्फ खुद को बचाने के लिए वहां गए थे। अब वहां भी इनके लिए जगह नहीं है क्योंकि ये भाजपा के साथ हैं।''

उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा ने पंजाब के साथ विश्वासघात किया है।

मुख्यमंत्री ने कहा, ''वही 'वॉशिंग मशीन' शरद पवार, शिवसेना-यूबीटी और कांग्रेस के साथ भी इस्तेमाल की गई। भाजपा का पंजाब में कोई आधार नहीं है।''

उन्होंने कहा कि जब से बेअदबी के खिलाफ सख्त कानून बनाए गए हैं, तब से भाजपा में बेचैनी साफ दिख रही है और वह इसे बर्दाश्त नहीं कर पा रही है। पंजाब में लगातार हार का बदला लेने के लिए भाजपा हमेशा से पंजाब और आप के प्रति नफरत रखती आई है।

उन्होंने कहा, ''हम पार्टी छोड़ने वालों और उन्हें शामिल करने वालों दोनों की कड़ी निंदा करते हैं।''

मुख्यमंत्री ने कहा, ''पंजाब की पवित्र धरती से मैं स्पष्ट कहना चाहता हूं कि आम आदमी पार्टी आम लोगों की पार्टी है और जनता ही हमारी असली ताकत है। जनता पंजाब के गद्दारों को जरूर सबक सिखाएगी। इस तरह की राजनीति से पंजाब नहीं जीता जा सकता। लोकतंत्र में जनता सबसे बड़ी होती है और आम आदमी हमारी असली ताकत है। आम आदमी पार्टी एक क्रांतिकारी सोच वाली पार्टी है और हमेशा सच के साथ खड़ी रहती है। इससे पहले, पंजाब आप के महासचिव बलतेज पन्नू ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर आरोप लगाया कि वे केंद्रीय एजेंसियों का दुरुपयोग कर और सांसदों को तोड़कर पार्टी को कमजोर करने की साजिश कर रहे हैं।

झारखंडः बैंक लूट की बड़ी वारदात, करोड़ों का सोना और पांच लाख लेकर अपराधी फरार

हजारीबाग । झारखंड के हजारीबाग जिले के बरही में शुक्रवार शाम हथियारबंद अपराधियों ने 'बैंक ऑफ महाराष्ट्र' की शाखा में बड़ी लूट की वारदात को अंजाम दिया है। शुरुआती अनुमान के मुताबिक, अपराधी बैंक के स्ट्रॉन्ग रूम से करीब 6 से 7 करोड़ रूपए मूल्य का 4 किलो सोना और कैश काउंटर से 5 लाख रुपये नकद लेकर फरार हो गए। इस घटना ने पूरे इलाके में सनसनी फैला दी है और पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। प्रत्यक्षदर्शियों और बैंक प्रबंधन के अनुसार, वारदात शाम करीब 4 बजे की है। अपराधी बेहद योजनाबद्ध तरीके से आए थे। बैंक के डिप्टी मैनेजर रौशन सिंह ने बताया कि सबसे पहले दो युवक 'करंट अकाउंट' खुलवाने के बहाने बैंक के अंदर दाखिल हुए। उनके पीछे तीन और साथी अंदर आए। अंदर घुसते ही पांचों ने हथियार निकाल लिए और बैंक के सभी कर्मचारियों और वहां मौजूद ग्राहकों को गनपॉइंट पर ले लिया।

अपराधियों ने विरोध करने पर मैनेजर और अन्य स्टाफ के साथ मारपीट भी की। अपराधियों ने पूरी कार्रवाई को महज 20 मिनट के भीतर अंजाम दिया। हथियारों के बल पर सभी को एक कोने में बंधक बनाकर चाबियां छीनीं और सीधे स्ट्रॉन्ग रूम को निशाना बनाया। अपराधियों ने अपने साथ लाए बैगों में ग्राहकों द्वारा गोल्ड लोन के एवज में जमा किया गया करीब 4 किलो सोना भरा और काउंटर पर रखी नकदी समेट ली। वारदात को अंजाम देने के बाद बदमाशों ने बैंक परिसर को बाहर से बंद कर दिया, ताकि तत्काल कोई उनका पीछा न कर सके, और इसके बाद आराम से मौके से फरार हो गए। घटना के बाद बैंक कर्मियों ने किसी तरह बाहर निकलकर पुलिस को सूचना दी।

जम्मू-कश्मीर के यात्रियों के लिए बड़ी खुशखबरी, अब जम्मू तवी तक चलेगी वंदे भारत एक्सप्रेस

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के यात्रियों और पर्यटकों के लिए केंद्र सरकार की ओर से एक और बड़ी सौगात दी गई है। मोदी सरकार ने श्रीनगर से चलने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस को अब जम्मू तवी तक विस्तारित करने का फैसला किया है। यह नई व्यवस्था 30 अप्रैल से लागू हो जाएगी।

अब तक यह ट्रेन श्रीनगर और श्री माता वैष्णो देवी कटरा के बीच संचालित हो रही थी, लेकिन विस्तार के बाद यह सीधा जम्मू तवी तक पहुंचेगी। इससे यात्रियों को बड़ी राहत मिलेगी और यात्रा पहले के मुकाबले अधिक सुविधाजनक हो जाएगी। सरकार ने एक और बड़ा बदलाव करते हुए ट्रेन के कोचों की संख्या बढ़ाने का निर्णय लिया है। पहले जहां वंदे भारत एक्सप्रेस 8 कोच के साथ चल रही थी, वहीं अब इसे 20 कोच के साथ संचालित किया जाएगा।

इस फैसले से जम्मू-कश्मीर में कनेक्टिविटी मजबूत होगी और क्षेत्रीय विकास को भी गति मिलेगी। खासतौर पर पर्यटन क्षेत्र को इससे बड़ा फायदा होने की उम्मीद है। श्रीनगर, कटरा और जम्मू के बीच बेहतर रेल सुविधा मिलने से देशभर से आने वाले पर्यटकों की संख्या में बढ़ोतरी हो सकती है।

केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने सरकार के इस फैसले की जानकारी देते हुए इसे जम्मू-कश्मीर के लोगों के लिए एक तोहफा बताया। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में उन्होंने कहा, 'जम्मू श्रीनगर वंदे भारत एक्सप्रेस के यात्रियों के लिए अच्छी खबर। जम्मू और कश्मीर के लोगों के लिए नरेंद्र मोदी सरकार की तरफ से एक और तोहफा। अभी श्रीनगर और श्री माता वैष्णो देवी कटरा के बीच चलने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस को 30 अप्रैल से जम्मू तवी तक बढ़ाया जाएगा।

केंद्रीय मंत्री ने आगे कहा, 'इसके अलावा, ट्रेन अब 8 के बजाय 20 कोच के साथ चलेगी, जिससे कैपेसिटी, कनेक्टिविटी और आराम में काफी बढ़ोतरी होगी। इस कदम से टूरिज्म को और बढ़ावा मिलेगा और क्षेत्रीय विकास में तेजी आएगी।

न्यू एज मीडिया में दक्ष बनें जनसंपर्क अधिकारी : आयुक्त रजत बंसल

जनसंपर्क का कार्य जिम्मेदारी का, इसे गंभीरता से लें, परिणाम के अनुरूप होगा हर अधिकारी के कार्य का मूल्यांकन

रायपुर। जनसंपर्क आयुक्त रजत बंसल ने नवा रायपुर स्थित संवाद कार्यालय में जनसंपर्क संचालनालय और जिला जनसंपर्क अधिकारियों की बैठक लेते हुए कहा कि वर्तमान दौर में जनसंपर्क अधिकारियों को न्यू एज मीडिया की सभी विधाओं में दक्ष होना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि बदलते समय के साथ तकनीक और संचार के नए माध्यमों को अपनाना ही प्रभावी जनसंपर्क की कुंजी है।

उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि जनसंपर्क का कार्य अत्यंत जिम्मेदारीपूर्ण है, इसलिए इसे पूरी गंभीरता के साथ किया जाना चाहिए और किसी भी प्रकार की कोताही से बचना जरूरी है। जनसंपर्क अधिकारी शासन और जनता के बीच सेतु की भूमिका निभाते हैं, ऐसे में उनकी जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है। उन्होंने कहा कि परिणाम के अनुरूप हर अधिकारी के कार्य का मूल्यांकन किया जाएगा।

बैठक में उन्होंने निर्देशित किया कि मंत्रिगणों, विभागीय सचिवों, विभागाध्यक्षों और जिले के कलेक्टरों के साथ नियमित संपर्क और समन्वय बनाएं। इससे सूचनाओं का समयबद्ध और प्रभावी आदान-प्रदान सुनिश्चित होगा, जो शासन की योजनाओं के सही क्रियान्वयन और प्रचार के लिए अत्यंत आवश्यक है। प्रदेशव्यापी सुशासन तिहार के जनसंपर्क आयुक्त ने आगामी एक मई से शुरू हो रहे सरकार की जनकल्याणकारी प्रचार-प्रसार की तैयारियों की समीक्षा करते हुए कहा कि राज्य योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करने के लिए प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का अधिकतम उपयोग किया जाए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि हर उपलब्धियों और सरकार के माध्यम का प्रभावी उपयोग कर योजनाओं की पहुंच अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाना है।

उन्होंने इस बात पर विशेष रूप से जोर दिया कि राज्य में हो रहे विकास कार्यों और योजनाओं से लाभान्वित हितग्राहियों के वास्तविक अनुभवों को वीडियो पोस्ट और समाचारों के माध्यम से जन-जन तक पहुंचाया जाए। इससे अन्य लोगों को भी इनका लाभ लेने के लिए प्रेरणा मिलती है। बैठक में यह भी निर्देश दिया गया कि प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और डिजिटल मीडिया के साथ सतत संपर्क और समन्वय बनाए रखा जाए, ताकि योजनाओं की कार्यों का प्रभावी प्रचार-प्रसार सुनिश्चित किया जा सके। जनसंपर्क आयुक्त ने कहा कि सभी अधिकारी सक्रिय और जिम्मेदार तरीके से कार्य करें ताकि शासन की योजनाएं आमजन तक प्रभावी रूप से पहुंच सकें वहीं उन्होंने प्रचार-प्रसार कार्य में लापरवाही बरतने पर तीन जिला जन संपर्क अधिकारियों के विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई के निर्देश भी दिए है।

बैठक में अपर संचालक सर्वश्री उमेश मिश्रा, संजीव तिवारी, आलोक देव और हर्षा पौराणिक सहित संचालनालय और जिलों के जिला जनसंपर्क अधिकारी मौजूद थे।

आंगनबाड़ी केंद्र प्रतिदिन प्रात: 7:00 बजे से 11:00 बजे तक होंगे संचालित

भीषण गर्मी में बच्चों की सुरक्षा सर्वोपरि : मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े

मंत्री के निर्देश पर आंगनबाड़ी के समय में बड़ा बदलाव

रायपुर, 24अप्रैल 2026/प्रदेश में पड़ रही भीषण गर्मी और लू के बढ़ते प्रभाव को गंभीरता से लेते हुए महिला एवं बाल विकास विभाग ने बच्चों के स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए त्वरित और संवेदनशील निर्णय लिया है। महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े के स्पष्ट निर्देश पर ग्रीष्मकाल के दौरान आंगनबाड़ी केंद्रों के संचालन समय में बदलाव करते हुए इसे 6 घंटे से घटाकर 4 घंटे कर दिया गया है।

निर्देशानुसार 01 अप्रैल 2026 से 30 जून 2026 तक आंगनबाड़ी केंद्र प्रतिदिन प्रात: 7:00 बजे से 11:00 बजे तक संचालित होंगे। विशेष रूप से 23 अप्रैल से 30 जून 2026 तक बच्चों की उपस्थिति का समय केवल सुबह 7:00 बजे से 9:00 बजे तक निर्धारित किया गया है, ताकि वे भीषण गर्मी और लू के प्रभाव से सुरक्षित रह सकें।

इस निर्धारित अवधि में बच्चों को पूर्व तय समय-सारिणी के अनुसार प्रारंभिक बाल्यावस्था देखरेख एवं शिक्षा (श्वष्टष्ट्रश्व गतिविधियां) के साथ-साथ पूरक पोषण आहार का नियमित वितरण सुनिश्चित किया जाएगा। विभाग ने स्पष्ट किया है कि बच्चों की शिक्षा और पोषण सेवाओं की गुणवत्ता में किसी भी प्रकार की कमी नहीं आने दी जाएगी।

आंगनबाड़ी केंद्रों में अन्य आवश्यक सेवाएं प्रात: 11:00 बजे तक जारी रहेंगी। इस दौरान आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिकाएं अपने निर्धारित जॉब चार्ट के अनुसार शेष कार्यों का निष्पादन करेंगी। साथ ही, गृहभेंट के माध्यम से पोषण परामर्श देने की महत्वपूर्ण सेवा को और अधिक प्रभावी बनाने के निर्देश दिए गए हैं, जिसके तहत कार्यकर्ता केंद्र बंद होने के बाद घर-घर जाकर माताओं को जागरूक करेंगी।

बच्चों की सुरक्षा को लेकर भी विभाग ने सख्त रुख अपनाया है। गर्म हवाओं और उच्च तापमान के बीच बच्चों को सुरक्षित रूप से घर पहुंचाने की जिम्मेदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। किसी भी प्रकार की लापरवाही पर जवाबदेही तय की जाएगी।

इसके साथ ही, सभी जिला अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि वे इन व्यवस्थाओं की सतत निगरानी करें और जिला स्तरीय समीक्षा बैठकों में इसकी प्रगति की नियमित समीक्षा करें, ताकि जमीनी स्तर पर निर्देशों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित हो सके।

ग्रीष्मकाल समाप्त होने के बाद 01 जुलाई से आंगनबाड़ी केंद्र पुन: अपने सामान्य समय प्रात: 9:30 बजे से 3:30 बजे तक (6 घंटे) संचालित होंगे।

राष्ट्रीय राजमार्गों पर मवेशियों के प्रवेश को रोकने के लिए बांस की फेंसिंग शुरू

रायपुर। सड़क सुरक्षा को मजबूत करने और राष्ट्रीय राजमार्गों पर मवेशियों के अनियंत्रित प्रवेश को रोकने के उद्देश्य से भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (NHAI) रायपुर और बिलासपुर को जोड़ने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग-130 (ह्न॥-130) के सिमगा-बिलासपुर मार्ग पर संवेदनशील स्थानों पर बांस की फेंसिंग लगाई जा रही है।

शुक्रवार को जानकारी दी गयी की वर्तमान में इस पहल के तहत लगभग सात किलोमीटर लंबी बांस की फेंसिंग विकसित की जा रही है। राजमार्ग के उन इलाकों की पहचान की गई है जहां अक्सर मवेशी सड़क पर आ जाते हैं। इनमें बैकोनी, दमाखेड़ा, डेकुना, नांदघाट, तेमरी, किरना, हार्दीकला, सिलपहरी और ढेका शामिल हैं। अधिकारियों के अनुसार, यह फेंसिंग स्थानीय ग्रामीणों के मवेशियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के साथ-साथ राजमार्ग पर अचानक आने वाली बाधाओं को कम करने में मदद करेगी। इससे सड़क दुर्घटनाओं के खतरे में कमी आने और तेज रफ्तार वाहनों के लिए यातायात सुरक्षा बेहतर होने की उम्मीद है। परियोजना क्रियान्वयन इकाई (PIU), बिलासपुर के परियोजना निदेशक मुकेश कुमार ने बताया कि फील्ड निरीक्षण में इस पहल के सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। उन्होंने कहा कि यह फेंसिंग मवेशियों को रोकने में प्रभावी साबित हो रही है। साथ ही, बांस आधारित यह संरचना टिकाऊ और पर्यावरण के अनुकूल है, जो इसे दीर्घकालिक समाधान बनाती है।

टाइगर रिज़र्व के कोर क्षेत्र में 15 साल में 1 लाख पेड़ों की कटाई इसरो की सैटेलाइट और ड्रोन सर्वे से बड़ा खुलासा

रायपुर। वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप के निर्देशानुसार वन विभाग ने उदंती-सीतानदी टाइगर रिज़र्व के कोर वन्यप्राणी क्षेत्र में बड़े पैमाने पर हुए अतिक्रमण का खुलासा किया है। आधुनिक तकनीक भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) की सैटेलाइट इमेजरी और ड्रोन सर्वेक्षण के माध्यम से जुटाए गए डिजिटल साक्ष्यों से यह सामने आया है कि पिछले 15 वर्षों में लगभग 106 हेक्टेयर (265 एकड़) क्षेत्र में अवैध कब्जा कर करीब एक लाख पेड़ों की कटाई की गई है।

टाइगर रिज़र्व के बाहर स्थित जैतपुरी गांव (यह अतिक्रमण) के 166 लोगों द्वारा किया गया, जिनके विरुद्ध विभिन्न प्रकरण दर्ज कर उन्हें बेदखली नोटिस जारी किए गए हैं। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2011 में यही अतिक्रमण 45 हेक्टेयर में था, जो समय के साथ बढ़कर 106 हेक्टेयर हो गया। ड्रोन सर्वे से तैयार हाई-रिज़ोल्यूशन इमेजरी में अतिक्रमण क्षेत्र के प्रत्येक खेत, कटे हुए पेड़ और ठूंठ को स्पष्ट रूप से चिन्हित किया गया है। वहीं इसरो की कार्टोसैट सैटेलाइट इमेजरी (2006, 2008, 2010, 2012 और 2022) से वन क्षेत्र में तेजी से आई कमी का प्रमाण मिला है। जहां पहले एक हेक्टेयर में लगभग 1000 पेड़ थे, वहां अब यह संख्या घटकर मात्र 25 से 50 रह गई है।

वन विभाग के अनुसार, अतिक्रमणकारियों ने न केवल पेड़ों की कटाई की।

सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर बाबू खेमानी के घर क्राइम ब्रांच का छापा

रायपुर। ऑनलाइन सट्टा एप 'x Stumps' से जुड़े बड़े नेटवर्क के मास्टरमाइंड सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर बाबू खेमानी के निवास पर क्राइम ब्रांच और गंज थाना की संयुक्त टीम ने छापेमारी की है।

बताया जा रहा है कि बाबू खेमानी के विदेशी नेटवर्क से जुड़े होने की जानकारी मिलने के बाद यह कार्रवाई की गई है।

पुलिस ने घर और अन्य संभावित ठिकानों पर दबिश देकर महत्वपूर्ण दस्तावेजों की जांच कर रही है।

इस कार्रवाई में डीएसपी, टीआई समेत वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है।

घर घुसकर नकाबपोश बदमाशों ने की फायरिंग, 1 की मौत, 1 घायल

सक्ती। जिले के बिर्रा क्षेत्र के करही गांव में गुरुवार की देर रात अज्ञात बदमाशों ने बड़ी घटना को अंजाम दिया। अज्ञात नकाबपोश बदमाशों ने रेत-सीमेंट व्यवसायी सम्मेलाल कश्यप के घर में घुसकर अंधाधुंध फायरिंग कर दी। इस सनसनीखेज वारदात में उनके बड़े बेटे की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि छोटा बेटा घायल है।

खौफ के साये में करही गांव

सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, वारदात रात के उस वक्त हुई जब पूरा परिवार गहरी नींद में था। सम्मेलाल कश्यप के बड़े बेटे आयुष कश्यप को दो गोलियां लगीं, जिससे उसने मौके पर ही दम तोड़ दिया। वहीं, छोटे बेटे आशुतोष के दाहिने हाथ में गोली लगी है।

गौरतलब है कि इस वारदात के बाद करही गांव सहित पूरे बिर्रा क्षेत्र में डर और असुरक्षा का माहौल है। ग्रामीण इस बात से हैरान और परेशान हैं कि नकाबपोशों ने इतनी निडरता से इस हत्याकांड को अंजाम कैसे दिया। फिलहाल पुलिस की गश्त बढ़ा दी गई है, लेकिन आरोपियों का अब तक कोई सुराग नहीं मिल पाया है।

राज्य के मुख्य सचिव और डीजीपी को नोटिस, दो सप्ताह के भीतर मांगा जवाब

रायपुर। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने उन मीडिया रिपोर्टों का स्वत: संज्ञान लिया है, जिनमें कहा गया है कि छत्तीसगढ़ के सक्ती जिले में स्थित एक थर्मल पावर प्लांट में 14 अप्रैल 2026 को बॉयलर ट्यूब विस्फोट के कारण कम से कम 13 श्रमिकों की मृत्यु हो गई और 20 अन्य घायल हो गए। खबरों के अनुसार, विस्फोट से निकली अत्यधिक गर्म भाप ने श्रमिकों को अपनी चपेट में ले लिया।

आयोग ने पाया है कि यदि समाचार रिपोर्ट में दी गई जानकारी सही है तो इससे पीड़ितों के मानवाधिकारों के गंभीर उल्लंघन के मामले सामने आते हैं। इसलिए, आयोग ने मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक को नोटिस जारी कर दो सप्ताह के भीतर इस मामले पर विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। रिपोर्ट में प्रभावित श्रमिकों को मुआवजे के संवितरण की स्थिति और घायलों के स्वास्थ्य की जानकारी शामिल होनी चाहिए। 15 अप्रैल 2026 को प्रकाशित मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, बॉयलर को बंद करके ठंडा करने के बाद पुलिस ने बचाव अभियान आरंभ किया। घायल श्रमिकों को अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती कराया गया।

प्रभावी शोध की शुरुआत जिज्ञासा से होती है : संजीव पराशर

आईआईएम रायपुर ने दस दिवसीय 'रिसर्च समर स्कूल 2026' का सफलतापूर्वक समापन किया

भारत, नेपाल और दुबई के शोधार्थियों और पेशेवरों ने लिया हिस्सा

भारतीय प्रबंधन संस्थान, रायपुर ने 13 अप्रैल से 23 अप्रैल, 2026 तक आयोजित अपने प्रतिष्ठित दस दिवसीय 'रिसर्च समर स्कूल' का सफलतापूर्वक समापन किया है। 'विचारों, डेटा और खोज की यात्रा' के रूप में परिकल्पित इस कार्यक्रम ने वित्त, अर्थमिति और एनालिटिक्स के क्षेत्र में उन्नत अनुसंधान पद्धतियों पर ध्यान केंद्रित किया। संस्थान का परिसर इन दस दिनों में शैक्षणिक अन्वेषण और बौद्धिक चर्चाओं के केंद्र के रूप में उभरा, जहाँ भारत के साथ-साथ नेपाल और दुबई के फैकल्टी सदस्यों, पीएचडी स्कॉलर्स और रिसर्च प्रोफेशनल्स ने सक्रिय भागीदारी की। कार्यक्रम के महत्व को रेखांकित करते हुए, आईआईएम रायपुर के कार्यवाहक निदेशक प्रो. संजीव पराशर ने कहा कि प्रभावी शोध की शुरुआत जिज्ञासा से होती है और यह सहयोगात्मक प्रयासों और पद्धतियों की सटीकता से मजबूत होती है। उन्होंने जोर दिया कि यह समर स्कूल एक ऐसा रिसर्च इकोसिस्टम विकसित करने के संस्थान के संकल्प को दर्शाता है जो वैश्विक और वास्तविक दुनिया की वित्तीय चुनौतियों का ठोस समाधान प्रदान कर सके। शैक्षणिक सत्रों के दौरान, आईआईएम कोझिकोड, आईआईएम इंदौर और आईआईएम विशाखापत्तनम जैसे संस्थानों के विशेषज्ञों ने विभिन्न जटिल विषयों पर जानकारी साझा की। कार्यक्रम निदेशक प्रोफेसर योगेश चौहान ने उन्नत अर्थमितीय तकनीकों जैसे कि 'डिफरेंस-इन-डिफरेंस' (DiD) और 'प्रोपेन्सिटी स्कोर मैचिंग' (क्रस्रू) पर सत्रों का नेतृत्व किया, जबकि अन्य विशेषज्ञों ने कॉर्पोरेट गवर्नेंस, डिजिटल बैंकिंग, फिनटेक इनोवेशन और ईएसजी (श्वस्त) रिसर्च जैसे उभरते क्षेत्रों पर चर्चा की। इस दौरान प्रतिभागियों को 'क्र' और 'Stata' जैसे डेटा टूल्स के माध्यम से व्यावहारिक प्रशिक्षण (Hands-on Training) भी दिया गया। अनुसंधान और उद्योग के बीच की दूरी को कम करने के उद्देश्य से, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया (ह्रस्श्व) के मुख्य अर्थशास्त्री डॉ. तीर्थंकर पटनायक ने हाई-फ्रीक्वेंसी डेटा और वित्तीय बाजार अनुसंधान पर अपने कीमती अनुभव साझा किए। अंतरराष्ट्रीय दृष्टिकोण को शामिल करते हुए साउथेम्प्टन बिजनेस स्कूल, यूके के प्रो. तपस मिश्रा ने एडवांस्ड टाइम-सीरीज़ मॉडलिंग पर विशेष सत्र लिए। कार्यक्रम का समापन प्रतिभागियों द्वारा किए गए पेपर प्रेजेंटेशन और विशेषज्ञों के फीडबैक के साथ हुआ, जो भविष्य के नए शैक्षणिक सहयोग और अनुसंधान नेटवर्किंग की नींव रखता

कृषि विविधीकरण और किसान आय पर फोकस : शिवराज चौहान

लखनऊ। लखनऊ में आयोजित उत्तर क्षेत्रीय कृषि सम्मेलन के दौरान केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि कृषि विकास अब क्षेत्रीय जरूरतों और जलवायु के अनुरूप रणनीति पर आधारित होगा, जिसमें किसान आय, खाद्य सुरक्षा और विविधीकरण प्रमुख केंद्र होंगे।

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि देश में कृषि क्षेत्र को नई दिशा देने के लिए एकरूप नीति के बजाय क्षेत्रीय परिस्थितियों के अनुसार कार्ययोजना तैयार की जा रही है। उत्तर क्षेत्रीय कृषि सम्मेलन के अवसर पर आयोजित प्रेस वार्ता में उन्होंने कहा कि अलग-अलग राज्यों की जलवायु, जल उपलब्धता और फसल पैटर्न भिन्न होने के कारण कृषि रणनीति भी उसी के अनुरूप तय की जाएगी। उन्होंने बताया कि इसी उद्देश्य से देश को विभिन्न हिस्सों में विभाजित कर क्षेत्रीय कृषि सम्मेलनों का आयोजन किया जा रहा है। चौहान ने कहा कि खाद्यान्न उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि के बावजूद दलहन और तिलहन में आत्मनिर्भरता हासिल करना आवश्यक है। उन्होंने कृषि नीति के तीन प्रमुख लक्ष्य—खाद्य सुरक्षा, किसानों की आय में वृद्धि और पोषण—बताते हुए कहा कि इन्हीं के आधार पर आगे की रणनीति तय की जा रही है। उन्होंने कहा कि सरकार की प्राथमिकताओं में उत्पादन बढ़ाना, लागत कम करना, किसानों को उचित मूल्य दिलाना, नुकसान की भरपाई सुनिश्चित करना और कृषि को बाजार से जोड़ना शामिल है। इसके साथ ही कृषि विविधीकरण पर विशेष जोर दिया जा रहा है, ताकि पारंपरिक फसलों के साथ बागवानी, प्रसंस्करण और मूल्य संवर्धन को बढ़ावा मिल सके। छोटे और सीमांत किसानों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि कम जोत में अधिक आय सुनिश्चित करने के लिए एकीकृत खेती मॉडल को बढ़ावा दिया जा रहा है, जिसमें फसल के साथ पशुपालन, मत्स्य पालन और मधुमक्खी पालन जैसे विकल्प शामिल हैं। किसान क्रेडिट कार्ड योजना को लेकर उन्होंने कहा कि पात्र किसानों तक सस्ती दर पर ऋण पहुंचाने के लिए अभियान चलाया जाएगा। वहीं, 'फार्मर आईडी' को उन्होंने पारदर्शी और लक्षित कृषि लाभ वितरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। उन्होंने कहा कि 'प्रयोगशाला से खेत तक' की अवधारणा के तहत वैज्ञानिकों को गांवों में जाकर किसानों से सीधे संवाद करने और नई तकनीकों की जानकारी देने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

यूपी में गन्ना किसानों की फसल का होगा जीपीएस सर्वे, सीएम योगी के निर्देश पर तैयारी शुरू

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर गन्ना सर्वेक्षण नीति जारी की गई है। इसके तहत गन्ना विकास एवं चीनी उद्योग विभाग गन्ने की फसल का जीपीएस सर्वेक्षण कराएगा। यह जीपीएस सर्वेक्षण 1 मई से शुरू होकर 30 जून 2026 तक चलेगा। इसकी सूचना 3 दिन पहले सभी रजिस्टर्ड गन्ना किसानों को मोबाइल एसएमएस के जरिए दी जाएगी।

गन्ना सर्वेक्षण टीम में एक राजकीय गन्ना पर्यवेक्षक और एक चीनी मिल कर्मचारी शामिल होंगे। इनको सर्वेक्षण से पहले प्रशिक्षित भी किया जाएगा। सर्वेक्षण के दौरान किसान की मौजूदगी जरूरी होगी। टीम किसान के खेत पर पहुंचकर जीपीएस के जरिए उत्पादन का डाटा सीधे विभाग के सर्वर पर फीड करेगी। वहीं सर्वेक्षण के बाद खेत का क्षेत्रफल, गन्ने की किस्म समेत अन्य जानकारी भी किसानों को एसएमएस के जरिए दी जाएगी। गन्ना विकास एवं चीनी उद्योग आयुक्त वीना कुमारी मीना ने बताया कि पेराई सत्र 2026-27 के लिए गन्ना सर्वेक्षण नीति जारी कर दी गई है। सर्वेक्षण कार्य 1 मई से प्रारंभ कर 30 जून तक पूरा किया जाएगा। साथ ही, उन्होंने बताया कि किसी भी गन्ना कृषक के सर्वेक्षित भूमि का सत्यापन राजस्व विभाग की आधिकारिक वेबसाइट यूपी भूलेख से किया जा सकता है। चीनी मिलें गन्ना सर्वेक्षण के अंतिम आंकड़े सीधे विभागीय वेबसाइट पर ऑनलाइन पोर्ट करेंगी और अपनी वेबसाइट पर प्रदर्शित करेंगी। विभाग के मुताबिक, गन्ना सर्वेक्षण के दौरान नए सदस्यों (किसान) का पंजीकरण भी किया जाएगा।

मुंबई में युवक की चाकू घोंपकर बेरहमी से हत्या, हंगामे का विरोध करना पड़ा भारी

मुंबई। मुंबई के शिवाजीनगर, गोवंडी इलाके में एक 35 वर्षीय युवक की बेरहमी से हत्या कर दी गई। युवक और उसके परिवार ने कुछ लड़कों के ग्रुप को अपने घर के बाहर शोर मचाने के लिए मना किया था। इस पर आरोपियों ने पहले घर वालों की पिटाई की और इसके बाद चाकू से मारकर आरिफ जमादार की हत्या कर दी। शिवाजी नगर पुलिस स्टेशन ने आरोपी अयाज एजाज शेख (उर्फ अज्जू), रिजवान कुरैशी (उर्फ रिज्जू), सोहेल कुरैशी (उर्फ कालू), रूहान शेख, आदिल पटेल, इशान कुरैशी (उर्फ सोनू तिरपत) और सुजल (उर्फ फैज सैय्यद) के खिलाफ मामला दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, पीड़ित परिवार 22 अप्रैल की सुबह करीब प्रॉपर्टी के मामलों पर बात करने के लिए इकट्ठा हुआ था। सुबह करीब 3:45 बजे सिराज, उसके पिता शब्बीर और चचेरे भाई अल्ताफ अपने घर के बाहर एक बेंच पर बैठे थे, तभी 7 लड़कों का एक ग्रुप पास की एक चाय की दुकान, गरीब नवाज पर आया।

जब शब्बीर जमादार ने लड़कों से पूछा, 'आप यहां क्यों शोर मचा रहे हैं?' इतना ही बोलने के बाद विवाद शुरू हो गया और मामला तेजी से बिगड़ गया। ग्रुप ने अपशब्द कहना शुरू कर दिया और शब्बीर, सिराज और अल्ताफ के साथ मारपीट की।

जब हंगामा बढ़ा तो परिवार के दूसरे सदस्य बीच-बचाव करने के लिए बाहर आए। जब ??परिवार अपने घर में वापस जाने की कोशिश कर रहा था, तब रूहान शेख ने तलवार निकाली और सिराज के पेट में घोंपने की कोशिश की। सिराज ने अपने हाथ से वार को रोका, जिससे उसे गहरी चोट आई।

अपने परिवार को बचाने के लिए आरिफ जमादार ने सबको अंदर धकेल दिया और दरवाजा बंद करने की कोशिश की। उसी समय रिजवान ने आरिफ के सीने में चाकू घोंप दिया। गंभीर चोट के बावजूद आरिफ हमलावरों को बाहर रखने के लिए दरवाजा बंद करने में कामयाब रहा।

आरोपी हथियार लहराते हुए और मदद करने की कोशिश करने वाले आस-पास के लोगों को धमकाते हुए मोहल्ले में आतंक मचाते रहे। हमलावर कथित तौर पर परिवार को धमकाते रहे और मौके से भागने से पहले हथियारों से दरवाजे को नुकसान पहुंचाया। परिवार खून से लथपथ आरिफ को अपने घर के पिछले दरवाजे और एक ऑटो-रिक्शा से राजावाड़ी हॉस्पिटल ले गया। हालांकि, डॉक्टरों ने उसे पहुंचते ही मृत घोषित कर दिया।

गाजियाबाद में चार साल की बच्ची से रेप-मर्डर के मामले की जांच सुप्रीम कोर्ट ने एसआईटी को सौंपी

नई दिल्ली। गाजियाबाद में चार साल की बच्ची से रेप और हत्या के मामले की जांच सुप्रीम कोर्ट ने विशेष जांच टीम (एसआईटी) को सौंपी है। सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश पुलिस के डीजीपी को एक एसआईटी गठित करने का निर्देश दिया है। एसआईटी में आईजी, एसपी और डीएसपी रैंक की एक-एक महिला पुलिस अधिकारी को शामिल करने के साथ ही अगले ही दिन से जांच फिर से शुरू करने का आदेश दिया गया है।

एसआईटी पीड़िता के माता-पिता की शिकायतों, गवाहों की सुरक्षा और निजी अस्पतालों की भूमिका की भी जांच करेगी। ट्रायल कोर्ट को निर्देश दिया गया है कि एसआईटी की पूरक रिपोर्ट आने तक कार्यवाही रोक दी जाए। एसआईटी को दो हफ्तों के भीतर जांच पूरी कर रिपोर्ट सुप्रीम कोर्ट के रजिस्ट्रार (न्यायिक) के समक्ष प्रस्तुत करनी होगी। याचिकाकर्ता ने कुछ दस्तावेज पेश कर यह आरोप लगाया कि पब्लिक प्रॉसिक्यूटर का आचरण संतोषजनक नहीं है। पीड़िता के माता-पिता लगातार डर में हैं और उन्हें निष्पक्ष सुनवाई को लेकर आशंका है। इस पर अदालत ने कहा कि वह इस पर कोई राय नहीं दे रही लेकिन माता-पिता को पुलिस व्यवस्था पर भरोसा रखना चाहिए। गौरतलब है कि 16 मार्च को बच्ची के साथ दरिंदगी हुई थी और आरोपी कोई और नहीं पड़ोसी ही है। आरोपी ने चॉकलेट दिलाने के बहाने बच्ची को अपने साथ ले गया था। काफी देर तक बच्ची के घर नहीं लौटने पर परिजनों ने उसकी तलाश की तो बच्ची बेहोशी की हालत में खून से लथपथ मिली थी। पीड़िता के पिता की ओर से सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिका में बताया गया है कि बच्ची को सबसे पहले खजान सिंह मानवी हेल्थ केयर ले जाया गया, जहां इलाज से इनकार किया गया। इसके बाद उसे सेंट जोसेफ (मरियम) अस्पताल ले जाया गया, जिसने भी भर्ती नहीं किया। आखिरकार बच्ची को गाजियाबाद के जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां उसे मृत घोषित किया गया था। पीड़ित बच्ची के पिता ने आरोप लगाया कि जब वह घटना की रिपोर्ट करने पुलिस स्टेशन गए तो उन्हें और उनके परिवारवालों को एक कमरे में बंद कर दिया गया और मारपीट की गई। पीड़िता की मां को भी पीटा गया। धमकी दी गई कि वे मीडिया से संपर्क न करें क्योंकि इससे आने वाले चुनावों पर असर पड़ सकता है। याचिका में दावा किया गया कि जांच सिर्फ़ खानापूर्ति थी और अहम सबूतों को छिपाया गया।

टेरर फंडिंग के आरोप में गिरफ्तार सांसद राशिद इंजीनियर की अंतरिम जमानत याचिका खारिज

नई दिल्ली। पटियाला हाउस कोर्ट ने टेरर फंडिंग के आरोप में गिरफ्तार बारामूला के सांसद राशिद इंजीनियर की अंतरिम जमानत याचिका को खारिज कर दिया है। उन्होंने अस्पताल में भर्ती अपने बीमार पिता से मिलने के लिए एक महीने की अंतरिम जमानत मांगी थी। सुनवाई के दौरान वकील ने कहा था कि राशिद इंजीनियर के पिता वेंटिलेटर पर हैं, इसलिए उन्हें जल्द अंतरिम जमानत दी जानी चाहिए। राशिद के वकील ने आरोप लगाया था कि उनकी गिरफ्तारी राजनीतिक है। चुनाव के समय उन्हें अंतरिम जमानत मिल जाती है, लेकिन पिता की हालत खराब है और एनआईए इसका विरोध कर रही है।

एनआईए ने राशिद इंजीनियर की अंतरिम जमानत का विरोध किया। जांच एजेंसी ने कहा कि सुरक्षा कारणों से वह सांसद को सिर्फ कस्टडी पैरोल देने के लिए तैयार है। एनआईए के वकील ने कहा कि कस्टडी पैरोल में राशिद अपने पिता और परिवार से मिल सकते हैं। पटियाला हाउस कोर्ट ने बुधवार को सभी पक्षों को सुनने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया था। अब दो दिन बाद कोर्ट ने शुक्रवार को फैसला सुनाया। इससे पहले राशिद इंजीनियर को संसद के बजट सत्र में हिस्सा लेने के लिए कस्टडी पैरोल दी गई थी।

राशिद को उपराष्ट्रपति चुनाव में वोट डालने की कोर्ट से अनुमति मिली थी। कोर्ट ने यह शर्त रखी कि राशिद को वोट डालने के लिए संसद जाने का खर्च स्वयं वहन करना होगा। इसके लिए उन्हें एक हलफनामा देकर वचन देना होगा, हालांकि तत्काल कोई भुगतान करने की आवश्यकता नहीं होगी। यह खर्च राशिद को तब चुकाना होगा, जब दिल्ली हाईकोर्ट उनकी यात्रा व्यय से संबंधित लंबित अर्जी पर फैसला सुनाएगा।

नोएडा : फर्जी रजिस्ट्री के जरिए करोड़ों रुपए की ठगी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़

ग्रेटर नोएडा। गौतमबुद्धनगर जिले में थाना जारचा पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए फर्जी रजिस्ट्री के जरिए करोड़ों रुपये की ठगी करने वाले शातिर गिरोह का पर्दाफाश किया है।

पुलिस ने इस मामले में तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है, जो लंबे समय से लोगों को धोखा देकर अवैध रूप से धन अर्जित कर रहे थे। गिरफ्तार किए गए आरोपियों के कब्जे से मोबाइल फोन, एटीएम कार्ड और एक स्कार्पियो कार भी बरामद की गई है। पुलिस के अनुसार, 24 अप्रैल को मैनुअल इंटेलिजेंस और गोपनीय सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए थाना जारचा पुलिस ने समाना नहर के पास से तीनों अभियुक्तों को गिरफ्तार किया। पकड़े गए आरोपियों की पहचान प्रदीप राणा, खुशबू देवी और ज्योत्सना के रूप में हुई है। प्रदीप राणा गाजियाबाद के लालकुआं स्थित सहारा होम्स का निवासी है, जबकि खुशबू देवी और ज्योत्सना मूल रूप से बिहार के भोजपुर जिले की रहने वाली हैं।

अखिलेश का सरकार पर हमला, बोले- प्रदेश में आम जनता को न्याय मिलना कठिन होता जा रहा है

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने शुक्रवार को उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार पर कानून-व्यवस्था, न्याय व्यवस्था और चुनावी माहौल को लेकर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि प्रदेश में आम जनता को न्याय मिलना कठिन होता जा रहा है और प्रशासनिक तंत्र पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं।

लखनऊ स्थित पार्टी मुख्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में अखिलेश यादव ने हाथरस सहित विभिन्न घटनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि कई मामलों में पीड़ितों को न्याय नहीं मिल पाया है। उन्होंने आरोप लगाया कि समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं के साथ भी अन्याय हो रहा है और उनकी आवाज दबाई जा रही है। सपा प्रमुख ने आरोप लगाया कि सत्ता से जुड़े लोग सरकारी तंत्र का दुरुपयोग कर जमीनों पर कब्जा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक मूल्यों और संविधान की भावना को बनाए रखना आवश्यक है। चुनावी परिदृश्य पर टिप्पणी करते हुए उन्होंने पश्चिम बंगाल का जिक्र किया और कहा कि वहां भारी संख्या में सुरक्षाबलों की तैनाती के बावजूद जनता अपने मताधिकार का प्रयोग करती है।

उन्होंने संकेत दिया कि उत्तर प्रदेश में भी चुनाव के दौरान व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की जा सकती है। अखिलेश यादव ने प्रशासनिक अधिकारियों को लेकर कहा कि वे बदलते राजनीतिक संकेतों को समझ रहे हैं और अपनी कार्यशैली में उसी के अनुरूप बदलाव कर रहे हैं। उन्होंने 'पीडीए' (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) के मुद्दे का भी उल्लेख किया।

भाजपा की पदयात्राओं पर टिप्पणी करते हुए सपा प्रमुख ने आरोप लगाया कि कार्यक्रमों में महिलाओं को पर्याप्त जानकारी के बिना बुलाया गया। उन्होंने महिला सम्मान और भागीदारी के मुद्दे पर भी सवाल उठाए। इस दौरान उन्होंने गाजीपुर, कानपुर, हरदोई और मेरठ की घटनाओं का जिक्र करते हुए प्रदेश की कानून-व्यवस्था पर चिंता व्यक्त की। साथ ही उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में अंतिम निर्णय जनता के हाथ में होता है और आने वाले समय में मतदाता इसका जवाब देंगे।

नर्मदा नदी में प्रदूषण रोकने की दिशा में महिलाओं ने बढ़ाया कदम

भोपाल। मध्य प्रदेश की जीवन जीवनदायानी है नर्मदा नदी, लेकिन नदी में बढ़ता प्रदूषण सबके लिए चिंता का सबब है। ओंकारेश्वर की महिलाओं ने इस प्रदूषण को रोकने के लिए एक सार्थक पहल की है। उन्होंने आटे के दीए का कारोबार शुरू किया, जिससे एक तरफ जहां उन्हें रोजगार का अवसर मिला तो दूसरी ओर नर्मदा नदी के प्रदूषण को कम करने की दिशा में इसे एक बड़ी पहल माना जा रहा है।

प्रदेश में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के अंतर्गत गठित स्व-सहायता समूह स?थानीय आवश?यकताओं के अनुरूप रोजगार के साधन अपना रहे हैं। ओंकारेश्वर के एक स?व-सहायता समूह ने इसी दिशा में एक अच?छा कार्य आरंभ किया है। खंडवा जिले के ओंकारेश्वर के समीप स्थित ग्राम मोरटक्का निवासी विजया जोशी ने 'मां नर्मदा आजीविका स्वयं सहायता समूह' का गठन कर एक अनूठी पहल की। उन्होंने 'आटे के दीपक' निर्माण का व्यवसाय शुरू करने का निर्णय लिया। उनका मानना था कि प्लास्टिक के दोने में दीपदान करने से नदी में प्रदूषण बढ़ता है, जिससे मां नर्मदा में रहने वाले जलीय जीव-जंतुओं को भी नुकसान होता है। इसी सोच के साथ समूह की महिलाओं ने पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुए 'आटे के दीपक' बनाने का कार्य शुरू किया। महिलाओं ने स?व-सहायता समूह के माध्यम से डेढ़ लाख रुपये का ऋण लेकर दीपक निर्माण की मशीन खरीदी। ग्रामीण आजीविका मिशन के जिला प्रबंधक आनंद शर्मा ने बताया कि मिशन द्वारा महिलाओं को पैकेजिंग, मार्केटिंग एवं ब्रांडिंग के क्षेत्र में आवश्यक मार्गदर्शन और सहयोग प्रदान किया जा रहा है। समूह की महिलाओं द्वारा तैयार किए गए आटे के दीपक मोरटक्का के खेड़ीघाट स्थित फूलमाला एवं किराना दुकानों पर विक्रय के लिए उपलब्ध कराए गए हैं। इससे ओंकारेश्वर और मोरटक्का क्षेत्र में मां नर्मदा में दीपदान करने वाले श्रद्धालुओं को उचित मूल्य पर पर्यावरण अनुकूल विकल्प मिल रहा है। समूह की अध्यक्ष विजया जोशी ने बताया कि इस पहल से दो प्रमुख लाभ हुए हैं। पहला, प्लास्टिक के दोने से होने वाला प्रदूषण कम हुआ है। दूसरा, दीपक में उपयोग किया गया आटा नदी में मछलियों के भोजन के रूप में उपयोग हो रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि शास्त्रों में दीपदान का विशेष महत्व बताया गया है। शास्त्रीय विधि से आटे के दीपक में दीपदान करने से श्रद्धालुओं की मनोकामनाएं पूर्ण होने की मान्यता भी है।

बेंगलुरु को अपने आईटी हब की तरह ही 'एग्री टेक' राजधानी भी बनना चाहिए : सीएम सिद्दारमैया

बेंगलुरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दारमैया ने शुक्रवार को बड़ा विजन रखते हुए कहा कि बेंगलुरु को आईटी हब की तरह कृषि तकनीक (एग्री-टेक) का भी वैश्विक केंद्र बनना चाहिए। खेती से जुड़ी नई तकनीकें हर किसान तक पहुंचनी जरूरी हैं, तभी असली बदलाव संभव होगा।

वह बेंगलुरु में आयोजित 'ग्लोबल एग्री टेक समिट- 2026' के उद्घाटन के बाद बोल रहे थे। यह कार्यक्रम कर्नाटक वाणिज्य एवं उद्योग मंडल संघ द्वारा आयोजित किया गया था। मुख्यमंत्री ने कहा कि कृषि क्षेत्र में तकनीक का इस्तेमाल समय की जरूरत है। उन्होंने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) समेत नई तकनीकों को खेती में अपनाने पर जोर दिया, ताकि राज्य का समग्र विकास सुनिश्चित किया जा सके। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रम किसानों को नई तकनीक और आधुनिक तरीकों से जोड़ने में अहम भूमिका निभाते हैं।

संपादकीय

त्रिंकोमाली ऊर्जा हब का विकास भारत-श्रीलंका संबंधों में एक रणनीतिक मील का पत्थर होगा

सुगीश्वर सेनाधिरा

भारत के उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन की इस सप्ताह की शुरुआत में श्रीलंका यात्रा चर्चा में इसलिए आई, क्योंकि यह किसी भारतीय उपराष्ट्रपति की पहली आधिकारिक यात्रा थी, बल्कि इसलिए भी कि विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने घोषणा की कि नई दिल्ली पूर्वी श्रीलंका में त्रिंकोमाली ऊर्जा हब प्रस्ताव को जल्द से जल्द लागू करना चाहती है।

स्वतंत्रता के बाद पहले तीन दशकों में भारत और श्रीलंका के बीच उच्च-स्तरीय यात्राएं बहुत कम होती थीं। भारत के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने 1955 में श्रीलंका का दौरा किया था और श्रीलंका के पहले नेता जो नई दिल्ली गए, वे 1956 में तत्कालीन चौथे प्रधानमंत्री एस.डब्ल्यू.आर.डी. बंडारनायके थे।

दिलचस्प बात यह है कि भारत के किसी भी उपराष्ट्रपति ने पहले श्रीलंका की आधिकारिक यात्रा नहीं की थी, हालांकि वी.वी. गिरि, जो 1967 में उपराष्ट्रपति बने और दो साल बाद भारत के राष्ट्रपति बने, 1947 से 1951 तक सीलोन (श्रीलंका) में भारत के पहले प्रतिनिधि (हाई कमिश्नर) रह चुके थे।

रणनीतिक सुदृढ़ीकरण

हाल के वर्षों में भारत और श्रीलंका के बीच एक शांत लेकिन महत्वपूर्ण कूटनीतिक पैटर्न उभर रहा है, जिसमें शीर्ष स्तर की बैठकें, राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और मंत्रिस्तरीय आदान-प्रदान तथा रणनीतिक यात्राएं अब लगभग हर दो-तीन महीने में होने लगी हैं। जो पहले संकट या औपचारिक अवसरों पर निर्भर करता था, वह अब एक संस्थागत जुड़ाव का रूप लेता जा रहा है।

ऊपरी तौर पर उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन की यात्रा बड़े समझौतों से अधिक एक शांत रणनीतिक सुदृढ़ीकरण पर केंद्रित थी, जिसमें सद्भाव का भरोसा, विकास सहायता की दृश्यता और श्रीलंका के सबसे करीबी साझेदार के रूप में भारत की पुनर्पुष्टि शामिल है।

विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने कोलंबो में मीडिया ब्रीफिंग के दौरान कहा कि भारत प्रधानमंत्री मोदी की पिछले वर्ष श्रीलंका यात्रा के दौरान हस्ताक्षरित त्रिंकोमाली ऊर्जा हब प्रस्ताव को तुरंत लागू करना चाहता है। उन्होंने कहा कि दोनों पक्ष इस बात पर सहमत हैं कि त्रिंकोमाली जैसे रणनीतिक परियोजनाओं पर 'अब और समय बर्बाद नहीं किया जा सकता। 2025 में भारत, श्रीलंका और संयुक्त अरब अमीरात के बीच हुए त्रिपक्षीय समझौता ज्ञापन (रूश्) के तहत त्रिंकोमाली को एक क्षेत्रीय ऊर्जा हब के रूप में विकसित करने की योजना बनाई गई है। इसमें त्रिंकोमाली के 99 तेल टैंक फार्म का विकास, भारत-श्रीलंका को जोड़ने वाली बहु-उत्पाद पेट्रोलियम पाइपलाइन, संभावित नई रिफाइनरी, बंकर ईंधन और भंडारण सुविधाएं तथा यूएई की भागीदारी के साथ क्षेत्रीय ऊर्जा सुरक्षा सहयोग शामिल है।

राजनीतिक दृष्टि से उपराष्ट्रपति की इस यात्रा को श्रीलंका के आर्थिक संकट के बाद भारत द्वारा अपने प्रभाव को मजबूत करने, त्रिंकोमाली, बंदरगाहों, ऊर्जा, तमिल समुदाय तक पहुंच और लोगों के बीच संबंधों पर ध्यान केंद्रित करने के रूप में देखा जा रहा है। यह चीन की रणनीतिक मौजूदगी के मुकाबले आगे रहने की भारत की कोशिश को भी दर्शाता है।

त्रिंकोमाली का महत्व

यदि श्रीलंका में भारत के लिए कोई एक स्थान सबसे अधिक मायने रखता है, तो वह त्रिंकोमाली ही है। यह दुनिया के बेहतरीन प्राकृतिक बंदरगाहों में से एक है और इसका व्यावसायिक, नौसैनिक तथा ऊर्जा के लिहाज से बड़ा महत्व है। दशकों से नई दिल्ली के रणनीतिकार इसे बंगाल की खाड़ी की सुरक्षा व्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण मानते रहे हैं।

भारत ने इस रणनीति को 1987 के भारत-श्रीलंका समझौते में शामिल कर औपचारिक रूप दिया था, जिस पर राष्ट्रपति जे.आर. जयवर्धने और प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने हस्ताक्षर किए थे। भारत की दीर्घकालिक रुचि तेल टैंक फार्म परियोजना में सहयोग बढ़ाने, एकीकृत ऊर्जा हब बनाने, औद्योगिक और लॉजिस्टिक्स उपस्थिति बढ़ाने और प्रतिद्वंद्वी शक्तियों को त्रिंकोमाली में रणनीतिक बढ़त हासिल करने से रोकने में है। इसी वजह से उपराष्ट्रपति की यात्रा के दौरान भारतीय विदेश सचिव ने जोर दिया कि त्रिंकोमाली परियोजना को वादों से आगे बढ़ाकर क्रियान्वयन तक पहुंचाना जरूरी है। भारत जानता है कि बुनियादी ढांचे में देरी अक्सर अन्य शक्तियों के लिए भू-राजनीतिक अवसर बन जाती है। भारत यह भी समझता है कि जो भी श्रीलंका के बंदरगाहों पर प्रभाव रखता है, वह हिंद महासागर में महत्वपूर्ण भूमिका हासिल कर लेता है। इसलिए भारत की प्राथमिकता कोलंबो बंदरगाह तक स्थिर पहुंच सुनिश्चित करना है।

विश्व मलेरिया दिवसः एक रोग मुक्त भविष्य का संकल्प

महेन्द्र तिवारी

प्रतिवर्ष 25 अप्रैल को संपूर्ण विश्व में मलेरिया दिवस मनाया जाता है। यह दिन केवल एक औपचारिकता नहीं है, बल्कि उस वैश्विक संकल्प को दोहराने का अवसर है जो मानवता को इस घातक बीमारी से मुक्त कराने के लिए लिया गया है। मलेरिया सदियों से मानव सभ्यता के लिए एक गंभीर चुनौती बना हुआ है। यदि हम इतिहास के पन्नों को पलटें तो पता चलता है कि विश्व स्वास्थ्य सभा ने 2007 में अपने 60 वें सत्र के दौरान अफ्रीका मलेरिया दिवस को विश्व मलेरिया दिवस में बदलने का निर्णय लिया था। इसका मुख्य उद्देश्य दुनिया भर के देशों को इस बीमारी के प्रति जागरूक करना और इसके रोकथाम के लिए संसाधन जुटाना था। मलेरिया एक ऐसी बीमारी है जो मादा एनोफिलीज मच्छर के काटने से फैलती है। यह मच्छर प्लाज्मोडियम नामक परजीवी को मनुष्य के रक्त में छोड़ देता है। यद्यपि यह बीमारी निवारणीय और उपचार योग्य है, फिर भी यह हर साल लाखों लोगों की जान ले लेती है। ताजा आंकड़ों पर दृष्टि डालें तो विश्व स्वास्थ्य संगठन की 2023 की रिपोर्ट के अनुसार, 2022 में विश्व स्तर पर मलेरिया के लगभग 249 मिलियन मामले सामने आए थे। यह संख्या चिंताजनक है क्योंकि यह 2021 की तुलना में लगभग 5 मिलियन अधिक थी। इन मामलों में होने वाली मौतों का आंकड़ा भी डरावना है, जहाँ 2022 में लगभग 608000 लोगों ने अपनी जान गँवाई।

मलेरिया का सबसे गहरा प्रभाव अफ्रीकी देशों में देखा जाता है। वैश्विक स्तर पर मलेरिया के कुल मामलों का लगभग 94 प्रतिशत और होने वाली मौतों का 95 प्रतिशत हिस्सा केवल अफ्रीका से आता है। इसमें भी विडंबना यह है कि मरने वालों में 80 प्रतिशत से अधिक संख्या 5 वर्ष से कम आयु के बच्चों की होती है। यह आंकड़ा हमें सोचने पर विवश करता है कि विज्ञान की इतनी प्रगति के बावजूद हम अपने भविष्य को इस छोटे से मच्छर से बचाने में पूरी तरह सफल क्यों नहीं हो पा रहे हैं। भारत के संदर्भ में यदि बात करें तो स्थिति में काफी सुधार देखने को मिला है। भारत ने पिछले कुछ वर्षों में मलेरिया के मामलों में उल्लेखनीय कमी दर्ज की है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, भारत में 2015 से 2022 के बीच मलेरिया के मामलों में लगभग 85 प्रतिशत की गिरावट आई है। भारत का लक्ष्य है कि वह 2027 तक मलेरिया मुक्त हो जाए और 2030 तक इस बीमारी का पूरी तरह से उन्मूलन कर दे। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए राष्ट्रीय मलेरिया उन्मूलन ढांचा 2016-2030 कार्यरत है। इसके तहत देश के विभिन्न राज्यों को उनकी गंभीरता के आधार पर अलग-अलग श्रेणियों में बांटा गया है और सूक्ष्म स्तर पर योजनाएं बनाई जा रही हैं।

मलेरिया केवल एक स्वास्थ्य समस्या नहीं है, बल्कि यह आर्थिक विकास में भी एक बड़ी बाधा है। यह बीमारी अक्सर उन क्षेत्रों में अधिक फैलती है जहाँ गरीबी, जलभराव और स्वच्छता का अभाव होता है। जब परिवार का कोई सदस्य बीमार होता है, तो न केवल उसकी कार्यक्षमता प्रभावित होती है, बल्कि परिवार की संचित पूंजी भी इलाज में खर्च हो जाती है। विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में यह कृषि उत्पादकता को भी प्रभावित करता है। वैज्ञानिकों का मानना है कि जलवायु परिवर्तन भी मलेरिया के प्रसार में एक बड़ी भूमिका निभा रहा है। बढ़ते तापमान और

अनिश्चित वर्षा के कारण मच्छरों को पनपने के लिए नए क्षेत्र मिल रहे हैं। ऐसे क्षेत्रों में जहाँ पहले मलेरिया नहीं था, अब वहाँ भी इसके मामले देखे जा रहे हैं। इसके अतिरिक्त, कीटनाशकों के प्रति मच्छरों की बढ़ती प्रतिरोधक क्षमता एक नई चुनौती बनकर उभरी है। कई क्षेत्रों में देखा गया है कि मच्छर उन रसायनों से नहीं मर रहे हैं जिनका उपयोग लंबे समय से किया जा रहा था। साथ ही, परजीवी ने भी दवाओं के प्रति अपनी प्रतिरोधक क्षमता विकसित कर ली है, जिससे उपचार की प्रक्रिया जटिल होती जा रही है।

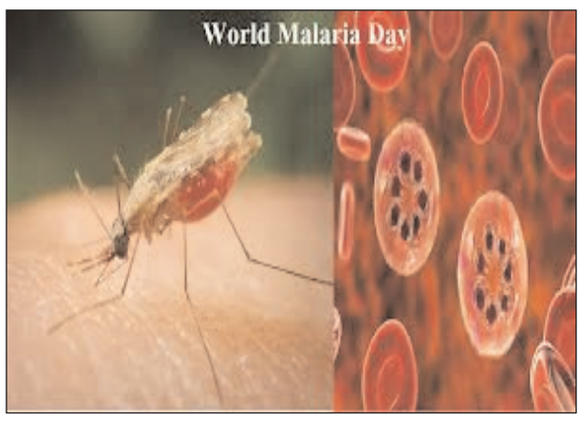

चिकित्सा विज्ञान के क्षेत्र में मलेरिया की वैक्सीन का आगमन एक क्रांतिकारी कदम है। 2021 में विश्व स्वास्थ्य संगठन ने आरटीएस,एस नामक पहली वैक्सीन को मंजूरी दी थी और उसके बाद आर21 नामक दूसरी वैक्सीन ने भी आशा की नई किरण जगाई है। परीक्षणों में यह पाया गया है कि ये वैक्सीन बच्चों में गंभीर मलेरिया के मामलों को कम करने में अत्यधिक प्रभावी हैं। भारत में भी इन टीकों के वितरण और उपयोग को लेकर व्यापक योजनाएं बनाई जा रही हैं। हालांकि, केवल टीकों पर निर्भर रहना पर्याप्त नहीं होगा। मलेरिया से बचाव के पारंपरिक तरीके जैसे कि कीटनाशक उपचारित मच्छरदानियों का उपयोग, घरों के भीतर कीटनाशक छिड़काव और व्यक्तिगत सुरक्षा उपाय आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं। सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली को मजबूत करना और जमीनी स्तर पर आशा कार्यकर्ताओं के माध्यम से निगरानी बढ़ाना इस लड़ाई में सबसे महत्वपूर्ण हथियार हैं।

मलेरिया के इतिहास को देखें तो 20 अगस्त 1897 का दिन बहुत महत्वपूर्ण था, जब सर रोनाल्ड रॉस ने सिकंदराबाद, भारत में अपनी खोज के माध्यम से यह सिद्ध किया था कि मलेरिया मच्छरों द्वारा फैलता है। उनकी इस महान खोज के लिए उन्हें 1902 में नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। तब से लेकर आज तक हमने लंबी दूरी तय की है, लेकिन अंतिम विजय अभी बाकी है। विश्व मलेरिया दिवस पर हमें उन स्वास्थ्य कर्मियों को भी याद करना चाहिए जो दुर्गम क्षेत्रों में जाकर लोगों की जांच करते हैं और उन्हें दवाएं उपलब्ध कराते हैं। मलेरिया का निदान अब बहुत सरल हो गया है। रैपिड डायग्नोस्टिक किट के माध्यम से मात्र 15 मिनट में यह पता लगाया जा सकता है कि व्यक्ति मलेरिया से पीड़ित है या नहीं। प्रारंभिक अवस्था में पहचान होने पर इसका उपचार पूरी तरह संभव है। समस्या तब उत्पन्न होती है जब लोग लक्षणों को नजरअंदाज करते हैं या झोलाछाप डॉक्टरों के चक्कर में पड़ जाते हैं। तेज बुखार, कंपकंपी, सिरदर्द और मांसपेशियों में दर्द जैसे लक्षणों को गंभीरता से लेना अनिवार्य है।

मलेरिया उन्मूलन के लिए वैश्विक सहयोग की भी अत्यंत आवश्यकता है। विकसित देशों को चाहिए कि वे शोध और विकास के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करें ताकि नई दवाओं और टीकों का निर्माण हो सके। वहीं विकासशील देशों को अपनी स्वास्थ्य नीतियों में पारदर्शिता और तत्परता लानी होगी। 2024 और उसके बाद के वर्षों के लिए वैश्विक समुदाय का ध्यान निवेश, नवाचार और कार्यान्वयन पर केंद्रित है। इसका अर्थ है कि उपलब्ध संसाधनों का सही तरीके से उपयोग हो, नई तकनीकों को अपनाया जाए और नीतियों को प्रभावी ढंग से जमीन पर उतारा जाए। डिजिटल तकनीक का उपयोग भी इस क्षेत्र में बढ़ रहा है। अब मोबाइल एप्स के माध्यम से मच्छरों के प्रजनन स्थलों की मैपिंग की जा रही है और रियल टाइम डाटा के आधार पर प्रभावित क्षेत्रों में त्वरित कार्रवाई की जा रही है।

अंततः, मलेरिया मुक्त विश्व का सपना तभी साकार होगा जब समाज का प्रत्येक नागरिक जागरूक होगा। हमें यह समझना होगा कि मच्छरों को पनपने देना केवल हमारी लापरवाही नहीं, बल्कि सामूहिक स्वास्थ्य के लिए खतरा है। अपने आसपास पानी जमा न होने देना, स्वच्छता बनाए रखना और मच्छरदानी का नियमित उपयोग करना छोटे कदम लग सकते हैं, लेकिन इनका प्रभाव बहुत बड़ा होता है। विश्व मलेरिया दिवस हमें यह याद दिलाता है कि भले ही चुनौती बड़ी हो, लेकिन मानवीय इच्छाशक्ति और विज्ञान के तालमेल से हम इस बीमारी को इतिहास का हिस्सा बना सकते हैं। यदि हम 2030 तक शून्य मलेरिया के लक्ष्य को प्राप्त करना चाहते हैं, तो हमें आज से ही अपनी प्रतिबद्धता को दोगुना करना होगा। यह केवल सरकार का काम नहीं है, बल्कि यह हर उस व्यक्ति की जिम्मेदारी है जो एक स्वस्थ और सुरक्षित समाज की कल्पना करता है। मलेरिया के विरुद्ध इस युद्ध में विज्ञान, समर्पण और जनभागीदारी ही हमारी जीत के आधार स्तंभ बनेंगे। आने वाली पीढ़ियों को एक ऐसा संसार देना जहाँ मलेरिया का कोई डर न हो, यही इस दिवस की सच्ची सार्थकता होगी। 1.3 अरब से अधिक जनसंख्या वाले देश भारत के लिए यह चुनौती और भी महत्वपूर्ण है क्योंकि हमारी सफलता वैश्विक आंकड़ों को सीधे तौर पर प्रभावित करती है। पिछले दशक की प्रगति यह दर्शाती है कि हम सही दिशा में हैं, बस अब अंतिम प्रहार की आवश्यकता है।

भारत नरक नहीं, स्वर्ग का अहसास है, मानवता का वैभव, सभ्यता का प्रकाश है!

कमलेश पांडे

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत के लिए अब तक कई बार ऐसे तीखे या अपमानजनक बयान दिए हैं जिनके पश्चात उन्होंने या तो रुख बदल दिया या सॉफ्ट स्टेटमेंट जारी करके अपनी बात पर 'यू टर्न' लेकर साफ साफ मुकर जैसा अंदाज़ दिखाया है। हाल ही में फिर उन्होंने 'नरक जैसा देश' वाला बयान दिया और फिर यू टर्न ले लिया। उनका रवैया दुनिया का थानेदार समझे जाने वाले सर्वाधिक विकसित और धनी देश अमेरिका के शालीन, सभ्य और सुसंस्कृत होने पर सवालिया निशान लगाने को काफी है। खासकर भारत के खिलाफ जिसका अंतर्राष्ट्रीय आचरण सदैव मर्यादित रहता आया है। भारत पैसे वालों की कद्र नहीं करता, क्योंकि यह तो देशी-विदेशी अपराधियों और वेश्याओं के पास भी खूब होता है, लेकिन सामाजिक प्रतिष्ठा बिल्कुल नहीं होती। ट्रंप के नेतृत्व में अमेरिका इसी फूहड़ता से ग्रसित है, अभिशप्त है और अंतर्राष्ट्रीय गुंडई में इतना आगे निकल चुका है कि उसके मित्र देश भी उसके साथ खड़े होने में परहेज कर रहे हैं और उसे यूज एंड थ्रो कर रहे हैं। ईरान-अमेरिका युद्ध ने अमेरिका की पूरी मिट्टी पलीद कर दी है और उसके डीप स्टेट की जो भद्द पिटी है, वैसा कोई उदाहरण अन्यत्र नहीं मिलता। शायद इसी खीझ का नाता ट्रंप के नारकीय विवाद से है। आइए, जानते हैं कि सबसे हाल का विवाद 24 घंटे में ही कैसे दोनों ध्रुवों पर घूम गया, जब भारतीय विदेश मंत्रालय ने कड़ी प्रतिक्रिया दी। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर एक रेडियो होस्ट माइकल सैवेज के पॉडकास्ट का हिस्सा शेयर किया, जिसमें भारत और चीन जैसे देशों को

'नरक' (hellholes / hell on earth) जैसी जगह बताया गया। इस पोस्ट में भारतीयों के बारे में नस्लवादी टिप्पणी भी थी कि भारत-चीन से लोग अमेरिका आते हैं बस यहीं बच्चे पैदा करने के लिए ताकि उन्हें तुरंत अमेरिकी नागरिकता मिल जाए, जो भारतीय डिप्लोमैसी और जनता के लिए बेहद अपमानजनक माना गया।

फिर अगले ही नए बयान में ट्रंप ने रुख पूरी तरह बदल दिया, क्योंकि समझ में आ गया कि ये मोदी का भारत है, चुपचाप उल्टा लटका देगा। कोई काम नहीं आएगा, जब कूटनीतिक शतरंज की एक चाल चल देगा तो। लिहाजा, उन्होंने जनता के बीच और अमेरिकी दूतावास के प्रवक्ता के ज़रिए कहा कि भारत 'एक महान देश' (a great country) है, 'मजबूत और महान राष्ट्र' है और भारत के शीर्ष नेता (प्रधानमंत्री मोदी) के साथ उनकी 'निजी दोस्ती' है। काबिलेगौर है कि इस तरह 24 घंटे के अंदर वही शख्स जो भारत को 'hard to deal with' या नरक जैसी जगह कह चुके थे, उसी देश की तारीफ़ में बोलने लगे, जिसे राजनीतिक यू टर्न और दबाव में बदला गया माना जा रहा है।

अब इनकी टैरिफ और 'टैरिफ किंग' वाली पुरानी टिप्पणी को स्मरण करा देते हैं। इसके अलावा ट्रंप ने व्यापार के मसले पर भी दोहरा अपना बयान दिया है। अपने कई इंटरव्यू और भाषणों में उन्होंने भारत को 'टैरिफ किंग' (tariff king) कहा है, और यह कहा है कि भारत दुनिया में सबसे ज्यादा शुल्क लगाने वाले देशों में से एक है, जिससे अमेरिकी उत्पादों को नुकसान होता है। इसी क्रम में उन्होंने भारत पर जवाबी टैरिफ लगाने की धमकी भी दी, लेकिन एक ही हवन में ही यह भी कहा कि भारत के साथ 'बहुत अच्छे संबंध' हैं, यानी एक ही बयान में औपचारिक तारीफ़ और व्यावहारिक धमकी दोनों। निष्कर्षन के तौर पर पैटर्न यह दिखता है कि ट्रंप ने भारत के लिए एक बार नफरत भरी, नस्लवादी, 'नरक जैसा देश' वाली भाषा इस्तेमाल की, और फिर तुरंत मिटाने के लिए भारत को 'महान देश' और प्रधानमंत्री मोदी को 'अपना दोस्त' कहकर मुकर जैसा कर दिया।

बोध कथा

निंदा का फल...

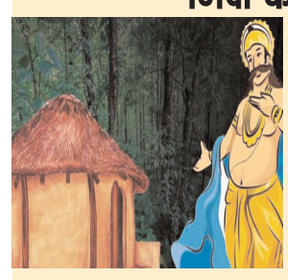

एक बार की बात है की किसी राजा ने यह फैसला लिया के वह प्रतिदिन 100 अंधे लोगों को खीर खिलाया करेगा। एक दिन खीर वाले दूध में सांप ने मुंह डाला और दूध में विष डाल दी और ज़हरीली खीर को खाकर 100 के 100 अंधे व्यक्ति मर गए। राजा बहुत परेशान हुआ कि मुझे 100 आदमियों की हत्या का पाप लगेगा।राजा परेशानी की हालत में अपने राज्य को छोड़कर जंगलों में भक्ति करने के लिए चल पड़ा, ताकि इस पाप की माफी मिल सके। रास्ते में एक गांव आया। राजा ने चौपाल में बैठे लोगों से पूछा की क्या इस गांव में कोई भक्ति भाव वाला परिवार है ? ताकि उसके घर रात काटी जा सके।चौपाल में बैठे लोगों ने बताया कि इस गांव में दो बहन भाई रहते हैं जो खूब बंदगी करते हैं। राजा उनके घर रात ठहर गया। सुबह जब राजा उठा तो लड़की सिमरन पर बैठी हुई थी। इससे पहले लड़की का रूटीन था की वह दिन निकलने से पहले ही सिमरन से उठ जाती थी और नाश्ता तैयार करती थी। लेकिन उस दिन वह लड़की बहुत देर तक सिमरन पर बैठी रही।जब लड़की सिमरन से उठी तो उसके भाई ने कहा की बहन तू इतना लेट उठी है ,अपने घर मुसाफिर आया हुआ है।इसने नाश्ता करके दूर जाना है। तुझे सिमरन से जल्दी उठना चाहिए था। तो लड़की ने जवाब दिया कि भैया ऊपर एक ऐसा मामला उलझा हुआ था। धर्मराज को किसी उलझन भरी स्थिति पर कोई फैसला लेना था और मैं वो फैसला सुनने के लिए रुक गयी थी, इस लिए देर तक बैठी रही सिमरन पर। उसके भाई ने पूछा ऐसी क्या बात थी। तो लड़की ने बताया कि फलां राज्य का राजा अंधे व्यक्तियों को खीर खिलाया करता था। लेकिन सांप के दूध में विष डालने से 100 अंधे व्यक्ति मर गए। अब धर्मराज को समझ नहीं आ रही कि अंधे व्यक्तियों की मौत का पाप राजा को लगे।

तीर तेवर —— सागर कुमार

व्यंग्य केसरी

सीजफायर के रंग

शर्मिला चौहान

दुनिया के युद्ध में और गृहयुद्ध में सीजफायर, अंदर में लटके त्रिशंकु की सी स्थिति है। दोनों पक्ष रस्सा-कसी में तैनात कि कौन एक गोला दागे तो बस, आधिकारिक रूप से उल्लंघन घोषित हो।

संसद के सदनों में तो अध्यक्ष के हजारों बार रोकने के बावजूद, सीजफायर पल- पल टूटता है। न्यायालय में जज दोनों पक्षों से शांति की अपील करके, थका-हारा अगली तारीख सुना जाता है।

अभी हाल फिलहाल तो सीजफायर तीन दिनों तक क्या, तीन घंटे भी नहीं चलते मानो रास्ता ही तकते हों देश कि ज्यों ही सीजफायर हुआ त्यों ही फायर की तेजी से हमला करेंगे।

अब आप सोचो जो इस प्रक्रिया में, अपने आपको श्रेष्ठ साबित करने के लिए सीजफायर करवाने का श्रेय लेना चाहता है, उसकी तो दुनिया में थू-थू।

अब हमारे मोहल्ले में, सीजफायर करवाने वाली और तुड़वाने वाली समितियों का गठन हो गया है। सोसायटी के झगड़े, मकानमालिक किरायेदारों के बीच का मामला, सड़क किनारे फेरी लगाने वाले, मीटर से न चलने वाले ऑटो इन सबके लिए शांति वार्ता, मध्यस्थ समिति अपने पूरे शबाब पर चल रही है।

आपसी बातचीत से दो पक्ष तैयार किए जाते हैं। कौन किसका, कितना और कैसे नुकसान करेगा रूपरेखा तैयार की जाती है। दोनों पक्षों के बीच झगड़े बढ़ाने के लिए, कुछ खबरी अप्वाइंट किए होते हैं जो फायर में घी डालते हैं। जब इस झगड़े का कोलाहल, आसपास के दस-बारह रहवासियों के आँखों-कानों तक पहुँचने लगे तो बस ... शांति वार्ता और सीजफायर की पूर्व निर्धारित टीम कमर कस लेती है।

खबरियों के माध्यम से सारे मोहल्ले में होने वाले सीजफायर का, जोर-शोर से प्रचार किया जाता है। दोनों पक्षों को कुरूक्षेत्र की सेना की तरह आमने-सामने खड़ा करके, मध्यस्थ समिति खुद ही कुछ नियम बताए देती है।

एक-दूसरे को नीचा दिखाने में लगे उन पक्षों में, शांति की न कोई इच्छा दिखती न वार्ता की गुंजाइश। इस बीच मध्यस्थ समिति का अध्यक्ष डंके की चोट पर दोनों पक्षों के बीच सीजफायर का ऐलान कर देता है। टेबल के ऊपर और नीचे, हर तरीके से पक्ष-विपक्ष की सुलह दिखाई जाती है। शांति दूतों से अखबार रंग जाते हैं, टेलीविजन और सोशल मीडिया को दिनभर चलाते रहने के लिए चेहरे और मनगढ़ंत बातें मुफ़्त में उपलब्ध हो जाती हैं। आम आदमी, जमकर देखता है और टीआरपी की तूफानी पारी मीडिया खेलती है।

सीजफायर तो पति-पत्नी के युद्ध में सबसे सफल होते हैं जहाँ पत्नी के मायके वालों द्वारा मध्यस्थता और प्रतिपक्ष के आत्मसमर्पण के बाद ही वार्तालाप की गुंजाइश होती है।

अब किन्हीं दो युद्धरत देशों के बीच सीजफायर की घोषणा सुनें तो कुछ घंटों बाद किसी बड़े आक्रमण की प्रतीक्षा में, अपना टेलीविजन चालू रखें।

इतिहास

24 अप्रैल का इतिहास भारत और विश्व के लिए काफी महत्वपूर्ण है, जिसमें भारत में पंचायती राज व्यवस्था की शुरुआत और सचिन तेंदुलकर द्वारा वनडे में 12,000 रन पूरे करने जैसी प्रमुख घटनाएं शामिल हैं।

24 अप्रैल को घटी प्रमुख ऐतिहासिक घटनाएं:

1973: भारत के प्रसिद्ध क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर का जन्म। 1993: भारत में पंचायती राज व्यवस्था संवैधानिक रूप से लागू की गई, जिसे हर साल राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस के रूप में मनाया जाता है। 1974: भारत में 'यंग्स ट्यूनल' का उद्घाटन हुआ, जो देश के सबसे लंबे सड़क सुरंगों में से एक थी। 2005: युगांडा के राष्ट्रपति युवेरी मुसेवेनी ने तीसरे कार्यकाल के लिए शपथ ली। 2013: बांग्लादेश की राजधानी ढाका में राणा प्लाजा इमारत ढहने से 1,100 से अधिक लोगों की जान चली गई, जो दुनिया के सबसे भयानक औद्योगिक हादसों में से एक है।

लगातार तीसरे दिन लाल निशान में बंद हुआ बाजार, सेंसेक्स-निफ्टी 1 प्रतिशत से ज्यादा फिसले, आईटी सेक्टर 5 प्रतिशत गिरा

मुंबई। कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और मध्य पूर्व में अमेरिका-ईरान युद्ध के बढ़ने से बाजार की भावना पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा, जिसके चलते भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को लगातार तीसरे कारोबारी दिन भारी गिरावट के साथ बंद हुआ। इस दौरान बीएसई सेंसेक्स और एनएसई निफ्टी 50 में 1 प्रतिशत से ज्यादा की गिरावट दर्ज की गई।

बाजार बंद होने के समय 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 999.79 अंकों यानी 1.29 प्रतिशत की गिरावट के साथ 76,664.21 पर ट्रेड करते नजर आया, तो वहीं एनएसई निफ्टी50 275.10 (1.14 प्रतिशत) अंक फिसलकर 23,897.95 पर पहुंच गया।

दिन के कारोबार के दौरान 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 77,483.80 पर खुलकर 1,260 अंक या 1.6 प्रतिशत गिरकर 76,403.87 के दिन के निचले स्तर पर पहुंच गया, जबकि निफ्टी 24,100.55 पर खुलकर 359 अंक या 1.5 प्रतिशत गिरकर 23,813.65 के दिन के निचले स्तर पर पहुंच गया।

व्यापक बाजारों में बिकवाली का दबाव देखने को मिला, जिसमें निफ्टी मिडकैप में 0.96 प्रतिशत तो निफ्टी स्मॉलकैप में 0.87 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई।

सभी सेक्टोरल इंडेक्स लाल निशान में बंद हुए, जिनमें निफ्टी आईटी में सबसे ज्यादा 5.29 प्रतिशत की गिरावट देखने को मिली। इसके अलावा, निफ्टी मीडिया में 1.87 प्रतिशत, निफ्टी फार्मा में 1.77 प्रतिशत, निफ्टी रियल्टी में 1.35 प्रतिशत, निफ्टी हेल्थकेयर में 1.49 प्रतिशत निफ्टी ऑयल एंड गैस में 0.72 प्रतिशत, निफ्टी एफएमसीजी में 0.73 प्रतिशत और निफ्टी ऑटो में 0.68 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई।

निफ्टी 50 पैक में कोल इंडिया, ट्रेंट, हिंडाल्को, नेस्ले इंडिया, श्रीराम फाइनेंस, एसबीआई और आयशर मोटर के शेयरों में तेजी देखने को मिली, जबकि इंफोसिस, टीसीएस, टेक महिंद्रा, एचसीएल टेक, सन फार्मा और एसबीआई लाइफ के शेयरों में 6.9 प्रतिशत से 3.2 प्रतिशत तक की गिरावट दर्ज की गई।

बाजार के जानकारों के मुताबिक, यह सप्ताह बाजार के लिए कमजोर साबित हुआ है। पश्चिम एशिया में सीजफायर को लेकर कोई ठोस प्रगति नहीं हुई है और होर्मुज जलडमरूमध्य में स्थिति जस की तस बनी हुई है। हालांकि लेबनान-इजरायल सीजफायर का विस्तार और अमेरिका-ईरान के बीच बातचीत जैसे कुछ सकारात्मक संकेत जरूर मिले हैं, लेकिन कुल मिलाकर तनाव और बढ़ने का खतरा अभी भी बना हुआ है। घरेलू स्तर पर आईटी सेक्टर में बड़ी गिरावट, रुपए की कमजोरी और विदेशी निवेशकों की निकासी ने बाजार पर अतिरिक्त दबाव डाला है। एक मार्केट एक्सपर्ट ने बताया कि तकनीकी नजरिए से देखें तो निफ्टी 50 कमजोर रुख के साथ बंद हुआ। दिन के पहले हिस्से में लगातार बिकवाली के चलते यह 24,000 के अहम स्तर से नीचे फिसल गया, जिससे गिरावट और तेज हो गई।

आईडीबीआई बैंक की विनिवेश प्रक्रिया जारी, सरकारी बैंकों के विलय को लेकर फिलहाल कोई प्रस्ताव नहीं : निर्मला सीतारमण

पुणे। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को कहा कि सरकार की योजना आईडीबीआई बैंक के विनिवेश को जारी रखने की है।

वित्त मंत्री का यह बयान ऐसे समय पर आया है जब आईडीबीआई बैंक के विनिवेश को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है और इससे पहले के राउंड में बोली सरकार द्वारा निर्धारित किए गए रिजर्व प्राइस से काफी नीचे आई थी।

मूल योजना के अनुसार, सरकार को आईडीबीआई बैंक में 30.48 प्रतिशत हिस्सेदारी, जबकि एलआईसी को 30.24 प्रतिशत हिस्सेदारी बेचनी थी, जिससे कुल मिलाकर बिक्री के लिए रखी गई हिस्सेदारी 60.72 प्रतिशत थी। पहले के बाजार मूल्यों के आधार पर, इस हिस्सेदारी का संयुक्त मूल्य लगभग 72,000 करोड़ रुपए आंका गया। आईडीबीआई बैंक के विनिवेश की प्रक्रिया 7 जनवरी, 2023 से चल रही है।

वित्त मंत्री सीतारमण ने पुणे में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के महाराष्ट्र सर्कल के स्थानीय मुख्यालय के नए परिसर के उद्घाटन के अवसर पर पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि फिलहाल सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के विलय को लेकर कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है और एक उच्च स्तरीय बैंकिंग समिति इस मामले की जांच करेगी।

सीतारामण ने आगे कहा कि भारत की आर्थिक वृद्धि घरेलू गतिविधियों विशेष रूप से कृषि पर आधारित होनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था का विशाल आकार और मजबूत आंतरिक खपत बड़े बैंकों की आवश्यकता पैदा करती है। देश की घरेलू मांग स्वयं विकास को बनाए रखने में सक्षम है।

उन्होंने आगे कहा, 'मैं फिर से दोहराती हूं कि घरेलू खपत और घरेलू अर्थव्यवस्था की अच्छी प्रगति ने हमारा साथ दिया है। हमारे निर्यातकों ने वैश्विक अनिश्चितताओं के कारण उत्पन्न सभी टैरिफ और अन्य चुनौतियों के बावजूद अच्छा प्रदर्शन किया है। यह उनकी सूझबूझ, नए बाजारों की खोज और उनके बेहतर प्रदर्शन के कारण संभव हो पाया है। निर्यात इसलिए ठीक चल रहा है क्योंकि वे नए बाजार ढूंढने और अपनी वृद्धि को बनाए रखने में सक्षम हैं।

मजबूत डॉलर से सोने और चांदी में गिरावट जारी, करीब आधा प्रतिशत घटे दाम

मुंबई । सोने और चांदी की शुरुआत शुक्रवार को गिरावट के साथ हुई। दोनों कीमती धातुओं के दाम करीब आधा प्रतिशत तक फिसल गए।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने की शुरुआत अपने पिछले सत्र के बंद 1,51,761 रुपए के मुकाबले 1,51,167 रुपए पर हुई।

सुबह 9:40 पर सोने का 05 जून 2026 का कॉन्ट्रैक्ट 0.47 प्रतिशत या 718 रुपए की कमजोरी के साथ 1,51,043 रुपए पर था।

अब तक के कारोबार में सोने ने 1,51,039 रुपए का न्यूनतम स्तर और 1,51,457 रुपए का उच्चतम स्तर बनाया है।

वहीं, सत्र में चांदी की शुरुआत पिछले सत्र के बंद 2,41,513 रुपए के मुकाबले 2,39,200 रुपए पर हुई थी। चांदी का 5 मई 2026 का कॉन्ट्रैक्ट 0.35 प्रतिशत या 842 रुपए की गिरावट के साथ 2,40,671 रुपए पर था।

अब तक के कारोबार में चांदी ने 2,39,200 रुपए का न्यूनतम स्तर और 2,41,382 रुपए का उच्चतम स्तर बनाया है।

अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी सोने और चांदी में बिकवाली देखने को मिल रही है। खबर खिले जाने तक कॉमेक्स पर सोना 0.83 प्रतिशत की गिरावट के साथ 4,684 डॉलर प्रति औंस और चांदी 0.92 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 74.81 डॉलर प्रति औंस पर थी।

मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज के कमोडिटी एनालिस्ट मानव मोदी ने कहा कि अमेरिकी डॉलर के मजबूत होने, यील्ड के बढ़ने और मध्य पूर्व में तनाव को लेकर अनिश्चितता के कारण सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट देखी जा रही है।

उन्होंने आगे कहा कि कच्चे तेल के दोबारा से 100 डॉलर प्रति बैरल के पार निकल जाने से महंगाई बढ़ने का खतरा बना हुआ है, जिसके चलते भी सोने और चांदी पर दबाव देखा जा रहा है।

इसके अतिरिक्त, अमेरिका के उम्मीद से बेहतर प्रारंभिक पीएमआई डेटा ने आर्थिक मजबूती को पुष्ट करते हुए और तत्काल ब्याज दरों में कटौती की उम्मीदों को कम करते हुए सोने पर दबाव बढ़ाया।

भारत के रियल एस्टेट सेक्टर में 2026 की पहली तिमाही में डील गतिविधियां सालाना आधार पर 14 प्रतिशत बढ़ीं

नई दिल्ली। भारत के रियल एस्टेट सेक्टर में वित्त वर्ष 26 की पहली तिमाही में डील की संख्या सालाना आधार पर बढ़कर 32 हो गई है, जो कि पिछले साल समान अवधि में यह संख्या 28 थी। यह जानकारी शुक्रवार को जारी रिपोर्ट में दी गई।

इससे पहले की तिमाही में डील की संख्या 26 थी।

ग्रांट थॉर्नटन भारत की रिपोर्ट में बताया गया कि 2026 की पहली तिमाही में बड़े सौदे नहीं होने पाने के कारण डील की वैल्यू में हल्की नरमी देखने को मिली है और यह मार्च तिमाही में 763 मिलियन डॉलर पर रही है।

रिपोर्ट में बताया गया कि जनवरी से मार्च की अवधि में डील की संख्या में बढ़ोतरी और वैल्यू में कमी आना दिखाता है कि निवेशक छोटे और मध्यम आकार के सौदों की तरफ अधिक आकर्षित हो रहे हैं।

डील की संख्या में विलय और अधिग्रहण सेगमेंट 19 सौदों के साथ शीर्ष पर रहा। हालांकि, बड़े सौदों के न होने के चलते इसकी वैल्यू में तेजी से कम होकर 305 मिलियन डॉलर पर हो गई।

ग्रांट थॉर्नटन भारत के पार्टनर और रियल एस्टेट उद्योग प्रमुख शबाला शिंदे ने कहा, 'इस तिमाही में मध्यम आकार की और आय उत्पन्न करने वाली संपत्तियों की ओर स्पष्ट रुझान देखने को मिला, जिसमें घरेलू गतिविधि का दबदबा बना रहा और निजी इक्विटी पूंजी का एक प्रमुख स्रोत बनी रही।'

शिंदे ने आगे कहा, निवेश के रुझानों से वाणिज्यिक संपत्तियों, विशेष रूप से कार्यालय और खुदरा प्लेटफॉर्मों के प्रति मजबूत रुझान का संकेत मिला, जो स्पष्ट यील्ड और स्थिर नकदी प्रवाह द्वारा समर्थित है, जबकि आरईआईटी के नेतृत्व वाले लेनदेन ने उच्च गुणवत्ता वाली, आय उत्पन्न करने वाली संपत्तियों में संस्थागत विश्वास को और मजबूत किया है।

उन्होंने कहा कि कुल मिलाकर, सौदों का माहौल लचीला बना रहा, हालांकि निवेशक अधिक चयनात्मक दृष्टिकोण अपना रहे हैं, और चल रही व्यापक और भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं के बीच संपत्ति-स्तर के प्रदर्शन और निष्पादन की निश्चितता को प्राथमिकता दे रहे हैं।

प्राइवेट इक्विटी और वेंचर कैपिटल गतिविधि में 458 मिलियन

गिरता रुपया लंबी अवधि के निवेशकों के लिए खरीदारी का मौका : सीईए नागेश्वरन

नई दिल्ली। भारत की करेंसी फिलहाल दबाव में हो सकती है, लेकिन लंबी अवधि में इसकी स्थिति मजबूत बनी हुई है। मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) वी. अनंत नागेश्वरन ने कहा कि रुपया 'मौलिक रूप से कम मूल्यांकित' (अंडरवैल्यूड) है और निवेशकों के लिए एक अच्छा मौका है।

ब्लूमबर्ग से बातचीत में उन्होंने कहा कि मौजूदा समय में रुपए का स्तर लंबी अवधि के निवेशकों के लिए अच्छा एंट्री पॉइंट है, खासकर उन लोगों के लिए जो भारत की ग्रोथ पर भरोसा रखते हैं।

उनका यह बयान ऐसे समय में आया है जब रुपया वैश्विक कारणों की वजह से लगातार दबाव में है।

शुक्रवार को भी रुपया लगातार पांचवें दिन गिरा और शुरुआती कारोबार में 24 पैसे कमजोर होकर 94.25 प्रति डॉलर तक पहुंच गया।

इस गिरावट की एक बड़ी वजह कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी है।

ब्रेंट क्रूड की कीमत 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर बनी हुई है, जिसका कारण पश्चिम एशिया में तनाव है। इससे ऊर्जा सप्लाई प्रभावित हुई है और महंगाई की चिंता बढ़ी है।

रुपए पर दबाव बढ़ने की एक और वजह विदेशी निवेशकों का रुख है। भारतीय शेयर बाजार से विदेशी निवेशकों की बड़ी निकासी (एफपीआई आउटफ्लो) हो रही है, जो इस महीने ही पिछले साल के रिकॉर्ड 18.79 अरब डॉलर से ज्यादा हो चुकी है।

2026 में अब तक रुपया एशिया की सबसे कमजोर करेंसी बन गया है, और इसकी गिरावट पिछले साल से जारी है।

विश्लेषकों का मानना है कि भारत की तेल आयात पर ज्यादा निर्भरता के कारण, वैश्विक तेल कीमतों में बढ़ोतरी का असर रुपए पर ज्यादा पड़ता है।

इन चुनौतियों के बावजूद, नीति-निर्माता भारत की अर्थव्यवस्था को लेकर सावधानी के साथ सकारात्मक नजरिया बनाए हुए हैं।

हाल ही में आरबीआई के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा कि मौजूदा वित्त वर्ष में भारत की विकास दर 6.9 प्रतिशत तक पहुंच सकती है, हालांकि कुछ अर्थशास्त्रियों ने वैश्विक तनाव के कारण अपने अनुमान घटाए हैं।

इस महीने की शुरुआत में नागेश्वरन ने यह भी कहा था कि तेल की बढ़ती कीमतें वैश्विक अर्थव्यवस्था पर असर डाल सकती हैं और हालात सामान्य होने में समय लग सकता है।

अमेरिका-भारत स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप फोरम के एक कार्यक्रम में उन्होंने बताया कि मौजूदा संघर्ष का असर चार तरीकों से पड़ सकता है—ऊर्जा की ऊंची कीमतें, कच्चे माल की सप्लाई में बाधा, लॉजिस्टिक्स और बीमा लागत में बढ़ोतरी, और विदेश से आने वाले पैसे (रेमिटेंस) में कमी।

उन्होंने कहा कि मौजूदा वैश्विक स्थिति को देखते हुए धैर्य रखना जरूरी है, क्योंकि अर्थव्यवस्था को सामान्य होने में समय लग सकता है।

भारतीय कंपनियों की आय वित्त वर्ष 27 की पहली तिमाही में 8.5 प्रतिशत बढ़ने का अनुमान: रिपोर्ट

मुंबई। भारतीय कंपनियों की आय वित्त वर्ष 27 की पहली तिमाही में सालाना आधार पर 8-8.5 प्रतिशत बढ़ने की उम्मीद है। यह जानकारी शुक्रवार को जारी की गई एक रिपोर्ट में दी गई।

रेटिंग एजेंसी क्रिसिल इंटेलिजेंस की रिपोर्ट में कहा गया कि वित्त वर्ष 26 की चौथी तिमाही में आय वृद्धि सालाना आधार पर 8.5-9 प्रतिशत रहने की उम्मीद है। इसकी वजह जीएसटी में कटौती के कारण ऑटोमोबाइल और व्हाइट गुड्स की मजबूत वॉल्यूम होना है।

रिपोर्ट में कहा गया कि वित्त वर्ष 26 की चौथी तिमाही की अपेक्षा वित्त वर्ष 27 की पहली तिमाही में आय में अनुमानित कमी की वजह पश्चिम एशिया में तनाव होना है, जिससे कीमत बढ़ने के कारण मांग पर असर हो सकता है।

क्रिसिल इंटेलिजेंस की रिपोर्ट में बताया गया कि वित्त वर्ष 2026 की चौथी तिमाही के दौरान इस क्षेत्र से सीधे जुड़े सेक्टर्स में संघर्ष का प्रभाव पहले से ही दिखाई दे रहा था। इस संघर्ष का प्रभाव आने वाली तिमाही विशेषकर वित्त वर्ष 27 की पहली दो तिमाही में और अधिक देखने को मिलेगा।

रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत के लिए, ऊर्जा, व्यापार और रेमिटेंस चैनलों के लिहाज से यह क्षेत्र बेहद महत्वपूर्ण बना हुआ है, जिससे अर्थव्यवस्था लंबे समय तक चलने वाले व्यवधानों के प्रति विशेष रूप से संवेदनशील हो जाती है।

भारत अपनी कच्चे तेल की लगभग 89 प्रतिशत आवश्यकताओं का आयात करता है, जिसमें से लगभग 46 प्रतिशत रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण होर्मुज स्ट्रेट से होकर गुजरता है।

देश अपनी लगभग आधी जरूरतों के लिए एलपीजी के आयात पर भी निर्भर है, जिसमें से आधे से अधिक इसी मार्ग से होकर गुजरता है।

लिक्विफाइड पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) के मामले में संवेदनशीलता और भी अधिक है, जहां आयात घरेलू मांग का लगभग दो-तिहाई हिस्सा पूरा करता है और अधिकांश खेप होर्मुज से होकर गुजरती है।

केंद्र सरकार ने अनुसूचित जाति के 75 लाख से अधिक लाभार्थियों को वित्त वर्ष 26 में जारी किए 7,981 करोड़ रुपए

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने अनुसूचित जाति (एससी) के 75 लाख से अधिक लाभार्थियों को 7,981.47 करोड़ रुपए जारी किए हैं। यह जानकारी शुक्रवार को सरकार की ओर से दी गई।

आधिकारिक बयान में कहा गया कि यह धनराशि सामाजिक न्याय और अधिकारिता विभाग द्वारा चलाई जा रही उन योजनाओं के तहत वितरित की गई, जिनका उद्देश्य अनुसूचित जाति से संबंधित हाशिए पर पड़े छात्रों के शैक्षिक सशक्तिकरण पर ध्यान केंद्रित करना है।

प्रमुख छात्रवृत्ति कार्यक्रमों के व्यय में सालाना आधार पर वृद्धि हुई है, जिसमें अनुसूचित जाति और अन्य के लिए पूर्व-मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना में 21 प्रतिशत, अनुसूचित जाति के लिए स्नातकोत्तर छात्रवृत्ति योजना में 11.23 प्रतिशत और अनुसूचित जाति के छात्रों के लिए उच्च स्तरीय शिक्षा हेतु केंद्रीय क्षेत्र छात्रवृत्ति में 13.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

इसके अतिरिक्त, अनुसूचित जाति के लिए लक्षित क्षेत्रों के उच्च विद्यालयों में छात्रों के लिए आवासीय शिक्षा योजना (श्रेष्ठा) के अंतर्गत व्यय में वित्त वर्ष 2025 की तुलना में 16 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।इसके अलावा, राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी वित्त एवं विकास निगम (एनएसकेएफडीसी) ने वित्त वर्ष 2025-26 में 29,448 लाभार्थियों को 223.47 करोड़ रुपए का रियायती वित्त वितरित किया, जिनमें से लगभग 97 प्रतिशत महिलाओं को जारी किया गया है।

औसत ऋण राशि बढ़कर 77,000 रुपए हो गई, जो पिछले वर्ष की तुलना में 16.67 प्रतिशत अधिक है। 785 करोड़ रुपए की अधिकृत शेयर पूंजी और 720 करोड़ रुपए की चुकता पूंजी के साथ, निगम ने कुल 3340.67 करोड़ रुपये का ऋण वितरित किया है, जिससे 6.08 लाख से अधिक व्यक्तियों को लाभ हुआ है। एनएसकेएफडीसी अक्टूबर 1997 से कार्यरत है और रियायती वित्त और सहायता हस्तक्षेपों के माध्यम से सफाई कर्मचारियों, कचरा बीनने वालों, हाथ से मैला ढोने वालों और उनके आश्रितों के सामाजिक-आर्थिक उत्थान पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। बयान में कहा गया है कि सामाजिक न्याय और अधिकारिता विभाग विभिन्न अधिनियमों और कल्याणकारी योजनाओं के कार्यान्वयन की देखरेख करता है।

हीटवेव अलर्ट : रोजमर्रा की आदतें जो आपको निर्जलीकरण और हीटस्ट्रोक से बचा सकती हैं

हीटवेव लगातार एक सार्वजनिक स्वास्थ्य चिंता का विषय बन गई है, खासकर उन शहरों में जहां गर्मी बनी रहती है। बढ़ते तापमान और जलवायु परिवर्तन के प्रभाव के साथ, अत्यधिक गर्मी के लंबे समय तक संपर्क में रहने से निर्जलीकरण (डिहाइड्रेशन), गर्मी से थकावट और अगर सही तरीके से ध्यान न रखा जाए तो हीटस्ट्रोक भी हो सकता है।

कैलाश अस्पताल, ग्रेटर नोएडा के कंसल्टेंट फिजिशियन डॉ. अंकुश गर्ग बता रहे हैं कि आपको क्या जानने की आवश्यकता है।

गर्मियों की चरम स्थितियों के दौरान हाइड्रेटेड रहना आवश्यक है। जब तक आपको प्यास लगती है, तब तक आपके शरीर में पहले से ही पानी की कमी हो चुकी होती है। दिन भर लगातार पानी पीना महत्वपूर्ण है और इसमें बिना चीनी वाले प्राकृतिक ठंडे तरल पदार्थ जैसे नारियल पानी, छाछ और ताजे फलों के रस को शामिल करना चाहिए। जो लोग बाहर काम करते हैं, उनके लिए इलेक्ट्रोलाइट संतुलन बनाए रखना विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह सीधे ऊर्जा के स्तर और समग्र प्रदर्शन को प्रभावित करता है।

गर्मी से निपटने के लिए दिनचर्या को भी समायोजित करने की आवश्यकता है। दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे के बीच चरम गर्मी के घंटों से जितना संभव हो बचना चाहिए। बाहर निकलते समय, सुरक्षा के लिए धूप के चश्मे और सिर ढंकने के साथ हल्के, ढीले सूती कपड़े चुनें। सनस्क्रीन लगाना भी उतना ही महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह त्वचा की रक्षा करने में मदद करता है और गर्मी के अवशोषण को कम करता है। शरीर के तापमान को प्रबंधित करने में आहार महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। खीरा, तरबूज और पत्तेदार साग जैसे पानी से भरपूर खाद्य पदार्थों का सेवन शरीर को ठंडा रखने में मदद कर सकता है।

क्या चीन कर रहा है 'ग्रैंड थेफ्ट अमेरिकन AI'? क्या है मॉडल डिस्टिलेशन और इसे रोकने की अमेरिका की योजना?

ट्रम्प प्रशासन ने विदेशी संस्थाओं, खासकर चीन आधारित कंपनियों, पर 'शोषण' और 'अमेरिकी कृत्रिम बुद्धिमत्ता तकनीक की चोरी' के आरोप लगाते हुए सख्त कार्रवाई करने का संकल्प लिया है।

23 अप्रैल को राष्ट्रपति के मुख्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी सलाहकार माइकल क्रैट्सियोस ने एक मेमो जारी कर चीनी कंपनियों पर आरोप लगाया कि वे अमेरिकी एआई सिस्टम्स की क्षमताओं को 'औद्योगिक स्तर' पर डिस्टिल करने के अभियान चला रही हैं।

निशाने पर कौन?

प्रशासन के मेमो में भले ही व्यापक रूप से 'मुख्यतः चीन आधारित' संस्थाओं को निशाना बनाया गया है, लेकिन अमेरिकी अधिकारियों और एआई लैब्स ने कुछ खास कंपनियों की पहचान की है:

DeepSeek: कम कंप्यूटिंग संसाधनों में शक्तिशाली मॉडल बनाने की तेज सफलता के कारण चर्चा में रही। एंथ्रोपिक ने आरोप लगाया कि DeepSeek ने फर्जी खातों के जरिए उसके Claude मॉडल पर बड़े पैमाने पर 'डिस्टिलेशन हमले' किए।

Moonshot AI: एंथ्रोपिक ने इसे भी अवैध तरीके से मॉडल क्षमताएं निकालने के समन्वित प्रयासों में शामिल बताया।

M i n i M a & : DeepSeek और Moonshot AI के साथ इसका नाम भी उन कंपनियों में लिया गया है, जो अमेरिकी एआई नवाचार को हासिल करने के लिए भ्रामक तरीकों का इस्तेमाल कर रही हैं।

Alibaba, Tencent ¥õÚU ByteDance: इन बड़ी टेक कंपनियों पर 'कानूनी खामियों' का फायदा उठाकर प्रतिबंधित अमेरिकी चिप्स (जैसे Nvidia का ॥20) हासिल करने और अपने एआई विकास को बढ़ावा देने का आरोप है।

'शोषण' की प्रकृति क्या है?

प्रशासन खास तौर पर 'मॉडल डिस्टिलेशन' नाम की प्रक्रिया को निशाना बना रहा है।

डिस्टिलेशन में एक छोटे और अधिक दक्ष मॉडल को एक बड़े और अधिक सक्षम प्रोपाइटरी मॉडल (जैसे GPT-y Øæ Claude) के आउटपुट पर ट्रेन किया जाता है।

अमेरिका का कहना है कि चीनी कंपनियां इसे बड़े पैमाने पर इस्तेमाल कर रही हैं, ताकि भारी रिसर्च एवं डेवलपमेंट लागत के बिना अमेरिकी मॉडलों की उन्नत तर्क क्षमता और बुद्धिमत्ता की नकल की जा सके।

कानून निर्माता और प्रशासन के अधिकारी उन खामियों को बंद करने पर जोर दे रहे हैं, जिनके जरिए ये कंपनियां क्लाउड या थर्ड-पार्टी माध्यम से उन्नत एआई सिस्टम्स तक पहुंच बना लेती हैं।

अमेरिका क्या कार्रवाई करेगा?

प्रशासन ने संकेत दिया है कि वह अमेरिकी एआई कंपनियों के साथ मिलकर सुरक्षा उपाय मजबूत करेगा और दोषियों को दंडित करेगा। इसके तहत:

- Nvidia के ॥20 और AMD के MI308 जैसे एआई चिप्स पर पाबंदियां कड़ी की जाएंगी
- अधिक चीनी कंपनियों को वाणिज्य विभाग की 'एंटिटी लिस्ट' में डाला जाएगा, जिससे उन्हें अमेरिकी तकनीक मिलना लगभग बंद हो जाएगा
- अवैध तकनीकी हस्तांतरण या डिस्टिलेशन अभियानों की सूचना देने वालों को प्रोत्साहन देने के कार्यक्रम प्रस्तावित किए जाएंगे
- निर्यात नियंत्रण उल्लंघनों के लिए दीवानी और आपराधिक दंड बढ़ाए जाएंगे

चीन ने क्या कहा?

यह मेमो ऐसे समय में आया है जब चीन कृत्रिम बुद्धिमत्ता के क्षेत्र में अमेरिकी वर्चस्व को चुनौती दे रहा है। व्हाइट हाउस का कहना है कि वैश्विक मानक तय करने और आर्थिक व सैन्य लाभ हासिल करने के लिए अमेरिका को इस क्षेत्र में आगे रहना जरूरी है। हालांकि, स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी के इंस्टीट्यूट फॉर ह्यूमन-सेंटर्ड एआई की हालिया रिपोर्ट के अनुसार, शीर्ष एआई मॉडलों के प्रदर्शन में अमेरिका और चीन के बीच का अंतर 'लगभग खत्म हो चुका है'।

वॉशिंगटन स्थित चीन के दूतावास ने अमेरिकी कार्रवाई को 'चीनी कंपनियों का अनुचित दमन' बताया।

दूतावास के प्रवक्ता लियू पेंग्यू ने कहा, 'चीन हमेशा सहयोग और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा के जरिए विज्ञान और तकनीक को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध रहा है। बौद्धिक संपदा अधिकारों की सुरक्षा को चीन बहुत महत्व देता है।'

बीजिंग में चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने अमेरिकी आरोपों को निराधार बताते हुए कहा कि ये चीन के एआई उद्योग की उपलब्धियों को बदनाम करने की कोशिश हैं।

उन्होंने कहा, 'चीन इसका कड़ा विरोध करता है। हम अमेरिका से अपील करते हैं कि वह तथ्यों का सम्मान करे, पूर्वाग्रह छोड़ दे।

क्यों नहीं होता दिल में जल्दी कैंसर? चूहों पर हुई रिसर्च ने जवाब दिया

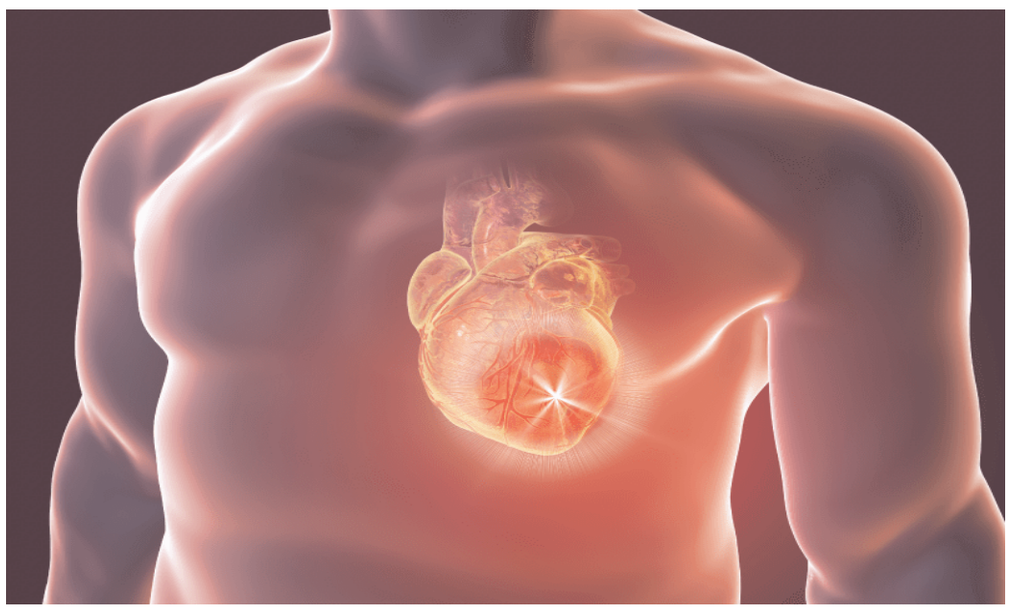

हार्ट अटैक, कार्डियक अरेस्ट, हार्ट में ब्लॉकेज जैसी तमाम हेल्थ कंडीशन्स से आपने लोगों को सामना करते देखा होगा, लेकिन क्या आप किसी ऐसे व्यक्ति को जानते हैं जिसे हार्ट में कैंसर हो? आपमें से ज्यादातर लोग नहीं ही कहेंगे, क्योंकि यह बहुत रेयर है। इसका कारण हाल ही में वैज्ञानिकों को चूहों पर हुई एक रिसर्च के दौरान पता लगा है।

आमतौर पर वयस्क दिल खुद को दोबारा नहीं बनाता और हर साल केवल लगभग 1% हार्ट सेल्स ही नई बनती हैं। वैज्ञानिकों का मानना है कि दिल पर लगातार पड़ने वाला मैकेनिकल दबाव (जब दिल लगातार खून पंप करता है) कोशिकाओं के बढ़ने को सीमित करता है, और यही प्रक्रिया कैंसर कोशिकाओं को बढ़ने से भी रोकती है। यह अध्ययन जर्नल साइंस में प्रकाशित हुआ है। इसमें यह भी संकेत मिला है कि भविष्य में मैकेनिकल स्टिमुलेशन के आधार पर कैंसर का इलाज विकसित किया जा सकता है।

रिसर्च में वैज्ञानिकों ने एक चूहे का दिल दूसरे चूहे की गर्दन में ट्रांसप्लांट किया। इस तरह ट्रांसप्लांट किया गया दिल खून की सप्लाई तो पा रहा था, लेकिन शरीर में खून पंप करने का काम नहीं कर रहा था, यानी उस पर सामान्य मैकेनिकल दबाव नहीं था। इसके बाद वैज्ञानिकों ने दोनों दिलों (मूल और ट्रांसप्लांटेड) में मानव कैंसर कोशिकाएं डालीं और उनकी वृद्धि की तुलना की।

शुरुआती 3 दिनों में दोनों दिलों में कैंसर कोशिकाओं की संख्या लगभग समान थी, लेकिन 14 दिनों बाद ट्रांसप्लांटेड दिल में कैंसर कोशिकाओं ने ज्यादातर स्वस्थ टिशू को बदल दिया, जबकि सामान्य दिल में केवल लगभग 20% टिशू ही प्रभावित हुआ। इसके अलावा, बिना दबाव वाले दिल में कैंसर कोशिकाएं दोगुनी तेजी से बढ़ती पाई गईं।

वैज्ञानिकों ने इस नतीजे की पुष्टि एक लैब मॉडल में भी की। जब टिशू को खींचकर उस पर दबाव डाला गया, तो कैंसर कोशिकाओं की वृद्धि कम हुई। वहीं, बिना दबाव वाले टिशू में कैंसर ज्यादा तेजी से बढ़ा। इस मॉडल में यह भी देखा गया कि टिशू के अंदर दबाव का अंतर था—अंदरूनी हिस्से में ज्यादा दबाव और बाहरी हिस्से में कम। जहां दबाव ज्यादा था, वहां कैंसर कोशिकाएं कम पाई गईं, जबकि कम दबाव वाले हिस्सों में उनकी संख्या ज्यादा थी।

मानव मरीजों के सैंपल के विश्लेषण में पाया गया कि दिल में फैले कैंसर में क्रोमैटिन (DNA और प्रोटीन का समूह) कम सघन था। जब क्रोमैटिन ढीला होता है, तो ष्ठ्ठ ज्यादा सक्रिय हो जाता है और जीन आसानी से काम करने लगते हैं। आगे के प्रयोगों से पता चला कि यह प्रक्रिया Nesprið-2 नाम के प्रोटीन के जरिए नियंत्रित होती है। यह प्रोटीन LINC कॉम्प्लेक्स का हिस्सा है, जो सेल के बाहर से मिलने वाले मैकेनिकल संकेतों को न्यूक्लियस तक पहुंचाता है।

यह संकेत ऐसे जीन को सक्रिय करते हैं, जो कैंसर कोशिकाओं की वृद्धि को रोकते हैं।

हालांकि, इस सिस्टम को इलाज के रूप में इस्तेमाल करना आसान नहीं है। LINC कॉम्प्लेक्स शरीर की कई कोशिकाओं में जरूरी भूमिका निभाता है, इसलिए इसकी गतिविधि बढ़ाने से साइड इफेक्ट्स हो सकते हैं।

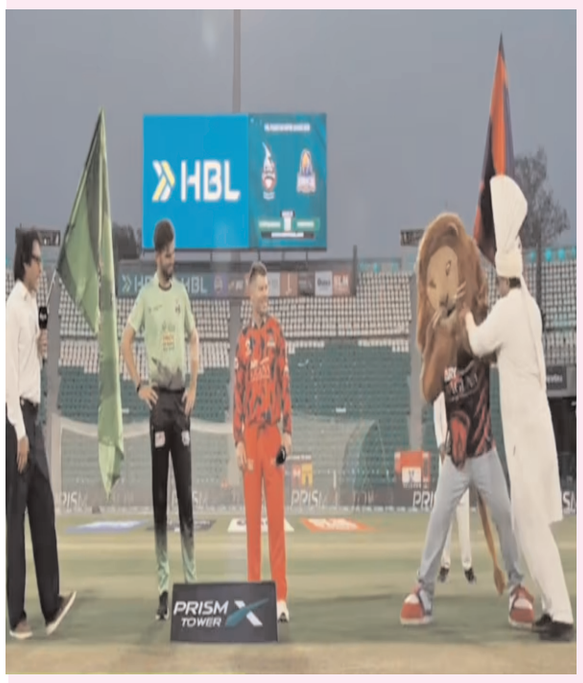

'क्या तमाशा है!': मैस्कॉट स्टंट ने पाकिस्तान सुपर लीग को भारत में बना दिया मजाक का विषय

पाकिस्तान सुपर लीग (PSL) इस समय खाली स्टेडियमों में खेली जा रही है, यानी देश में जारी ईंधन संकट के चलते कोई भी क्रिकेट फैन स्टेडियम जाकर अपनी पसंदीदा टीम का समर्थन नहीं कर पा रहा है। पाकिस्तान में दर्शकों को मजबूरन टीवी और स्मार्टफोन पर ही लाइव मैच देखना पड़ रहा है। ऐसे में फैंस का मानना है कि लीग में वह जोश और माहौल नहीं दिख रहा, जो आमतौर पर टी20 क्रिकेट की पहचान होता है।

स्टैंड्स में दर्शकों की कमी से मैच देखने का अनुभव फीका पड़ गया है। वहीं खर्च कम करने के लिए टूर्नामेंट को सिर्फ दो शहरों—लाहौर और कराची—तक सीमित रखने के फैसले ने भी एकरसता बढ़ा दी है, जिसे कुछ लोग लंबे हाईवे पर ड्राइव करते समय होने वाली थकान से तुलना कर रहे हैं।

बोरियत दूर करने की कोशिश पड़ी भारी

फैंस की इस बोरियत को कम करने के लिए PSL ने ऑन-एयर मैस्कॉट फेसऑफ का प्रयोग किया, लेकिन यह कोशिश उलटी पड़ गई और मनोरंजन के बजाय अजीब सी स्थिति पैदा कर गई।

मैस्कॉट 'राइवलरी' का तमाशा?

लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में लाहौर कलंदर्स और कराची किंग्स के बीच 35वें मुकाबले के टॉस के दौरान दोनों टीमों के कप्तान शाहीन शाह अफरीदी और डेविड वॉर्नर के साथ उनके-अपने मैस्कॉट भी मौजूद थे।

टॉस प्रेजेंटर रमीज राजा के सामने दोनों टीमों के मैस्कॉट्स के बीच हल्की-फुल्की 'कुश्ती' देखने को मिली। इस दौरान अफरीदी और वॉर्नर मुस्कुराते नजर आए, जबकि रमीज राजा ने मैस्कॉट्स को मजाकिया अंदाज में रोककर पिच छोड़ने को कहा।

भारत में बना मजाक

मैस्कॉट्स के बीच यह कथित 'राइवलरी' दर्शकों को प्रभावित नहीं कर सकी। रोमांच पैदा करने के लिए किया गया यह स्टंट सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्ग (पूर्व में ट्विटर) पर भारतीय यूजर्स के बीच मजाक का विषय बन गया।

एक यूजर ने लिखा, 'जहां हम IPL का मजा ले रहे हैं, वहीं पाकिस्तान में 'राइवलरी' के नाम पर मसखरी हो रही है—यहां तक कि दो टेडी बियर जैसे मैस्कॉट्स को लड़वाया जा रहा है। डेविड वॉर्नर भी हंसते हुए शायद सोच रहे होंगे कि वह PSL खेलने क्यों आए।'

एक अन्य यूजर ने टिप्पणी की, ÒPSL में मजाक का एक और स्तर देखने को मिला। टॉस के दौरान लाहौर कलंदर्स और कराची किंग्स के मैस्कॉट्स आपस में भिड़ गए। शाहीन अफरीदी असहज दिखे और डेविड वॉर्नर हैरान नजर आए।

फॉक्सनट्स से लेकर भुना चना और शहद तक: क्या देसी फूड्स सच में वजन घटाने का 'वादा' करते हैं?

भारत में स्नैकिंग की आदतों में बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। Borough Market से लेकर New Delhi के हाई-एंड डेली स्टोर्स तक एक दिलचस्प ट्रेंड उभरा है। चमकदार पैकेजिंग वाले आलू के चिप्स और कॉर्न पफ्स अब नीचे की शेल्फ पर खिसक गए हैं। उनकी जगह ले ली है देसी विकल्पों ने—मखाना, भुना चना और मोनोफ्लोरल शहद।

2025 के ग्लोबल वेलबीइंग इंडेक्स के मुताबिक, करीब 68% शहरी उपभोक्ता 'अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड्स' (UPFs) की जगह 'इंडिजिनस पावर स्नैक्स' अपनाने की कोशिश कर रहे हैं। यह ट्रेंड पारंपरिक आयुर्वेदिक सोच और आधुनिक फिटनेस जरूरतों का मेल है।क्या देसी स्नैक्स वजन घटाने में बेहतर हैं? असल में, पारंपरिक भारतीय खाद्य पदार्थ कभी 'डाइट फूड' के तौर पर नहीं बनाए गए थे। ये रोजमर्रा के साधारण, मौसमी और कम प्रोसेस्ड खाने थे।

डायटीशियन निधि सहाय के अनुसार, 'ज्यादातर देसी फूड्स में कैलोरी डेंसिटी कम होती है क्योंकि इनमें प्रोसेसिंग कम होती है और अतिरिक्त तेल, चीनी या प्रिजर्वेटिव नहीं होते।

मखाना, उबले मिलेट्स या भुना चना जैसे स्नैक्स हल्के होते हैं लेकिन पेट भरते हैं। इनमें मौजूद फाइबर भूख को नियंत्रित करने में मदद करता है, जिससे ओवरईटिंग कम होती है।

लेकिन 'हेल्दी' का जाल भी है

आज सुपरमार्केट में आपको peri peri मखाना, रागी चिप्स या मसाला-कोटेड चना आसानी से मिल जाएंगे। ये देखने में हेल्दी लगते हैं और 'बेक्ड' या 'नेचुरल' जैसे दावे करते हैं।

हालांकि, इनमें इस्तेमाल होने वाले रिफाइंड ऑयल, फ्लेवर एजेंट्स, नमक और चीनी कैलोरी को तेजी से बढ़ा देते हैं।

युद्धभूमि होर्मुज़: क्या अमेरिका ईरान के खिलाफ 1980 के दशक के अपने 'टैंकर युद्ध' मॉडल का पालन कर रहा है? तब बनाम अब

1980 के दशक के अंत में, अमेरिका ने ऑपरेशन 'अर्नस्ट विल' के माध्यम से होर्मुज़ जलडमरूमध्य में ईरानी हमलों से जहाजों की रक्षा की थी। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद यह सबसे बड़ा नौसैनिक काफिला अभियान था। अमेरिकी नौसेना ने जलमार्ग को सुरक्षित करने के लिए प्रत्यक्ष एस्कॉर्ट (सुरक्षा घेरे), तकनीकी जवाबी उपायों और बड़े पैमाने पर जवाबी हमलों के संयोजन का उपयोग किया था।

अमेरिका वर्तमान में एक ऐसी रणनीति लागू कर रहा है जो 1980 के दशक की भावना को दर्शाती है, विशेष रूप से एस्कॉर्ट्स और निरोध का उपयोग - लेकिन काफी अधिक उन्नत तकनीक और व्यापक, अधिक आक्रामक दायरे के साथ। अमेरिका न केवल जहाजों की रक्षा कर रहा है, बल्कि 2026 के ईरान युद्ध के छिड़ने के बाद उसने ईरानी बंदरगाहों की नौसैनिक नाकेबंदी भी लागू कर दी है।

रक्षात्मक रणनीति: ऑपरेशन अर्नस्ट विल इस अभियान का मुख्य ध्यान कुवैती तेल टैंकरों की सुरक्षा पर था, जिन्हें ईरान-इराक युद्ध के 'टैंकर युद्ध' चरण के दौरान ईरान द्वारा निशाना बनाया गया था। ग्यारह कुवैती टैंकरों को अमेरिकी व्यापारिक जहाजों के रूप में पंजीकृत किया गया था। इसने कानूनी रूप से अमेरिकी नौसेना को सैन्य एस्कॉर्ट प्रदान करने की अनुमति दी। फ्रिगेट और विध्वंसक सहित युद्धपोतों ने फारस की खाड़ी और होर्मुज़ जलडमरूमध्य के माध्यम से इन टैंकरों को व्यक्तिगत रूप से एस्कॉर्ट किया। अमेरिकी वायु सेना के ङ्घ्ब्ष्ट्र विमानों ने निरंतर रडार निगरानी प्रदान की। जहाजों ने आने वाली मिसाइलों को भ्रमित करने के लिए टो किए गए रडार-डिफ्लेक्टिंग डिकॉय (छलावे) का इस्तेमाल किया।

युद्ध और प्रतिशोध

जब उसके बलों या सुरक्षा प्राप्त जहाजों पर हमला हुआ, तो अमेरिका शुद्ध रूप से रक्षात्मक एस्कॉर्ट से आक्रामक प्रतिशोध की ओर बढ़ गया।

प्रमुख घटनाएँ

यूएसएस सैमुअल बी. रॉबर्ट्स (1988): यह फ्रिगेट अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में एक ईरानी खदान (माइन) से टकरा गया था।

प्यार की धुन सुनाने आ गए सोनू निगम और सुनिधि चौहान, रिलीज हुआ कपिल शर्मा की फिल्म का नया गाना

मुंबई। मशहूर कामेडियन और अभिनेता कपिल शर्मा आगामी कॉमेडी ड्रामा फिल्म 'दादी की शादी' से धमाल मचाने को तैयार हैं। शुक्रवार को मेकर्स ने फिल्म का नया रोमांटिक सॉन्ग 'सुनो ना दिल' रिलीज कर दिया है। मेकर्स ने गाने का क्लिप इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया। इसके साथ उन्होंने लिखा, 'जब हम प्यार में पड़ते हैं, तो सिर्फ अपने दिल की सुनते हैं। सोनू और सुनिधि हमें यही याद दिलाने आए हैं। 'सुनो ना दिल' गाना अब रिलीज हो चुका है। गाना इतना जबरदस्त है कि इसे फिल्म के सभी कलाकारों ने अपने इंस्टाग्राम पर शेयर किया है। 'सुनो ना दिल' एक मधुर और सुकून देने वाला गीत है, जो सीधे दिल को छूता है। गाने के बोल और संगीत को इस तरह पिरोया गया है कि हर किसी को प्यार के शुरुआती दिनों की याद दिला देगा। गाने में कपिल और मुख्य भूमिका निभाने वाली अभिनेत्री सादिया खातिब की शानदार केमिस्ट्री देखने को मिल रही है।

इस गाने की सबसे बड़ी खासियत इसकी गायिकी है। गाने को भारतीय संगीत जगत के दो दिग्गज गायक सोनू निगम और गायिका सुनिधि चौहान ने मिलकर गाया है। लंबे समय बाद इन दोनों गायकों की जुगलबंदी एक रोमांटिक ट्रैक में सुनने को मिल रही है, जिसे सोशल मीडिया पर फैंस का भरपूर प्यार मिल रहा है।

फिल्म 'दादी की शादी' काफी अलग और दिलचस्प होने वाली है। इस फिल्म में रिद्धिमा, नीतू कपूर के साथ स्क्रीन शेयर कर रही हैं। हालांकि, हालिया रिलीज गाना 'सेंटी' में रिद्धिमा की बेटी समारा साहनी भी नजर आईं, जिसके बाद से सोशल मीडिया पर काफी खलबली मच गई थी। फैंय कयास लगा रहे हैं कि क्या समारा भी इस फिल्म में भूमिका निभाएंगी। हालांकि, इस बात की अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।

आशीष आर. मोहन की निर्देशित फिल्म 'दादी की शादी' पारिवारिक ड्रामा है, जिसमें हंसी और मस्ती देखने को मिलेगी। इसमें कपिल शर्मा और नीतू कपूर मुख्य भूमिकाओं में हैं। रिद्धिमा के अलावा, सदिया खतीब, साउथ सिनेमा के सुपरस्टार सरथ कुमार, निखत हेगड़े और तेजस्विनी कोल्हापुरे सहित कई सहायक कलाकार शामिल हैं। यह कॉमेडी-ड्रामा फिल्म 8 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

एक भी डायलॉग नहीं... अभय देओल ने सुनाया फिल्म 'देव डी' से जुड़ा मजेदार किस्सा

मुंबई। अभिनेता अभय देओल की फिल्म 'देव डी' सिनेमाघरों में री-रिलीज हो चुकी है। इस बीच अभिनेता ने फिल्म से जुड़ा मजेदार किस्सा फैंस के साथ शेयर किया है। उन्होंने बताया कि एक सीन के दौरान तो उनके पास एक भी डायलॉग नहीं था।

अभय देओल ने फिल्म 'देव डी' के एक यादगार सीन से जुड़े वीडियो को इंस्टाग्राम पर पोस्ट करते हुए सुनाया। फिल्म के एक वीडियो क्लिप को पोस्ट करते हुए अभय देओल ने बताया कि कैसे एक सीन में उन्होंने बिना डायलॉग बोले भी अपने किरदार को बेहतरीन तरीके से पर्दे पर अमर कर दिया। अभय देओल ने लिखा, 'उसने कहा कि वह 'दिल्ली से है' तो मैंने कहा कि 'मैं यहीं से हूं।'

उन्होंने आगे बताया कि 'देव डी' डिजाइन के हिसाब से बहुत ज्यादा बोलने वाली फिल्म नहीं है। इसलिए इस सीन में उनका कोई डायलॉग नहीं था। स्क्रिप्ट में उनका किरदार चुपचाप खड़ा था, जबकि अभिनेत्री परख का किरदार देव से बात कर रहा था। अभय ने लिखा, 'मैंने अपने कैरेक्टर को मुझ पर हावी होने दिया और उसे ये शब्द कहने में मदद की। जब डायरेक्टर ने 'कट' कहा और फिर मेरे पास आए और मुझे गले लगा लिया तो वो अनुभव शानदार था।

डायरेक्टर ने पूछा, 'तुमने कमरे के हर एलिमेंट को सीन में कैसे शामिल किया और इसे इतना कैजुअल कैसे दिखाया?' अभय देओल ने बताया कि उन्हें इस तारीफ से बहुत अच्छा लगा। उन्होंने बताया कि सिर्फ एक टेक में ही उनका सीन पूरा हो गया। अभय देओल ने लिखा, 'देव को अपनी आवाज मिल गई थी और मैं उसमें खो गया। यह पोस्ट इसलिए भी खास है क्योंकि फिल्म 'देव डी' आज फिर से पीवीआर सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है।

अनुराग कश्यप के निर्देशन में बनी यह फिल्म साल 2009 में रिलीज हुई थी और आज भी युवाओं के बीच काफी लोकप्रिय है। फिल्म में अभय देओल ने देव का किरदार निभाया था, जबकि परख, माही गिल और कल्कि कोचलीन भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नजर आईं।

'देव डी' आधुनिक समय की देवदास कहानी पर आधारित है। फिल्म में प्यार, दोस्ती, नशे और जिंदगी की सच्चाई को बेहद अलग अंदाज में दिखाया गया है। अभय देओल का अभिनय और फिल्म का अनोखा स्टाइल आज भी दर्शकों को पसंद आता है।

गृहणियों को 'घर का सुपरस्टार' मानते हैं अक्षय कुमार, उनकी जिंदगी पर फिल्म बनाने की मंशा

मुंबई। फिल्म इंडस्ट्री को हर जॉनर की एक से बढ़कर एक फिल्में देने वाले अभिनेता अक्षय कुमार ने अपने क्विज रियलिटी शो 'व्हील ऑफ फॉर्च्यून' के सेट पर गृहणियों पर फिल्म बनाने की मंशा जताई। अक्षय कुमार ने गृहणियों को सम्मान देते हुए उन्हें 'घर का सुपरस्टार' का खिताब दिया। अभिनेता ने 'व्हील ऑफ फॉर्च्यून' के सेट पर यह घोषणा की। अक्षय कुमार इस शो के होस्ट हैं। शो के दौरान सेट पर 'तुम हो ना' नामक दूसरे रियलिटी शो की प्रतियोगी अंकिता, पूजा और दिव्या भी मौजूद थीं। उन्होंने इन तीनों महिलाओं से बातचीत करते हुए अपनी फिल्म की परिकल्पना साझा की।

अक्षय ने कहा, 'बहुत समय से मैं एक फिल्म बनाने की कोशिश कर रहा हूं। यह फिल्म महिलाओं पर आधारित होगी, जहां पूरी दुनिया उन्हीं के इर्द-गिर्द घूमती है। मेरे पास इसकी पूरी स्क्रिप्ट तैयार पड़ी है। बस मैं इंतजार कर रहा हूं कि कोई इस फिल्म को बनाने के लिए तैयार हो जाए।

अभिनेता ने बताया कि घर संभालने वाली महिलाओं की अनदेखी मेहनत को वह बड़े पर्दे पर लाना चाहते हैं। फिल्म की स्क्रिप्ट तैयार होने के बावजूद अभी प्रोडक्शन और निर्देशक को लेकर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है।

उन्होंने गृहणियों की ताकत, जज्बे और उनकी रोजमर्रा की जिंदगी को फिल्म में दिखाने की इच्छा जताई। 'तुम हो ना' शो में इन प्रतियोगियों की यात्रा ठीक उसी विषय को छूती है जिसे अक्षय अपनी फिल्म में पेश करना चाहते हैं। उनकी यह बात दिल को छू लेने वाली रही और सेट पर मौजूद सभी लोगों ने उनकी इस सोच का समर्थन किया।अक्षय कुमार अब टेलीविजन पर भी सक्रिय हैं। 'व्हील ऑफ फॉर्च्यून' के पहले सीजन की सफलता के बाद वह शो के दूसरे सीजन को होस्ट कर रहे हैं, जो दर्शकों को पसंद आ रहा है।

जायेद खान के बेटे का जलवा! सूट-बूट में 'प्रॉम किंग' बनकर जीता दोस्तों का दिल

मुंबई। अभिनेता जायेद खान फिल्म इंडस्ट्री का जाना माना नाम हैं। सोशल मीडिया पर पोस्ट के जरिए प्रशंसकों के बीच अपनी मौजूदगी दर्ज करवाते रहते हैं। शुक्रवार को उन्होंने बताया कि उनके बेटे को स्कूल की 'प्रॉम नाइट' में 'प्रॉम किंग' चुना गया है।

जायेद ने इंस्टाग्राम पर मोंटाज वीडियो पोस्ट किया, जिसमें उनके बेटे की तस्वीरें और वीडियो शामिल हैं। इन तस्वीरों में ज़िदैन काले रंग के शानदार सूट और टाई में नजर आ रहे हैं। साथ ही, उन्होंने 'प्रॉम किंग' का सैश (पट्टी) भी पहना हुआ है।

वहीं, तस्वीरों में जिदैन अपनी 'प्रॉम क्वीन' के साथ पोज देते नजर आ रहे हैं। अपनी पुरानी यादों को ताजा करते हुए जायेद ने लिखा, 'यह सब देखकर पुराने सुनहरे साल याद आ गए। ऐसा लगता है कि जैसे कल की ही बात हो, जब मैं भी उसी कोडाई इंटरनेशनल स्कूल के हॉल में अपनी प्रॉम नाइट पर डांस कर रहा था। बस फर्क इतना है कि तब मैं 'प्रॉम किंग' नहीं बन पाया था लेकिन अब मेरे बेटे ने यह मुकाम हासिल कर लिया है।'

जायेद ने बताया कि प्रॉम किंग का चुनाव स्कूल के छात्र खुद करते हैं। उन्होंने लिखा, '11वीं और 12वीं कक्षा के छात्र उस व्यक्ति को वोट देते है, जिसे वे सबसे ज्यादा पसंद करते हैं। मेरे लिए सबसे खुशी की बात यह थी कि जब जिदैन के नाम की घोषणा हुई, तो पूरी हॉल तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा था।

अभिनेता ने भावुक होते हुए लिखा, 'एक पिता के तौर पर मेरे लिए यह गर्व का पल है। इससे मुझे पता चला कि मेरा बेटा न केवल पढ़ाई में अच्छा है बल्कि वह एक बेहतरीन इंसान भी है, जिसे उसके दोस्त इतना प्यार करते हैं। अपने ग्रुप और स्कूल से ऐसी स्वीकृति मिलना किसी भी तोहफे से बड़ा है।

जायेद के इस पोस्ट पर उनके फैंस और इंडस्ट्री के दोस्तों और परिवार वाले कमेंट कर रहे हैं। जायेद की बहन और ऋतिक रोशन की पूर्व पत्नी सुजैन खान ने कमेंट सेक्शन में लिखा, 'ओह, मेरा प्यारा जिदानू।

ऋतिक की मां ने लिखा, 'जायद और मल्ली के लिए बहुत खुशी हो रही है।

तिरुपति में गौसेवा करती दिखीं शमिता शेट्टी, बहन शिल्पा ने की तारीफ

मुंबई। भारतीय अभिनेत्री शमिता शेट्टी इन दिनों तिरुपति के पवित्र तीर्थस्थल की आध्यात्मिक यात्रा पर हैं। शुक्रवार को अभिनेत्री ने अपने सोशल मीडिया हैंडल, इस्टाग्राम अकाउंट पर पवित्र तिरुपति मंदिर से अपनी आध्यात्मिक यात्रा की कुछ बेहद खूबसूरत तस्वीरें शेयर कीं।

एक्ट्रेस ने तिरुपति में अपने शांत अनुभव की झलक को फैंस के साथ फाटो के माध्यम से शेयर करते हुए, पोस्ट कैप्शन में लिखा, 'धन्य महसूस कर रही हूं।

इन तस्वीरों में शमिता की आध्यात्मिकता और शांति झलक दिख रही है, जिसे फैंस काफी पसंद कर रहे हैं। अभिनेत्री की इस पोस्ट पर अनकी बहन और एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी ने भी कमेंट किया, जिसमें उन्होंने लिखा, 'तुम सच में धन्य हो।

तस्वीरों में, शमिता को खूबसूरत सूट में देखा जा सकता है। एक तस्वीर में, वह मंदिर परिसर के अंदर एक काफी खूबसूरती और बारीकी से तराशे हुए सुनहरे खंभे के पास खड़ी नजर आ रही हैं, जहां उन्होंने नीले रंग का प्रिंटेड कुर्ता पहना है, जिसके साथ उन्होंने गहरे गुलाबी रंग का दुपट्टा ओढ़ा है।

एक और दिल को छू लेने वाले फाटो में शमिता को एक गाय को चारा खिलाते हुए देखा जा सकता है। एक और तस्वीर में, वह शाम के चमकते आसमान के सामने हल्के गुलाबी रंग की साड़ी में पोज देती हुई नजर आ रही हैं।अन्य तस्वीरों में उन्हें पारंपरिक दक्षिण भारतीय नाश्ते - मेदू वड़ा और डोसा का आनंद लेते हुए, और उसके बाद इस पवित्र शहर की सड़कों पर प्रकृति के बीच टहलते हुए देखा जा सकता है।शमिता और शिल्पा, दोनों ही पिछले कुछ महीनों से आध्यात्मिक यात्राओं पर हैं। अभी कुछ हफ्ते पहले ही, शिल्पा शेट्टी ने एक शक्ति पीठ के दर्शन किए थे, और अभी वह वाराणसी में हैं, जहां उन्होंने अपनी आध्यात्मिक यात्रा जारी रखे हुए हैं।

एक्ट्रेस को शहर में साड़ियों की खरीदारी करते हुए देखा गया, जिसे उन्होंने 'साड़ी बिंजिंग' (साड़ियों की जमकर खरीदारी) का नाम दिया।

शिल्पा को महाराष्ट्र के कोल्हापुर में स्थित पवित्र महालक्ष्मी मंदिर के दर्शन करते हुए।

जापान के जंगलों में तेजी से फैल रही आग करीब 1,200 हेक्टेयर इलाका जलकर राख

टोक्यो। जापान के जंगलों में लगी भीषण आग पर काबू पाना काफी मुश्किल हो रहा है। स्थानीय मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार जापान के उत्तर-पूर्वी इलाके इवाते में लगी जंगल की आग पर अभी भी काबू नहीं पाया जा सका है। स्थायीन समय के हिसाब से शुक्रवार सुबह तक लगभग 1,200 हेक्टेयर इलाका जल गया है।

जापान के क्योडो न्यूज के मुताबिक, ओत्सुची टाउन के पहाड़ी इलाके में बुधवार को लगी आग ने रिहायशी घरों समेत आठ बिल्डिंग्स को तबाह कर दिया है। ओत्सुची ने करीब 2,600 लोगों को खाली करने के ऑर्डर दिए हैं, जो शहर की आबादी का करीब एक चौथाई हिस्सा हैं।

आग पर काबू पाने के लिए इवाते प्रीफेक्चरल सरकार और सेल्फ-डिफेंस फोर्सेज के हेलीकॉप्टर को जंगल में पानी

गिराने के काम के लिए लगाया गया था। पूरे इलाके में अग्निशमन विभाग के लोगों को तैनात किया गया था। होक्काइडो, यामागाटा, फुकुशिमा, तोचिगी और निगाटा इलाकों से भी आग बुझाने में मदद मांगी गई है। इसके अलावा, सोमवार को उत्तर-पूर्वी जापान में आए 7.7 मैग्नीट्यूड के भूकंप के बाद, जापान मौसम विज्ञान एजेंसी ने इवाते समेत सात इलाकों की 182 नगर पालिकाओं के लिए एक हफ्ते का खास भूकंप अलर्ट जारी किया है। अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि आग पर काबू पाने के दौरान भूकंप के खतरों के लिए सावधान रहने की जरूरत है। जापान में खास तौर पर सर्दियों के आखिर और वसंत की शुरुआत में मौसम काफी शुष्क रहता है। इस दौरान, पेड़-पौधे सूख जाते हैं, जिसकी वजह से जंगलों में बहुत ज्यादा आग पकड़ने की संभावना हो जाती है। शुष्क मौसम में नमी की मौजूदगी नाम मात्र भी नहीं होती है। इसकी वजह से जंगलों में आग के तेजी से फैलने का खतरा बढ़ जाता है। जंगलों में आग लगने और तेजी से बढ़ने की एक और खास वजह जापान की जगह और पेड़-पौधे हैं। यहां का बड़ा हिस्सा जंगलों से ढका है, जिनमें से कई में देवदार और चीड़ जैसे शंकुधारी पेड़ हैं। इन पेड़ों में रेजिन होता है जो आसानी से जल जाता है, जिससे उनमें आग लगने और उसे झेलने का खतरा ज्यादा होता है।

यूएन के अधिकारी ने सिबी जॉर्ज से की मुलाकात, आतंकवाद के खिलाफ भारत के प्रयासों की सराहना की

न्यूयॉर्क। भारत के विदेश सचिव (पश्चिम) सिबी जॉर्ज ने संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस से मुलाकात के बाद संयुक्त राष्ट्र आतंकवाद-विरोधी कार्यालय (यूएनओसीटी) के कार्यवाहक अवर महासचिव एलेक्जेंडर जौएव से मुलाकात की। विदेश मंत्रालय ने इसकी जानकारी दी।

दोनों नेताओं ने आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत और यूएनओसीटी के बीच सहयोग पर चर्चा हुई। विदेश मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर मुलाकात की तस्वीरें साझा कर लिखा, सचिव (पश्चिम) सिबी जॉर्ज ने काउंटर-टेररिज्म के कार्यवाहक अवर महासचिव एलेक्जेंडर जौएव से मुलाकात की और आतंकवाद के खतरे से निपटने में यूएनओसीटी के साथ भारत के मजबूत सहयोग पर चर्चा की। बैठक के दौरान, कार्यवाहक अवर महासचिव जौएव ने ग्लोबल काउंटर-टेररिज्म कोशिशों में भारत के लंबे समय से चले आ रहे योगदान की सराहना की, जिसमें यूएनओसीटी और कैपेसिटी-बिल्डिंग पहलों के लिए उसका समर्थन शामिल है। दोनों पक्षों ने 26 जून से 2 जुलाई 2026 तक होने वाले काउंटर-टेररिज्म इवेंट के लिए सहयोग और तैयारियों को बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की। यूएनओसीटी ने एक्स पर लिखा, सचिव (पश्चिम) सिबी जॉर्ज के साथ, यूएनओसीटी के कार्यवाहक यूएसजी जौएव ने काउंटर-टेररिज्म वीक के लिए सहयोग और तैयारियों को मजबूत करने पर चर्चा की। उन्होंने ग्लोबल काउंटर-टेररिज्म कोशिशों में भारत की लंबे समय से चली आ रही भूमिका के लिए धन्यवाद दिया, जिसमें यूएनओसीटी और कैपेसिटी-बिल्डिंग प्रोग्राम्स को समर्थन शामिल है।

संक्षिप्त खबर

संयुक्त राष्ट्र महासभा की अध्यक्ष एनालेना बेयरबॉक अगले हफ्ते करेंगी भारत का दौरा

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र महासभा की अध्यक्ष एनालेना बेयरबॉक अगले हफ्ते भारत की आधिकारिक यात्रा पर आएंगी। यह जानकारी उनकी प्रवक्ता ला नीस कॉलिन्स ने दी। प्रवक्ता ला नीस कॉलिन्स ने बताया कि भारत सरकार के निमंत्रण पर अपनी इस यात्रा के दौरान, बेयरबॉक अधिकारियों के साथ कई द्विपक्षीय बैठकें करेंगी। वह भारत में संयुक्त राष्ट्र की टीम से भी मिलेंगी, जिसका नेतृत्व रेजिडेंट कोऑर्डिनेटर स्टीफन प्रीसनर कर रहे हैं। महासचिव एंटोनियो गुटेरेस की फरवरी में नई दिल्ली में 'एआई इम्पैक्ट समिट' में शामिल होने के बाद यह भारत में संयुक्त राष्ट्र की दूसरी उच्च-स्तरीय यात्रा है।बेयरबॉक पहले भी भारत की यात्रा कर चुकी हैं। जर्मनी की विदेश मंत्री के तौर पर अपनी एक यात्रा के दौरान उन्होंने भारत के साथ संबंधों को मजबूत करने के लिए दिल्ली मेट्रो में भी सफर किया था। हालांकि, महासभा की अध्यक्ष के तौर पर यह एनालेना बेयरबॉक की पहली भारत यात्रा है। भारत के बाद बेयरबॉक चीन की यात्रा पर जाएंगी। 2022 में मंत्री के तौर पर अपनी पहली यात्रा के दौरान उन्होंने कहा था, चाहे वह हिंद-प्रशांत क्षेत्र हो या उससे बाहर, इसमें कोई शक नहीं कि 21वीं सदी की अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को आकार देने में भारत एक अहम भूमिका निभाएगा।

उन्होंने आगे कहा कि भारत ने 15 सालों में 40 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकाला है, जो यह दिखाता है कि एक बहुलवादी समाज, स्वतंत्रता और लोकतंत्र ही आर्थिक विकास, शांति और स्थिरता के वाहक हैं। उस यात्रा के दौरान हिंद-प्रशांत क्षेत्र चर्चा का मुख्य विषय रहा था। उन्होंने कुशल कर्मियों की आवाजाही को आसान बनाने के लिए प्रवासन और गतिशीलता समझौते' पर हस्ताक्षर किए थे। वह 2024 में जर्मनी-भारत के बीच सातवें अंतर-सरकारी परामर्श (आईजीसी) के लिए भारत आए चांसलर ओलाफ शोल्ज के साथ थीं। इसका मूलमंत्र था, नवाचार, गतिशीलता और स्थिरता के साथ मिलकर आगे बढ़ना। जर्मनी जी-4 का सदस्य है। इस समूह में भारत के अलावा ब्राजील और जापान भी शामिल हैं। यह समूह सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्यों को शामिल करके उसमें सुधार करने की वकालत करता है। ये चारों देश एक सुधारित सुरक्षा परिषद में स्थायी सीटों के लिए एक-दूसरे का समर्थन करते हैं।

अमेरिका ने ग्लोबल स्वास्थ्य फंडिंग में की भारी कटौती, फैमिली प्लानिंग के लिए मदद खत्म

वाशिंगटन। अमेरिका ने 2025 और 2026 में स्वास्थ्य सुविधाओं की फंडिंग में काफी कटौती की है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की वापसी के बाद अमेरिकी अंतरराष्ट्रीय विकास एजेंसी (यूएसएआईडी) ने 5300 से ज्यादा अनुदानों और अनुबंधों को समाप्त कर दिया। अमेरिकी मीडिया के अनुसार, इसका असर महिलाओं की स्वास्थ्य सुविधाओं पर भी देखने को मिल रहा है। इसके अलावा, दक्षिण अफ्रीका में एचआईवी से संबंधित सेवाओं की फंडिंग में भी कटौती की है।

अमेरिकी मीडिया सीएनएन के अनुसार, दक्षिण अफ्रीकी देश की नर्स केफिन ओजुंगा ने कहा कि पिछले साल अमेरिका सहायता प्रोग्राम में भारी कटौती के कारण वहां महिलाओं के लिए हालात काफी खराब हो गए।

उन्होंने बताया कि अमेरिकी फंडिंग की वजह से मोबाइल

क्लीनिक के जरिए मुफ्त बर्थ कंट्रोल, मैटरनिटी चेकअप और इससे संबंधित अन्य दूसरी स्वास्थ्य सुविधाएं मिलने में आसानी होती थी। चूंकि ट्रंप सरकार के आदेश पर यूएसएआईडी ने अचानक से फंडिग को खत्म कर दिया। इसके साथ ही फैमिली प्लानिंग के लिए जो फंड दिए जाते थे, उनमें भी कटौती की जाने लगी। सीएनएन ने पिछले छह महीनों में छह देशों में कई मेडिकल प्रोवाइडर्स और नॉन-प्रॉफिट्स से बात की है। इन लोगों ने स्वास्थ्यकर्मियों की छंटनी, बर्थ कंट्रोल की बहुत ज्यादा कमी और सप्लाई चेन की लगातार चुनौतियों को हालात को और खराब करने वाले फैक्टर्स बताया। दूर-दराज के इलाकों में महिलाओं के पास बहुत कम विकल्प हैं। ऐसे में अमेरिकी फंडिंग में कटौती का बहुत बुरा असर पड़ रहा है।

अमेरिका की इस कटौती का असर फैमिली प्लानिंग से जुड़ी दवाओं के लिए भी एक संकट है। इंटरनेशनल प्लांड पेरेंटहुड फेडरेशन का अनुमान है कि फंडिंग में कटौती की वजह से दुनिया भर में करीब 1,400 मेडिकल क्लिनिक बंद हो गए हैं, जिससे 2025 में 9 मिलियन लोगों को यौन और प्रजनन स्वास्थ्य सेवाएं नहीं मिल पाएंगी।

इस कटौती करने के बाद ट्रंप सरकार ने अब वित्तीय वर्ष 2027 के लिए बजट अपील में विश्व स्वास्थ्य कार्यक्रम में और भी कटौती का प्रस्ताव दिया है। इससे फंडिंग में अरबों डॉलर की कमी आएगी और खास तौर पर सभी रिप्रोडक्टिव हेल्थ प्रोग्राम खत्म हो जाएंगे। बजट प्रस्ताव में कहा गया है कि व्हाइट हाउस का मकसद यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी फंडिंग बर्थ कंट्रोल तक बिना रोक-टोक के पहुंच का समर्थन न करे।

होर्मुज स्ट्रेट में तनाव के बीच जापान का बड़ा फैसला, 1 मई से 20 दिनों का अतिरिक्त तेल करेगा रिलीज

टोक्यो। अमेरिका और ईरान के बीच तनाव की वजह से होर्मुज स्ट्रेट फिर से बंद होने का असर दुनिया के अन्य देशों पर दिख रहा है। होर्मुज स्ट्रेट को फिर से खोलने को लेकर बढ़ती अनिश्चितता के बीच जापानी सरकार ने घोषणा की है कि वह 1 मई से लगभग 20 दिनों के लिए अतिरिक्त तेल भंडार जारी करना शुरू कर देगी।

28 फरवरी को अमेरिका और इजरायल की तरफ से ईरान पर जोरदार हमला किया गया, जिसके बाद ईरान ने जवाबी कार्रवाई शुरू की और तब से होर्मुज संकट की स्थिति लगातार बनी हुई है। यह फारस की खाड़ी को अरब सागर से जोड़ने वाला एक पतला समुद्री गलियारा है, जिससे दुनियाभर के तेल व्यापार का लगभग पांचवां हिस्सा गुजरता है।

जापान की क्योडो न्यूज एजेंसी ने बताया कि पश्चिम एशिया में लड़ाई शुरू होने के बाद जापान में एनर्जी सप्लाई को स्थिर करने के लिए सरकार और दूसरों के पास रखे रिजर्व से लगभग 50 दिनों के तेल को पहली बार छोड़ने के बाद जापानी सरकार का यह फैसला आया है। जापान के अर्थव्यवस्था, व्यापार और उद्योग मंत्रालय के अनुसार, दूसरी बार छोड़ने से 5.8 मिलियन किलोलीटर तेल निकलेगा, जिसकी कीमत 540 बिलियन येन (यूएसडी 3.4 बिलियन) है। जापान अपने 90 फीसदी से ज्यादा कच्चे तेल के इंपोर्ट के लिए पश्चिम एशिया पर निर्भर है, जिसका ज्यादातर हिस्सा होर्मुज स्ट्रेट से होकर गुजरता है।

ट्रंप को भारत पर की गई टिप्पणियों को लेकर भारतीय अमेरिकी नेताओं की आलोचना का करना पड़ रहा सामना

वॉशिंगटन। भारतीय-अमेरिकी विधायकों और समुदाय के नेताओं ने डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारतीय प्रवासियों और भारत को निशाना बनाकर की गई टिप्पणियों की कड़ी निंदा की है। उन्हें आपत्तिजनक, विभाजनकारी और द्विपक्षीय संबंधों के लिए हानिकारक बताया है। अमी बेरा,

जो सबसे लंबे समय से सेवा दे रहे भारतीय-अमेरिकी कांग्रेस सदस्य हैं, ने कहा कि उन्हें अपनी विरासत और संयुक्त राज्य अमेरिका पर गर्व है। उन्होंने कहा, 'भारत से आए प्रवासियों के बेटे के रूप में, मुझे अपनी विरासत पर भी गर्व है और उस देश पर भी जिसने मेरे परिवार को बेहतर जीवन बनाने का अवसर दिया। उन्होंने कहा, मेरे माता-पिता कानूनी रूप से उस अवसर की तलाश में अमेरिका आए थे। मेरी माँ ने 35 साल तक एक पब्लिक स्कूल टीचर के रूप में काम किया। मेरे पिता एक इंजीनियर थे। उन्होंने मेरे भाइयों और मुझे कड़ी मेहनत, सार्वजनिक सेवा और उस देश को कुछ लौटाने के गहरे विश्वास के साथ पाला, जिसने उनका स्वागत किया। खुद को 'उस अमेरिकी कहानी का एक उदाहरण' बताते हुए उन्होंने कहा, 'मैंने किंडरगार्टन से लेकर मेडिकल स्कूल तक कैलिफ़ोर्निया के पब्लिक स्कूलों में पढ़ाई की, डॉक्टर बना और अब मुझे कांग्रेस में अपने देश की सेवा करने का सौभाग्य मिला है।

श्रीलंका में 25 लाख डॉलर की साइबर ठगी, सरकार ने शुरू की बहु-एजेंसी जांच

कोलंबो। श्रीलंका सरकार ने 25 लाख अमेरिकी डॉलर (लगभग 2.5 मिलियन डॉलर) की बड़ी साइबर ठगी के मामले में बहु-एजेंसी जांच शुरू की है। यह राशि सरकारी भुगतान के दौरान साइबर अपराधियों द्वारा डायवर्ट कर ली गई। वित्त मंत्रालय के अनुसार, साइबर अपराधियों ने ईमेल के जरिए एक्सटर्नल रिसोर्सेज डिपार्टमेंट के कंप्यूटर सिस्टम में अनधिकृत पहुंच हासिल कर ली और ऑस्ट्रेलियाई लेनदार को भेजी जाने वाली 25 लाख डॉलर की राशि को दूसरी जगह ट्रांसफर कर दिया।

मंत्रालय ने बताया कि संबंधित एजेंसियां अंतरराष्ट्रीय साझेदारों के साथ मिलकर धन का पता लगाने और आरोपियों की पहचान करने में जुटी हैं। यह मामला तब सामने आया जब ट्रेजरी अधिकारियों ने भारत से जुड़े एक अन्य भुगतान प्रक्रिया के दौरान अकाउंट डिटेल्स में संदिग्ध बदलाव देखा। समय रहते जांच शुरू होने से एक और संभावित धोखाधड़ी को रोका जा सका। ट्रेजरी सचिव हर्षना सुरियप्पेरुमा ने कहा कि त्वरित कार्रवाई के चलते जांच प्रभावित हुए बिना धोखाधड़ी का पता लगा लिया गया। मामले की जांच और आगे की सिफारिशों के लिए वरिष्ठ अधिकारियों की एक आंतरिक समिति बनाई गई है, जिसमें दो डिप्टी ट्रेजरी सचिव भी शामिल हैं। साथ ही प्रक्रियागत लापरवाही के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू की गई है। अधिकारियों ने बताया कि इस घटना की जानकारी ऑस्ट्रेलियाई सरकार, संबंधित लेनदार संस्थानों और देश की कर्ज पुनर्गठन प्रक्रिया से जुड़े पक्षों को दे दी गई है। विशेषज्ञों का कहना है कि इस घटना से देश की संप्रभु दायित्वों को पूरा करने की प्रतिबद्धता पर कोई असर नहीं पड़ेगा। ऑस्ट्रेलियाई उच्चायोग ने कहा है कि वह श्रीलंकाई अधिकारियों के साथ समन्वय बनाए हुए है और कर्ज स्थिरता के प्रयासों में सहयोग जारी रखेगा। गौरतलब है कि साइबर फ्रॉड ऐसे अपराधों को कहा जाता है, जो इंटरनेट के माध्यम से किसी व्यक्ति या संस्था की संवेदनशील जानकारी हासिल कर आर्थिक लाभ कमाने के उद्देश्य से किए जाते हैं। इसके सामान्य रूपों में फिशिंग, बिजनेस ईमेल कम्प्रोमाइज (बीईसी), रैनसमवेयर और ऑनलाइन शॉपिंग धोखाधड़ी शामिल हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, मजबूत और अलग-अलग पासवर्ड का इस्तेमाल तथा मल्टी-फैक्टर ऑथेंटिकेशन जैसे उपाय अपनाकर ऐसे साइबर हमलों से बचाव किया जा सकता है।

नडब्ल्यूएचओ ने पश्चिमी प्रशांत क्षेत्र में टीकाकरण को और मजबूत करने का किया आग्रह

मनीला। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने पश्चिमी प्रशांत क्षेत्र में टीकाकरण प्रयासों को तेज करने की अपनी अपील को दोहराया है और टीके से रोकी जा सकने वाली बीमारियों के फिर से फैलने की चेतावनी दी है।

डब्ल्यूएचओ ने टीकाकरण कार्यक्रमों में हासिल की गई कठिन उपलब्धियों को सुरक्षित रखने, उन बच्चों तक पहुंचने की आवश्यकता पर जोर दिया जो नियमित टीकाकरण से अभी भी वंचित हैं, और जीवन के हर चरण में टीकों के प्रति सार्वजनिक विश्वास बनाए रखने की जरूरत बताई। यह जानकारी फिलीपींस के मनीला स्थित डब्ल्यूएचओ के पश्चिमी प्रशांत क्षेत्रीय कार्यालय के

एक बयान में दी गई। डब्ल्यूएचओ के पश्चिमी प्रशांत क्षेत्रीय निदेशक साया माउ पिउकाला ने कहा, 'टीके विज्ञान और चिकित्सा का चमत्कार हैं, और इन्होंने हमारे क्षेत्र में पीढ़ियों से परिवारों और समुदायों की रक्षा की है। लेकिन हम इस सुरक्षा को हल्के में नहीं ले सकते। फिर भी, 2024 में पश्चिमी प्रशांत क्षेत्र में लगभग 21 लाख बच्चों को कम से कम एक टीके की खुराक नहीं मिल पाई, जिससे बड़ी संख्या में बच्चे रोकी जा सकने वाली बीमारियों के खतरे में हैं। डब्ल्यूएचओ के अनुसार, 2.2 अरब आबादी वाले इस क्षेत्र, जो दुनिया की कुल आबादी का एक चौथाई से अधिक है, में देशों ने टीके से रोकी जा सकने वाली बीमारियों के खिलाफ महत्वपूर्ण प्रगति की है। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के मुताबिक डब्ल्यूएचओ ने जोर देकर कहा कि नियमित टीकाकरण प्रणालियों को मजबूत करना, वंचित आबादी तक पहुंच बढ़ाना और टीकों की विश्वसनीय आपूर्ति श्रृंखला सुनिश्चित करना इस रुझान को उलटने के लिए अत्यंत आवश्यक है। पश्चिमी प्रशांत क्षेत्र में टीकाकरण ने लाखों मौतों और विकलांगताओं को रोका है।

बीआरओ के प्रोजेक्ट दंतक ने मनाया 66वां स्थापना दिवस, भारत-भूटान मैत्री को मिला नया आयाम

थिम्फू। भूटान की राजधानी थिम्पू में सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) की दंतक परियोजना ने 24 अप्रैल को अपना 66वां स्थापना दिवस मनाया। यह अवसर भारत और भूटान के बीच दशकों से चली आ रही मजबूत और भरोसेमंद साझेदारी का प्रतीक बना, जिसने दोनों देशों के बीच विकास व सहयोग के रिश्तों को और अधिक सुदृढ़ किया।

प्रोजेक्ट दंतक की स्थापना 24 अप्रैल 1961 को हुई थी और तब से यह भूटान के बुनियादी ढांचे के विकास में अहम भूमिका निभा रही है। शुरुआती वर्षों में इस परियोजना ने भूटान की पहली मोटर योग्य सड़क के निर्माण के साथ देश में आधुनिक परिवहन व्यवस्था की नींव रखी। समय के साथ यह परियोजना भूटान के सामाजिक और आर्थिक विकास का एक महत्वपूर्ण आधार बन गई और आज इसे देश की कनेक्टिविटी रीढ़ माना जाता है। पिछले छह दशकों से अधिक समय में प्रोजेक्ट दंतक ने भूटान में व्यापक सड़क नेटवर्क विकसित किया है। 1500 किलोमीटर से अधिक सड़कों के निर्माण के साथ-साथ इसने पूर्व-पश्चिम राजमार्ग जैसी रणनीतिक परियोजनाओं को आकार दिया है, जो देश के दूरदराज़ क्षेत्रों को राजधानी थिम्पू से जोड़ती हैं। इसके अलावा फुएंत्शोलिंग-थिम्पू हाईवे, पारो अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे और योंगफुला एडवांस्ड लैंडिंग ग्राउंड जैसे महत्वपूर्ण ढांचों के निर्माण में भी इसकी अहम भूमिका रही है, जिससे भूटान की कनेक्टिविटी और पर्यटन क्षेत्र को नई गति मिली है। सड़क निर्माण के अलावा परियोजना दंतक ने भूटान में जलविद्युत परियोजनाओं, पुलों, दूरसंचार नेटवर्क, अस्पतालों और शैक्षणिक संस्थानों के विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

रांची : जगन्नाथपुर मंदिर में सुरक्षाकर्मी की हत्या, विपक्ष ने सरकार पर साधा निशाना, सड़क पर उतरे लोग

रांची। रांची के ऐतिहासिक जगन्नाथपुर मंदिर में सुरक्षाकर्मी की हत्या और लूटपाट की घटना लेकर विपक्षी दलों ने जहां राज्य सरकार और पुलिस प्रशासन पर तीखा हमला बोला है। वहीं आदिवासी संगठनों ने सड़क पर उतरकर विरोध प्रदर्शन किया है।

नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने घटना पर गहरी चिंता जताते हुए कहा कि राजधानी के उच्च सुरक्षा वाले क्षेत्र में स्थित मंदिर में इस तरह की वारदात पुलिस की विफलता को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि घटनास्थल के आसपास विधानसभा और हाईकोर्ट जैसे महत्वपूर्ण संस्थान मौजूद हैं, इसके बावजूद अपराधियों द्वारा मंदिर में घुसकर हत्या करना गंभीर सवाल खड़े करता है।

मरांडी ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से चुप्पी तोड़ने और जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई करने की मांग की है। वहीं, पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास ने इस घटना को राज्य की खराब कानून-व्यवस्था का उदाहरण बताते हुए सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि जब राजधानी के प्रमुख और सुरक्षित माने जाने वाले धार्मिक स्थल ही असुरक्षित हैं, तो आम लोगों की सुरक्षा पर सवाल उठना स्वाभाविक है। दास ने सरकार को निष्क्रिय बताते हुए राज्य में बढ़ते अपराध पर चिंता जताई। घटना के विरोध में शुक्रवार को विभिन्न आदिवासी संगठन भी सड़क पर उतर आए। प्रदर्शनकारियों ने टायर जलाकर विरोध जताया और दोषियों की शीघ्र गिरफ्तारी तथा सख्त कार्रवाई की मांग की। उनका कहना है कि अपराधियों का मनोबल इतना बढ़ गया है कि अब वे मंदिर जैसे पवित्र स्थानों को भी निशाना बना रहे हैं। पुलिस के अनुसार, गुरुवार देर रात करीब 11 बजे एक व्यक्ति मंदिर परिसर में दाखिल हुआ और वहां ड्यूटी पर तैनात गार्ड बिरसा मुंडा की हत्या कर दी। इसके बाद आरोपी ने दान पेटी का ताला तोड़कर करीब पांच लाख रुपये से अधिक की नकदी लेकर फरार हो गया। घटना की पूरी वारदात मंदिर परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई है।

खनन को मिलेगा बूस्ट, केंद्र ने राज्यों के लिए 5,000 करोड़ रुपए की प्रोत्साहन योजना शुरू की

नई दिल्ली। खान मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा कि पिछले वित्तीय वर्ष की सफलता के बाद, वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए पूंजी निवेश हेतु राज्यों को विशेष सहायता योजना (एसएएससीआई) में खनन क्षेत्र सुधारों पर 5,000 करोड़ रुपए के परिव्यय के साथ एक प्रोत्साहन तंत्र को शामिल किया गया है।

मंत्रालय के एक बयान के अनुसार, योजना के इस घटक के लिए परिचालन दिशानिर्देश हाल ही में मंत्रालय द्वारा जारी किए गए हैं और राज्यों में खनन क्षेत्र में सुधार को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

एसएएससीआई योजना के इस घटक का उद्देश्य खदानों के संचालन को सुगम और त्वरित बनाना, खनिज उत्पादन बढ़ाना, खनन क्षेत्र से राज्यों द्वारा राजस्व संग्रह में वृद्धि करना और खनन क्षेत्र के समग्र शासन में सुधार करना है। योजना के तहत प्रोत्साहन राशि तीन सुधार क्षेत्रों के अंतर्गत राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों (विधानसभा वाले) को प्रदान की जाएगी। पहले चरण में खानों के संचालन हेतु राज्य का खान मंत्रालय के एकीकृत खनन पोर्टल के साथ एकीकरण, भूमि निर्धारण संबंधी मुद्दों के सक्रिय समाधान हेतु एक पूर्व-नीलामी समिति का गठन, खानों के संचालन की नियमित निगरानी हेतु राज्य स्तरीय समन्वय समिति का गठन, प्रमुख खनिजों के लिए वार्षिक नीलामी कैलेंडर का निर्धारण और यथासंभव उसका अनुपालन, तथा खनिज अयस्क के श्रेणीगत वर्गीकरण में त्रुटियों को रोकने या उनका पता लगाने के लिए प्रौद्योगिकी आधारित उपायों को अपनाना शामिल है। किसी भी राज्य को उपरोक्त सभी पांच सुधारात्मक कार्य 15 दिसंबर, 2026 तक करने होंगे, जिसके बाद वह 100 करोड़ रुपए के प्रोत्साहन के लिए पात्र होगा। दूसरी योजना के तहत, वित्त वर्ष 2026-27 में 31 दिसंबर, 2026 तक पूर्व-निर्धारित स्वीकृतियों (जैसे वन, पर्यावरण, भूमि आदि) के साथ प्रमुख खनिज ब्लॉकों की सफल नीलामी के लिए राज्यों को प्रोत्साहन देकर खदानों का संचालन शुरू किया जाएगा (प्रति ब्लॉक 20 करोड़ रुपए, प्रति राज्य अधिकतम सीमा 200 करोड़ रुपए)। साथ ही, वित्त वर्ष 2026-27 (31 दिसंबर, 2026 तक) के दौरान 31 मार्च, 2026 तक सफलतापूर्वक नीलाम किए गए प्रमुख खनिज ब्लॉकों में से कम से कम 10 प्रतिशत का संचालन (अर्थात उत्पादन और प्रेषण की शुरुआत) सुनिश्चित किया जाएगा।

मध्य प्रदेश में सरकार ने एमएसपी कोटा बढ़ने की बात कही, कांग्रेस ने लगाए आरोप

भोपाल। मध्य प्रदेश में गेहूं खरीद को लेकर सियासी घमासान तेज हो गया है। एक तरफ जहां भाजपा सरकार ने गेहूं खरीद कोटा में हालिया बढ़ोतरी को किसानों के समर्थन में एक बड़ा कदम बताया, वहीं कांग्रेस ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि जमीनी स्तर पर यह व्यवस्था किसानों के खिलाफ काम कर रही है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व मुख्यमंत्री कमल नाथ ने शुक्रवार को राज्य सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने यह बयान उस फैसले के एक दिन बाद दिया, जब केंद्र ने राज्य सरकार के गेहूं खरीद लक्ष्य को 78 लाख मीट्रिक टन से बढ़ाकर 100 लाख मीट्रिक टन करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी।

कमल नाथ ने कहा, 'भाजपा सरकार ने ऐसा जटिल जाल बिछा दिया है कि किसान अपनी फसल न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर बेच ही नहीं पा रहे हैं।' उन्होंने आरोप लगाया कि शुरुआत में बोरी (गन्नी बैग) की कमी का बहाना बनाकर खरीद में देरी की गई, जिससे छोटे किसानों को मजबूरी में कम कीमत पर गेहूं बेचना पड़ा।

उन्होंने यह भी कहा कि जब खरीद शुरू हुई, तब भी किसानों को स्लॉट बुकिंग में परेशानी झेलनी पड़ी। सैटेलाइट सर्वे के आधार पर किसानों की खड़ी फसल को रिजेक्ट किया जा रहा है, जिसे समझना किसानों के लिए मुश्किल है। अभी वे स्लॉट पाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। आंकड़ों का हवाला देते हुए कमल नाथ ने बताया कि अब तक 19 लाख से ज्यादा किसानों ने गेहूं खरीद के लिए पंजीकरण कराया है, लेकिन 23 अप्रैल तक केवल करीब 7 लाख किसान ही स्लॉट बुक कर पाए हैं।

भाजपा का 'ऑपरेशन लोटस'... राघव चड्ढा समेत सात सांसदों के इस्तीफे के बाद 'आप' की प्रतिक्रिया

नई दिल्ली। राज्यसभा सदस्य राघव चड्ढा और संदीप पाठक समेत आम आदमी पार्टी (आप) के सात सांसदों ने शुक्रवार को पार्टी छोड़ने का ऐलान कर दिया। इसके साथ ही उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल होने की घोषणा की है। इसको लेकर आम आदमी पार्टी (आप) ने कड़ी प्रतिक्रिया दर्ज कराई है। आप ने इसको भाजपा का 'ऑपरेशन लोटस' बताया है।

पार्टी के वरिष्ठ नेता संजय सिंह और अनुराग ढांडा ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया। आप सांसद संजय सिंह ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का 'ऑपरेशन लोटस', घटिया राजनीति का खेल और पंजाब सरकार के अच्छे कामों को रोकने का षड्यंत्र है। पंजाब सरकार जो 300 यूनिट बिजली फ्री देने का काम करती है, वहां के बच्चों को अच्छी शिक्षा देने का काम करती है, तीस साल से जिन नहरों में पानी नहीं गया था, उन नहरों में पानी पहुंचाने का काम करती है। दलित और आदिवासी समाज से आने वाली माताओं और बहनों को 1,500 रुपए की मासिक आर्थिक मदद देने का काम करती है। गरीबों को 10 लाख रुपए तक फ्री इलाज की सुविधा भगवंत मान सरकार करती है। भाजपा ने ऐसी सरकार को तोड़ने और धोखा देने का काम किया है। संजय सिंह ने कहा कि आज आम आदमी पार्टी के राज्यसभा के सात सांसद तोड़कर भाजपा में शामिल किए गए। इन सातों नामों को पंजाब की जनता को याद रखना चाहिए। पंजाब की जनता इन लोगों को माफ नहीं करेगी। राघव चड्ढा को पार्टी ने विधायक और सांसद बनाया। पंजाब की जनता ने प्यार देकर राज्यसभा में पहुंचाया। अब भाजपा की गोद में जा बैठे। संदीप पाठक को पंजाब की जनता के प्यार और आशीर्वाद से राज्यसभा में पहुंचने का मौका मिला। पार्टी ने बड़ी-बड़ी जिम्मेदारियां दीं। राजेंद्र गुप्ता का इतिहास उठाकर देखिए। पार्टी ने उनको क्या नहीं दिया। विक्रम साहनी, अशोक मित्तल और स्वाति मालीवाल को जमीन से उठाकर देश की सबसे बड़ी पंचायत में पहुंचाने का काम किया।

इन सातों लोगों ने पंजाब की जनता की पीठ में छुरा घोंपने का काम किया है। पंजाब के लोगों को धोखा देने का काम किया है। पंजाब सरकार के अच्छे कामों को रोकने का काम किया है। इन सबको पंजाब के लोग माफ नहीं करेंगे। आप सांसद ने कहा कि मैं अमित शाह से कहना चाहता हूं, ये घिनौना खेल जो आपने आम आदमी पार्टी और पंजाब सरकार के साथ खेला है, इसके लिए आपको भी पंजाब की जनता माफ नहीं करेगी। एक अच्छी सरकार पंजाब में चल रही है।

'आप' को जोर का झटका, इन सांसदों ने किया पार्टी छोड़ने का ऐलान, राघव चड्ढा ने गिनाए नाम

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) के सांसद राघव चड्ढा ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया है और भाजपा में शामिल होने का ऐलान कर दिया। इस खबर के सामने आते ही आम आदमी पार्टी खेमे में हलचल मच गई। यहां तक कि आप के सांसद संजय सिंह ने इसे 'ऑपरेशन लोट्स' करार दिया।

दरअसल, पिछले कुछ महीनों से जिस तरह से राघव चड्ढा को पार्टी में अलग-थलग करने की कोशिश की जा रही थी, उससे साफ हो गया था कि आने वाले समय में अरविंद केजरीवाल और उनकी पार्टी को 'जोर का झटका, बहुत जोर से लगना' तय है। अगर मौजूदा राजनीतिक हालात की बात करें तो राघव चड्ढा के साथ अशोक मित्तल और संदीप पाठक ने भी आम आदमी पार्टी को छोड़कर भाजपा में शामिल होने की घोषणा कर दी। अगर इन नेताओं की राजनीतिक और व्यक्तिगत उपलब्धियों को देखें, तो इनका आप से बाहर निकलना सही मायनों में अरविंद केजरीवाल के लिए 'जोर का झटका, बहुत जोर से लगना' माना जा सकता है। राघव चड्ढा राजनीति में आने से पहले चार्टर्ड अकाउंटेंट थे। उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय से स्नातक की डिग्री ली है। राघव चड्ढा के राजनीतिक जीवन की शुरुआत ही आम आदमी पार्टी के साथ हुई थी। पार्टी के गठन के समय भी चड्ढा अरविंद केजरीवाल के साथ थे। 24 वर्ष की आयु में, उन्होंने 2012 में अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में लोकपाल विधेयक का मसौदा तैयार करने में सहयोग किया। टीवी पर वह पार्टी और संगठन का पक्ष रखते रहे और जल्द ही वह पार्टी का जाना-पहचाना चेहरा बन गए। राघव चड्ढा भारतीय राजनीतिक दलों में सबसे कम उम्र के राष्ट्रीय प्रवक्ता बने। वह पूर्व में राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष भी रह चुके हैं। इससे पहले वे 2020 से मार्च 2022 तक दिल्ली के राजेंद्र नगर निर्वाचन क्षेत्र से आम आदमी पार्टी (आप) के विधायक रहे। इस दौरान वह दिल्ली जल बोर्ड के अध्यक्ष के रूप में भी काम कर चुके हैं।

जम्मू-कश्मीर : सोपोर में 6 उपद्रवियों पर पीएसए के तहत कार्रवाई

सोपोर। सार्वजनिक व्यवस्था को बिगाड़ने में शामिल तत्वों के खिलाफ एक सख्त कार्रवाई करते हुए सोपोर पुलिस ने छह उपद्रवियों पर 'सार्वजनिक सुरक्षा अधिनियम' (पीएसए) के तहत मामला दर्ज किया है। इन पर सोपोर में छात्रों के एक हालिया विरोध प्रदर्शन के दौरान कानून-व्यवस्था में खराब करने की कोशिश और तोड़फोड़ की घटनाओं में शामिल होने का आरोप है।

आरोपियों की पहचान उमर अकबर हाजम, सलमान अहमद, अल्ताफ अहमद शेख, मुबाशिर अहमद गिलकर, मुजम्मिल मुश्ताक चंगा और माजिद फिरदौस डार के रूप में की गई है। सोपोर पुलिस के अधिकारियों ने बताया कि सभी आरोपियों को सक्षम प्राधिकारी (जिला मजिस्ट्रेट) से उचित हिरासत वारंट प्राप्त करने के बाद पीएसए के तहत हिरासत में ले लिया गया है और उन्हें जिला जेल भद्रवाह में भेज दिया गया है।

अधिकारियों के अनुसार, ये उपद्रवी छात्रों की ओर से किए गए हालिया विरोध प्रदर्शन के दौरान अशांति भड़काने, तोड़फोड़ करने और शांति भंग करने की कोशिशों में सक्रिय रूप से शामिल थे। उनकी इन गतिविधियों से सार्वजनिक व्यवस्था और सुरक्षा को गंभीर खतरा पैदा हो गया था।

सोपोर पुलिस ने दोहराया कि जिले में शांति और स्थिरता को खतरे में डालने वाली किसी भी गैर-कानूनी गतिविधि के प्रति 'जीरो टॉलरेंस' की नीति अपनाई जाएगी। इसके अलावा, उक्त घटनाओं में शामिल अन्य व्यक्तियों की भी पहचान की जा रही है, और उनके खिलाफ भी इसी तरह की कानूनी कार्रवाई की प्रक्रिया चल रही है। सोपोर पुलिस ने एक कड़ी चेतावनी जारी की है कि संवेदनशील स्थितियों का फायदा उठाने या सार्वजनिक व्यवस्था को बिगाड़ने वाली गतिविधियों में शामिल होने के किसी भी प्रयास के खिलाफ कानून के तहत सख्त और तत्काल कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने आम जनता, विशेष रूप से युवाओं को सलाह दी कि वे ऐसी गैर-कानूनी गतिविधियों से दूर रहें और असामाजिक तत्वों के उकसावे का शिकार न बनें। इसके साथ ही, अभिभावकों और समुदाय के नेताओं से आग्रह किया गया कि वे अपने बच्चों का उचित मार्गदर्शन करें और यह सुनिश्चित करें कि वे रचनात्मक गतिविधियों में ही संलग्न रहें।

लालू यादव की आलोचना से तिलमिलाई रोहिणी आचार्या, कहा- सीएम सम्राट चौधरी के साथ याददाश्त की दिक्कत

पटना। बिहार विधानसभा के विशेष सत्र में शुक्रवार को प्रदेश की नई सरकार ने विश्वासमत हासिल कर लिया। इस दौरान मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने राजद अध्यक्ष लालू यादव पर जमकर सियासी हमला बोला। इससे तिलमिलाई रोहिणी आचार्या ने मुख्यमंत्री पर निशाना साधा है।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री की याददाश्त के साथ कोई केमिकल लोचा है। पिछले लोकसभा चुनाव में सारण क्षेत्र से चुनाव लड़ चुकी रोहिणी आचार्या ने सोशल मीडिया के जरिए कहा कि मुख्यमंत्री फिर से विरोधाभासी बातें करते ही सदन में दिखे। उन्होंने एक लंबे पोस्ट के जरिए कहा कि सदन में विश्वास मत के प्रस्ताव के दौरान बोलते हुए बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि बिहार की 14 करोड़ जनता का आशीर्वाद प्राप्त है। उन्होंने पूछा कि क्या बिहार में 14 करोड़ मतदाता हैं? क्या एनडीए ने चुनाव सम्राट चौधरी के नाम और चेहरे पर लड़ा था? उन्होंने आगे लिखा, अपने संबोधन में मुख्यमंत्री अपनी उम्र, अपनी डिग्री के बारे में तो बात करते दिखे, लेकिन अपनी उम्र, अपनी डिग्री को सही साबित करने, सत्यापित करने के पक्ष में कोई तार्किक, तथ्यपरक बात कहने से बचते दिखे। रोहिणी आचार्या ने कहा कि लालू यादव के द्वारा जेल भेजे जाने की बचकानी बात कहते हुए प्रपंच के सहारे मुख्यमंत्री की कुर्सी हासिल करने वाले सम्राट चौधरी ये भूल गए कि भाजपा के ही लोग कहते हैं कि कानूनी और न्यायिक प्रक्रिया विधि-विधान के अनुरूप चलती है, किसी के इशारे पर नहीं।

पश्चिम बंगाल चुनाव नतीजों तक टली त्रिपुरा जनजातीय परिषद के गठन की प्रक्रिया

अगरतला। त्रिपुरा की प्रमुख क्षेत्रीय पार्टी टिपरा मोथा पार्टी (टीएमपी) ने त्रिपुरा ट्राइबल एरियाज ऑटोनॉमस डिस्ट्रिक्ट काउंसिल (टीटीएएडीसी) के नए गठन को फिलहाल टालने का फैसला किया है। पार्टी का कहना है कि नई परिषद का गठन पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के नतीजों का आकलन करने के बाद ही किया जाएगा।

पार्टी के एक नवनिर्वाचित वरिष्ठ नेता के अनुसार, परिषद के चेयरमैन और मुख्य कार्यकारी सदस्य (सीईएम) के चुनाव समेत पूरी गठन प्रक्रिया बंगाल चुनाव परिणामों के बाद ही आगे बढ़ेगी। गौरतलब है कि पश्चिम बंगाल की 294 विधानसभा सीटों में से 152 सीटों पर पहले चरण का मतदान गुरुवार को हो चुका है, जबकि शेष 142 सीटों पर 29 अप्रैल को वोटिंग होगी। इसी बीच त्रिपुरा सरकार के जनजातीय कल्याण विभाग ने अधिसूचना जारी कर बताया है कि राज्य के विधि सचिव संकारी दास 27 अप्रैल को टीटीएएडीसी के नवनिर्वाचित सदस्यों को शपथ दिलाएंगे। आम तौर पर शपथ ग्रहण के बाद ही नए चेयरमैन और सीईएम का चुनाव होता है, लेकिन इस बार पार्टी ने इंतजार करने का निर्णय लिया है। हाल ही में घोषित टीटीएएडीसी चुनाव परिणामों में टीएमपी ने 28 में से 24 सीटें जीतकर स्पष्ट बहुमत हासिल किया है। भाजपा को केवल 4 सीटों पर संतोष करना पड़ा। दिलचस्प बात यह है कि भाजपा, टीएमपी और इंडिजिनस पीपुल्स फ्रंट ऑफ त्रिपुरा (आईपीएफटी) ने इस बार अलग-अलग चुनाव लड़ा था।

लू : ओडिशा में लू के चलते 27 अप्रैल से स्कूलों में गर्मियों की छुट्टियों की घोषणा

भुवनेश्वर। ओडिशा में पड़ रही तेज गर्मी को देखते हुए मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने स्कूलों की गर्मी की छुट्टियां पहले ही घोषित कर दी हैं।

यह फैसला बच्चों की सुरक्षा को ध्यान में रखकर लिया गया है। सरकार ने स्कूल और जन शिक्षा विभाग के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। अब राज्य के सभी सरकारी, सरकारी सहायता प्राप्त और निजी स्कूल 27 अप्रैल से बंद रहेंगे। हालांकि, पहले से तय परीक्षाएं, जनगणना से जुड़े काम और अन्य सरकारी कार्य अपने निर्धारित समय पर ही होंगे। इस समय ओडिशा में भीषण गर्मी पड़ रही है। कई जगहों पर तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा हो चुका है, जिससे लोगों की दिनचर्या प्रभावित हो रही है। मौसम विभाग के अनुसार, अगले कुछ दिनों तक तापमान में ज्यादा बदलाव नहीं होगा। इसके बाद तापमान में 2-3 डिग्री तक गिरावट आ सकती है। विभाग ने कुछ जिलों जैसे बोलांगीर, झारसुगुड़ा, संबलपुर, क्योंझर और खुर्दा में हीटवेव (लू) का येलो अलर्ट भी जारी किया है। गुरुवार को ओडिशा के 24 शहरों में अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर दर्ज किया गया। इनमें झारसुगुड़ा और तालचेर सबसे गर्म रहे, जहां तापमान 44 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। इसी तरह, शुक्रवार को सुबह 11:30 बजे तक ही झारसुगुड़ा में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर चला गया था। राज्य के कई अन्य इलाकों में भी तापमान इसी के आसपास बना हुआ था। गर्मी इतनी तेज है कि सुबह 11 बजे के बाद ही सड़कों पर भीड़ बहुत कम हो गई। भीषण लू से बचने के लिए ज्यादातर लोग अपने घरों के अंदर ही रहे। राज्य के कई हिस्सों में लू लगने के मामले भी सामने आ रहे हैं। इसी स्थिति को देखते हुए कई जिलों के कलेक्टरों ने पहले ही स्कूलों में कक्षाएं स्थगित कर दी थीं।

एआई और नई टेक्नोलॉजी पर भरोसा, लेकिन सतर्कता जरूरी: एक्सपर्ट्स

नई दिल्ली । एफआईसीसीआई द्वारा आयोजित 6वें पीआईसीयू फिनटेक कॉन्फ्रेंस में इंडियन बैंकिंग सेक्टर के दिग्गजों ने नई तकनीकों और डिजिटल पेमेंट सिस्टम को लेकर अपने विचार साझा किए।

न्यूज एजेंसी आईएएनएस से बात करते हुए इंडियन बैंक्स एसोसिएशन के सीनियर एडवाइजर सुरिंदर कुमार थापर ने कहा कि हर नई तकनीक के साथ कुछ जोखिम जरूर आते हैं, लेकिन इनसे निपटने के लिए मजबूत सुरक्षा व्यवस्था (गार्डरेल्स) भी मौजूद होती है।

उन्होंने कहा कि किसी भी तकनीक को अपनाने से पहले उसका सही तरीके से परीक्षण किया जाता है और जरूरी सिस्टम लगाए जाते हैं। इसलिए एआई या एजेंटिक टेक्नोलॉजी से जुड़े बड़े खतरे फिलहाल नजर नहीं आते, क्योंकि इन पर लगातार निगरानी और सुधार किया जा रहा है।

थापर ने डिजिटल पेमेंट में यूपीआई की भूमिका को बेहद अहम बताया। उन्होंने कहा कि यूपीआई ने भारत को तेजी से कैशलेस इकोनॉमी की ओर बढ़ाने में बड़ी भूमिका निभाई है। आज देश में यूपीआई के जरिए होने वाले ट्रांजैक्शन और उनकी कुल राशि में कई गुना बढ़ोतरी हुई है।

उन्होंने यह भी कहा कि अब छोटे दुकानदार भी आसानी से यूपीआई से पेमेंट स्वीकार कर रहे हैं, जो इस बात का संकेत है कि डिजिटल पेमेंट सिस्टम देश के हर कोने तक पहुंच चुका है।

वहीं, बिजनेसनेक्स्ट के सीईओ निशांत सिंह ने आईएएनएस से बात करते हुए साइबर सुरक्षा को लेकर अहम बात कही। उन्होंने कहा कि साइबर सिक्योरिटी का खतरा सिर्फ एआई तक सीमित नहीं है, लेकिन एआई के कारण यह और ज्यादा बढ़ गया है। हालांकि, यह जोखिम पहले से मौजूद थे, लेकिन अब उनका दायरा और प्रभाव बढ़ गया है।

उन्होंने बताया कि सरकार लगातार लोगों को जागरूक करने के लिए कई कार्यक्रम चला रही है, जिससे लोग डिजिटल फ्रॉड और साइबर खतरों से बच सकें।

निशांत सिंह ने यह भी कहा कि यूपीआई जैसे प्लेटफॉर्म अब लोगों को परिवार के अन्य सदस्यों को भी जोड़ने की सुविधा दे रहे हैं। इससे घर के युवा सदस्य, जो तकनीक में ज्यादा माहिर होते हैं, वे अपने माता-पिता या बुजुर्गों की मदद कर सकते हैं। इससे डिजिटल लेनदेन और भी सुरक्षित और आसान बन रहा है।

हृदय और फेफड़ों को मजबूत बनाने में मददगार है अंजलि मुद्रा, जानिए कैसे करती है शरीर पर असर

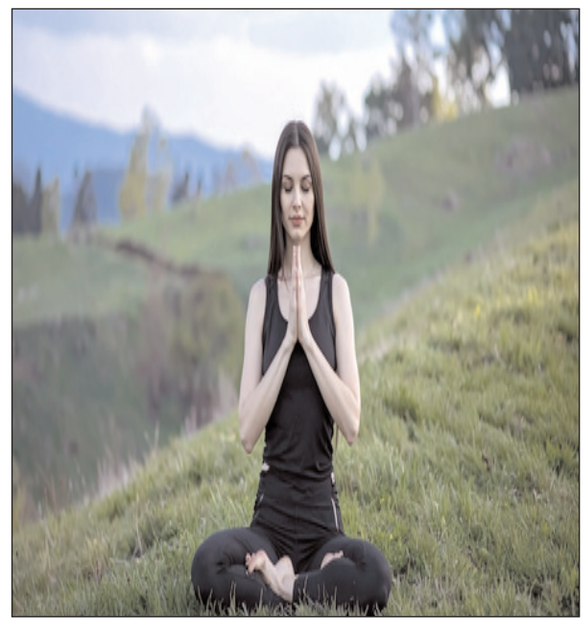

नई दिल्ली। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में तनाव, चिंता और बिगड़ती जीवनशैली का असर सबसे ज्यादा हमारे दिल और फेफड़ों पर पड़ रहा है। लगातार बढ़ता मानसिक दबाव, घंटों बैठकर काम करना, प्रदूषण और अनियमित दिनचर्या धीरे-धीरे शरीर को कमजोर बना देती है।

ऐसे में लोग खुद को स्वस्थ रखने के लिए योग को अपना रहे हैं। इन्हीं में से एक है अंजलि मुद्रा, जिसे आमतौर पर नमस्ते मुद्रा या प्रार्थना मुद्रा भी कहा जाता है। यह मुद्रा शरीर, मन और सांसों के बीच संतुलन बनाने का काम करती है।

अंजलि मुद्रा में दोनों हथेलियों को जोड़ा जाता है। योग विशेषज्ञों के अनुसार, जब दोनों हथेलियां आपस में जुड़ती हैं, तब शरीर और मस्तिष्क के बीच एक संतुलन बनने लगता है। इससे मन शांत होता है और सांसों की गति धीरे-धीरे नियंत्रित होने लगती है। यही प्रक्रिया दिल और फेफड़ों को फायदा पहुंचाने में मदद करती है।

अंजलि मुद्रा करते समय जब व्यक्ति गहरी और धीमी सांस लेता है, तब फेफड़ों तक ऑक्सीजन बेहतर तरीके से पहुंचती है। इससे सांस लेने की प्रक्रिया संतुलित होती है और फेफड़े ज्यादा सक्रिय तरीके से काम करने लगते हैं। लगातार अभ्यास करने से फेफड़ों की कार्यक्षमता बेहतर हो सकती है। जो लोग जल्दी थकान महसूस करते हैं या तनाव के कारण तेज सांस लेने की समस्या से परेशान रहते हैं, उनके लिए यह मुद्रा काफी लाभकारी मानी जाती है।धीमी और गहरी सांसें शरीर में ऑक्सीजन के स्तर को बेहतर बनाने में मदद करती हैं, जिससे शरीर में ऊर्जा बनी रहती है।अंजलि मुद्रा का असर हृदय पर भी सकारात्मक माना जाता है। यह मुद्रा सीने के बीच वाले हिस्से यानी हार्ट चक्र पर ध्यान केंद्रित करती है। जब व्यक्ति शांत मन से इस मुद्रा का अभ्यास करता है, तो तनाव कम होने लगता है। तनाव कम होने का सीधा असर दिल की सेहत पर पड़ता है, क्योंकि अत्यधिक तनाव दिल की धड़कनों और रक्तचाप को प्रभावित कर सकता है।

अंजलि मुद्रा मन को शांत करके दिल पर पड़ने वाले मानसिक दबाव को कम करने में मदद करती है।इसके अलावा अंजलि मुद्रा मस्तिष्क के दोनों हिस्सों के बीच संतुलन बनाने में भी मदद करती है। इससे एकाग्रता बढ़ती है और सोचने-समझने की क्षमता बेहतर होती है।

शारीरिक रूप से भी यह मुद्रा फायदेमंद मानी जाती है। इससे हाथों, कलाई और बांहों की मांसपेशियों में लचीलापन आता है। लंबे समय तक कंप्यूटर या मोबाइल पर काम करने वाले लोगों के लिए यह हल्का अभ्यास राहत देने वाला हो सकता है।

विश्व मलेरिया दिवस : 'अब हम कर सकते हैं... अब हमें करना ही होगा' मलेरिया का उन्मूलन

नई दिल्ली। एक ऐसी लड़ाई, जो दशकों से जारी है और अब निर्णायक मोड़ पर पहुंचती दिख रही है। 25 अप्रैल को मनाया जाने वाला विश्व मलेरिया दिवस इस बार सिर्फ जागरूकता का दिन नहीं, बल्कि एक ऐतिहासिक अवसर है, जहां विज्ञान, रणनीति और वैश्विक इच्छाशक्ति एक साथ खड़ी हैं। अभूतपूर्व गति से हो रही वैज्ञानिक प्रगति ने पहली बार यह भरोसा पैदा किया है कि हमारे ही जीवनकाल में मलेरिया का उन्मूलन संभव है।

नए टीके, प्रभावी उपचार, आधुनिक नियंत्रण उपकरण और मच्छरों के आनुवंशिक संशोधन जैसी उन्नत तकनीकें इस दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही हैं। इंजेक्शन जैसे नवाचार भी विकास के चरण में हैं, जबकि 25 देश पहले ही हर साल एक करोड़ बच्चों को टीकों के जरिए सुरक्षा प्रदान कर रहे हैं। मलेरिया नियंत्रण के मोर्चे पर अगली पीढ़ी की मच्छरदानियां (नेक्स्ट जेनरेशन मॉसक्विटो नेट) अब 84 प्रतिशत वितरण में शामिल हैं और राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रम जमीनी बदलाव ला रहे हैं। यह वह क्षण है, जब उम्मीद पहले से कहीं ज्यादा मजबूत नजर आ रही है।

इसी पृष्ठभूमि में विश्व स्वास्थ्य संगठन ने अपने साझेदारों के साथ 'मलेरिया का उन्मूलन करने के लिए प्रतिबद्ध: अब हम कर सकते हैं। अब हमें करना ही होगा।' अभियान की शुरुआत की है, जो केवल एक नारा नहीं बल्कि एक वैश्विक आह्वान है। यह दुनिया को याद दिलाता है कि समय हमारे पक्ष में है, लेकिन निर्णायक कदम उठाने की जरूरत अभी है। पिछले दो दशकों में मिली सफलताएं इस विश्वास को और मजबूत करती हैं। वर्ष 2000 से अब तक लाखों मामलों और करोड़ों मौतों को टाला जा चुका है।

47 देशों को मलेरिया-मुक्त घोषित किया जा चुका है, जिनमें हाल के वर्षों में भी नए देश शामिल हुए हैं। कई देशों में मामलों की संख्या हजार से नीचे आ गई है और ग्रेटर मेकांग उपक्षेत्र ने यह साबित कर दिया है कि कठिन परिस्थितियों और दवा प्रतिरोध के बावजूद भी लगभग 90 प्रतिशत तक गिरावट हासिल की जा सकती है। फिर भी, यह तस्वीर पूरी तरह आश्वस्त करने वाली नहीं है। 2000 से 2024 के बीच मलेरिया-ग्रस्त देशों की संख्या में गिरावट जरूर आई है और कम मामलों वाले देशों की संख्या लगातार बढ़ी है, लेकिन वैश्विक स्तर पर स्थिति ठहरी हुई सी है।

भारत में एआई इंजीनियरिंग भर्तियां 59.5 प्रतिशत बढ़ी, छोटे शहरों में मांग ने पकड़ी रफ्तार

नई दिल्ली। भारत में एआई इंजीनियरिंग भर्तियों में सालाना आधार पर 59.5 प्रतिशत की बढ़त देखने को मिली है। यह यूएस,यूके, फ्रांस और जर्मनी जैसे देशों में एआई इंजीनियर्स की भर्तियों से ज्यादा है। यह जानकारी शुक्रवार को जारी रिपोर्ट में दी गई।

लिंक्डइन ने एक रिपोर्ट में बताया कि बेंगलुरु और हैदराबाद एआई हायरिंग में शीर्ष पर बने हुए हैं। हालांकि, विजयवाडा जैसे शहरों में भी एआई भर्तियों में तेजी देखी जा रही है।एआई इंजीनियरिंग भर्तियों में सालाना आधार पर हैदराबाद में 51 प्रतिशत और विजयवाडा में 45.5 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है।

रिपोर्ट के अनुसार, भारत में लघु एवं मध्यम आकार के व्यवसायों (एसएमबी) के बीच सबसे तेजी से विकसित हो रहे एआई कौशल में एआई एजेंट, एआई उत्पादकता और एज्योर एआई स्टूडियो शामिल हैं, जो व्यावहारिक और निष्पादन-केंद्रित क्षमताओं की बढ़ती मांग को दर्शाते हैं। मैन्युफैक्चरिंग जैसे उद्योगों में, एआई एजेंट और एआई प्रॉम्प्टिंग रोजगार क्षमता को मजबूत करने के लिए महत्वपूर्ण कौशल के रूप में उभर रहे हैं।सभी आकार के संगठनों में एआई को तेजी से अपनाने के कारण एआई इंजीनियरिंग में भर्ती में वृद्धि हुई है।रिपोर्ट में कहा गया है कि बड़े उद्यम बुनियादी ढांचे, शासन और बड़े पैमाने पर तैनाती में निवेश कर रहे हैं, जिसके चलते वे एआई प्रतिभाओं को सबसे अधिक संख्या में नियुक्त कर रहे हैं।

वहीं, छोटे और मध्यम आकार के व्यवसाय भी तेजी से आगे बढ़ रहे हैं।जैसे-जैसे एआई का उपयोग बढ़ता जा रहा है, विभिन्न उद्योगों में एआई प्रतिभाओं की आपूर्ति भी बढ़ रही है। विनिर्माण क्षेत्र में, भारत में एआई इंजीनियरिंग प्रतिभाओं की संख्या चार गुना बढ़कर 2025 में कार्यबल का 2 प्रतिशत हो गई है।

लिंक्डइन इंडिया इंजीनियरिंग के प्रमुख मलाई लक्ष्मणन ने कहा, 'हम एआई एजेंटों और उत्पादकता उपकरणों जैसे व्यावहारिक एआई कौशल में मजबूत वृद्धि देख रहे हैं, जो सीधे वास्तविक दुनिया में उपयोग से जुड़े हैं। लक्ष्मणन ने आगे कहा, 'इंजीनियरों के लिए, यह एक स्पष्ट संकेत है कि वे व्यावहारिक, प्रायोगिक क्षमताओं के निर्माण और एआई को रोजमर्रा के कार्यप्रवाह में एकीकृत करने पर ध्यान केंद्रित करें। जैसे-जैसे सभी आकार के उद्योगों और संगठनों में एआई का उपयोग तेजी से बढ़ रहा है, प्रयोग से क्रियान्वयन की ओर बढ़ने वाले लोग इस अवसर का लाभ उठाने के लिए सबसे अच्छी स्थिति में होंगे।

नी मूवमेंट : रोजाना कुछ मिनट का अभ्यास देगा बेहतर संतुलन और ताकत, जॉइंट्स की समस्या में भी राहत

नई दिल्ली । बदलती जीवनशैली और अनियमित खानपान का असर अब लोगों के स्वास्थ्य पर साफ दिखाई देने लगा है। खासतौर पर घुटनों और कूल्हों के जोड़ों में दर्द और कमजोरी की समस्या तेजी से बढ़ रही है। ऐसे में योग का एक आसान अभ्यास 'नी मूवमेंट' या 'समस्थिति' इन समस्याओं से राहत दिलाने में प्रभावी साबित हो सकता है।

भारत सरकार के आयुष मंत्रालय के अनुसार, नी मूवमेंट घुटनों और हिप जॉइंट्स को मजबूत बनाता है, निचले शरीर की स्थिरता बढ़ाता है और ताकत प्रदान करता है। इसे योग की आधारभूत मुद्रा माना जाता है। यह अभ्यास न केवल शारीरिक बल बढ़ाता है बल्कि मानसिक एकाग्रता भी सुधारता है। योग एक्सपर्ट के अनुसार, नी मूवमेंट अभ्यास के लिए सीधे खड़े हो जाएं। दोनों पैरों को जोड़ लें। हाथों को शरीर के दोनों ओर सीधा रखें। नजर सामने की ओर रखें और पूरा शरीर संतुलित रखते हुए हवा में बैठने की मुद्रा बनाएं। इस मुद्रा में कुछ मिनट तक खड़े रहें। शरीर को पूरी तरह सतर्क और स्थिर रखना होता है। यह आसन घर पर बिना किसी उपकरण के आसानी से किया जा सकता है।

नी मूवमेंट को योग में आधारभूत मुद्रा भी कहते हैं, जिसके नियमित अभ्यास से घुटनों और कूल्हे के जोड़ों में मजबूती आती है। शरीर के निचले हिस्से की मांसपेशियां मजबूत होती हैं। लंबे समय तक बैठकर काम करने वाले लोगों में होने वाली कमजोरी दूर होती है। जोड़ों पर अनावश्यक दबाव कम होता है और दैनिक जीवन में बेहतर संतुलन मिलता है। साथ ही, यह मुद्रा मानसिक एकाग्रता बढ़ाती है, फोकस सुधारती है और तनाव कम करने में मदद करती है।

नी मूवमेंट सिर्फ शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि शरीर और मन दोनों को संतुलित रखने का एक प्रभावी तरीका है।

दिल दे रहा खतरे के संकेत, इन लक्षणों को भूलकर भी न करें नजरअंदाज

नई दिल्ली। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में लोग अपनी सेहत पर ध्यान ही नहीं दे पाते। खासतौर पर दिल से जुड़ी समस्याओं को सामान्य थकान या कमजोरी मानकर नजरअंदाज कर देते हैं। ऐसी आदत शरीर के लिए खतरनाक साबित हो सकती है।

मेडिकल साइंस के अनुसार, दिल पूरे शरीर को ऑक्सीजन और जरूरी पोषण पहुंचाने का काम करता है। जब दिल ठीक तरह से काम नहीं करता, तो शरीर कई छोटे-छोटे संकेत देने लगता है। अगर इन संकेतों को समय रहते समझ लिया जाए तो गंभीर बीमारी से बचा जा सकता है।

विशेषज्ञों के मुताबिक, अगर किसी व्यक्ति को मामूली काम करते समय भी सांस फूलने लगे, तो यह दिल पर बढ़ते दबाव का संकेत हो सकता है। कई बार लोग सीढ़ियां चढ़ते समय या थोड़ा तेज चलने पर सांस चढ़ने को उम्र या कमजोरी का असर मान लेते हैं। लेकिन, ऐसा नहीं है। जब दिल शरीर तक पर्याप्त मात्रा में खून और ऑक्सीजन नहीं पहुंचा पाता, तब फेफड़ों पर असर पड़ता है और सांस लेने में परेशानी होने लगती है।

अगर यह समस्या बार-बार हो रही हो, तो डॉक्टर से जांच करवाना जरूरी है। नियमित व्यायाम, वजन नियंत्रित रखना और धूम्रपान से दूरी दिल को स्वस्थ रखने में मदद कर सकते हैं।

शरीर के निचले हिस्से, खासकर पैरों और टखनों में सूजन भी दिल की कमजोरी का संकेत हो सकती है। डॉक्टर बताते हैं कि जब दिल सही तरीके से खून पंप नहीं कर पाता तब शरीर में

मनोरंजन और ज्ञान ही नहीं बीमारियों को दूर करने में भी कारगर किताबें, जानें बिब्लियोथेरेपी के फायदे

नई दिल्ली। 23 अप्रैल को दुनिया भर में किताबों के महत्व को रेखांकित करते हुए विश्व पुस्तक दिवस हर साल मनाया जाता है। इस खास मौके पर बता दें कि किताबें केवल मनोरंजन व ज्ञान ही नहीं बल्कि मानसिक सेहत को भी बेहतरीन करने का जरिया हैं।

आज की तेज रफ्तार जिंदगी में तनाव, चिंता और एंग्जायटी आम समस्याएं बन चुकी हैं। ऐसे में मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर रखने के लिए एक आसान, सस्ता और प्रभावी उपाय है बिब्लियोथेरेपी, यानी किताबों के माध्यम से मन का इलाज। दवाओं के बिना ही मन को शांत करने के आसान उपाय को बिब्लियोथेरेपी कहते हैं, जिसमें व्यक्ति अपनी समस्याओं से संबंधित किताबें, कहानियां, उपन्यास, या ऑडियोबुक्स पढ़कर खुद को बेहतर समझता है और समाधान ढूंढता है।

अमेरिकन नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन के अनुसार, इसमें कई प्रकार के कंटेंट का इस्तेमाल किया जाता है, जो मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में मदद करती हैं। यह तरीका पूरी तरह गैर-औषधीय है। इसमें कोई दवा नहीं ली जाती। व्यक्ति अपनी पसंद और जरूरत के अनुसार किताब चुनता है। पढ़ते समय वह कहानी के किरदारों से जुड़ता है, उनकी समस्याओं को समझता है और खुद की जिंदगी में भी समाधान ढूंढने लगता है।

बिब्लियोथेरेपी से आत्मविश्वास बढ़ता है, भावनाओं का संतुलन होता है और मन शांत रहता है। रिसर्च में पाया गया है कि सर्जरी से पहले मरीजों में चिंता का स्तर बहुत अधिक होता है। बिब्लियोथेरेपी का उपयोग करने से उनकी घबराहट काफी कम हो जाती है।

सुदर्शन के शतक पर कोहली की दमदार पारी पड़ी भारी, आरसीबी ने जीटी को 5 विकेट से हराया

बेंगलुरु। आईपीएल 2026 के 34वें मुकाबले में शुक्रवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए गुजरात टाइटंस (जीटी) को 5 विकेट से हराया। एम. चिन्नास्वामी क्रिकेट स्टेडियम में गुजरात टाइटंस से मिले 206 रनों के लक्ष्य को आरसीबी ने 18.5 ओवर में 5 विकेट खोकर हासिल किया। आरसीबी की यह इस सीजन की पांचवीं जीत है।

206 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी आरसीबी की शुरुआत अच्छी नहीं रही। जैकब बेथेल 10 गेंदों में 14 रन बनाने के बाद मोहम्मद सिराज का शिकार बने। हालांकि, इसके बाद विराट कोहली और देवदत्त पडिक्कल ने मोर्चा संभाला और दूसरे विकेट के लिए 59 गेंदों में 115 रनों की साझेदारी निभाई। पडिक्कल ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए महज 27 गेंदों पर 55 रनों की दमदार पारी खेली। अपनी इस पारी में उन्होंने 2 चौके और 6 छक्के लगाए।

वहीं, कोहली ने 44 गेंदों का सामना करते हुए 8 चौके और 4 छक्कों की मदद से 81 रन बनाए। कप्तान रजत पाटीदार बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके और सिर्फ 8 रन बनाकर मानव सुथार का शिकार बने। जितेश शर्मा 6 गेंदों में 10 रन बनाने के बाद राशिद खान की गेंद पर मानव के हाथों में कैच देकर पवेलियन लौटे। हालांकि, इसके बाद टिम डेविड और क्रुणाल पांड्या की जोड़ी ने आरसीबी को कोई और झटका नहीं लगने दिया। डेविड 10 रन बनाकर नाबाद रहे, तो क्रुणाल ने 12 गेंदों में 3 चौके और एक छक्के की मदद से नाबाद 23 रन बनाए।

गेंदबाजी में गुजरात टाइटंस की ओर से राशिद खान ने सर्वाधिक 2 विकेट निकाले, जबकि जेसन होल्डर और मानव सुथार को एक-एक विकेट मिला।

इससे पहले, गुजरात टाइटंस ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 3 विकेट खोकर स्कोरबोर्ड पर 205 रन लगाए। शुभमन गिल और साई सुदर्शन ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए पहले विकेट के लिए 12.5 ओवर में 128 रन जोड़े। गिल 24 गेंदों में 32 रन बनाकर आउट हुए। वहीं, जोस बटलर ने 16 गेंदों में 25 रनों का योगदान दिया।

हालांकि, सुदर्शन एक छोर को संभालकर खड़े रहे और उन्होंने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए शतकीय पारी खेली। सुदर्शन ने 58 गेंदों में 100 रन बनाए। अपनी इस पारी में उन्होंने 11 चौके और 5 छक्के लगाए। वॉशिंगटन सुंदर 12 गेंदों में 19 रन बनाकर नाबाद रहे, तो जेसन होल्डर ने महज 10 गेंदों में नाबाद 23 रन बनाए।

गेंदबाजी में आरसीबी की तरफ से भुवनेश्वर कुमार, सुयश शर्मा और हेजलवुड ने एक-एक विकेट निकाला। गुजरात टाइटंस को आईपीएल 2026 में अपनी चौथी हार का सामना करना पड़ा है।

दिल्ली प्रो वॉलीबॉल लीग का लक्ष्य खिलाड़ियों को आर्थिक रूप से सशक्त करना और पहचान दिलाना है

नई दिल्ली। दिल्ली प्रो वॉलीबॉल लीग (डीपीवीएल) की घोषणा इस साल जनवरी में शहर में वॉलीबॉल टैलेंट के लिए एक व्यस्थापित, पेशेवर और स्थिर प्लेटफॉर्म बनाने के विजन के साथ की गई थी। लीग को दिल्ली वॉलीबॉल एसोसिएशन और दिल्ली ओलंपिक एसोसिएशन का सपोर्ट है। लीग का लक्ष्य खिलाड़ियों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना और उन्हें पहचान देना है। पूर्व वॉलीबॉल खिलाड़ी नीति रावत और जसोदा गुलिया डीपीवीएल की तैयारियों में पूरी तरह से जुटी हुई हैं, जो भारत की पहली महिलाओं द्वारा चलाई जाने वाली प्रोफेशनल वॉलीबॉल लीग भी है, जिसे एथलीटों ने, एथलीटों के लिए बनाया है। दोनों संस्थापक लीग में अपने फील्ड के अनुभव और पेशेवर विशेषज्ञता लेकर आए हैं। नीति रावत, जो पहले वॉलीबॉल प्लेयर रह चुकी हैं, ने स्पोर्ट्स ब्रॉडकास्टिंग और मीडिया में बहुत अनुभव हासिल किया है। उन्हें कहानी कहने की कला, दर्शकों को जोड़ने और टेलीविजन के वाणिज्यिक पहलुओं की गहरी जानकारी है। स्पोर्ट्स कंटेंट को कैसे बनाया जाए, इस बारे में उनकी समझ से भारत में वॉलीबॉल की पहुंच बढ़ने की उम्मीद है।जसोदा गुलिया का वित्त और रणनीतिक योजना का बैकग्राउंड बिजनेस मॉडल बनाने में एक मजबूत भूमिका निभा सकता है। कोर्ट पर कई साल बिताने के बाद, नीति और जसोदा दोनों लीग के विजन में प्रमाणिकता और गहरी समझ लाती हैं। नीति रावत ने कहा, 'डीपीवीएल एक मूवमेंट है जो यह फिर से परिभाषित करता है कि भारत में वॉलीबॉल को कैसे देखा और अनुभव किया जाता है।

आई. एम. विजयनः भारतीय फुटबॉल टीम के पूर्व कप्तान, सबसे ज्यादा कमाई करने वाले फुटबॉलर रहे

नई दिल्ली। भारतीय फुटबॉल के इतिहास में आई. एम. विजयन का नाम बेहद सम्मान के साथ लिया जाता है। वह भारतीय फुटबॉल टीम के कप्तान भी रह चुके हैं।

आई. एम. विजयन का जन्म 25 अप्रैल 1969 को त्रिशूर, केरल में हुआ था। उनका पूरा नाम इनिवलाप्पिल मणि विजयन है। विजयन का बचपन काफी गरीबी में बीता। परिवार की आर्थिक मदद करने के लिए उन्हें स्टेडियम में सोडा बेचने तक का काम करना पड़ा। लेकिन फुटबॉल के प्रति उनका जुनून उन्हें लगातार आगे बढ़ाता रहा। उनकी प्रतिभा पर नजर पड़ी तत्कालीन डीजीपी एम. के. जोसेफ की, जिन्होंने उन्हें 17 साल की उम्र में केरल पुलिस फुटबॉल टीम में शामिल किया। यहीं से उनके पेशेवर करियर की शुरुआत हुई। क्लब फुटबॉल में विजयन ने केरल पुलिस फुटबॉल क्लब, मोहन बागान, जेसीटी मिल्स फगवाड़ा, एफसी कोचीन और ईस्ट बंगाल जैसे प्रमुख क्लबों के लिए खेला। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विजयन ने 1992 में भारतीय टीम के लिए पदार्पण किया और 72 मैचों में 29 गोल दागे। उन्होंने 2000 से 2004 तक भारतीय टीम की कप्तानी भी की। इस दौरान बाइचुंग भूटिया के साथ बनी उनकी जोड़ी को भारतीय फुटबॉल की सबसे बेहतरीन और आक्रामक जोड़ियों में गिना जाता है। विजयन ने भारतीयफुटबॉल की दशा को सुधारने और टीम को ऊंचाई पर ले जाने के लिए कड़ी मेहनत की थी और परिणाम भी दिए थे। 1999 के सैफ कप में उन्होंने भूटान के खिलाफ मात्र 12 सेकंड में गोल कर इतिहास रच दिया, जो दुनिया के सबसे तेज अंतरराष्ट्रीय गोलों में शामिल है।

ओलंपिक 2036 की मेजबानी हासिल करने के लिए हर जरुरी प्रयास हो रहा: डॉ. मनसुख मांडविया

बडगाम। केंद्रीय युवा मामले और खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने कहा है कि हमें कॉमनवेल्थ गेम्स 2030 के आयोजन का अधिकार मिल चुका है। हमारा अगला लक्ष्य अब ओलंपिक 2036 की मेजबानी का अधिकार हासिल करना है। इसके लिए हम हर जरूरी प्रयास कर रहे हैं।

डॉ. मांडविया ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा, 'देश ने 2030 में कॉमनवेल्थ गेम्स की मेजबानी के लिए बोली जीत ली है। भारत ने 2036 में ओलंपिक गेम्स के लिए भी बोली लगाई है। इंटरनेशनल ओलंपिक कमेटी की जरूरतों को पूरा करने के लिए सभी तरीके अपनाए जा रहे हैं। देश में स्पोर्ट्स एक मजबूत इकोसिस्टम बन रहा है। फिट इंडिया और खेलो इंडिया जैसी पहलों के जरिए, युवाओं को खेल में हिस्सा लेने के मौके मिल रहे हैं। स्पोर्ट्स गवर्नेंस बिल भी लाया गया है। इन कोशिशों से युवाओं को खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने के मौके मिल रहे हैं। मुझे पूरा भरोसा है कि अगले 10 सालों में, दुनिया के टॉप-10 खेल आधारित देशों में शामिल होगा।

भारत को कॉमनवेल्थ गेम्स 2030 की मेजबानी का अधिकारी मिला है। कॉमनवेल्थ गेम्स की शुरुआत के 100 साल बाद होने वाले 'कॉमनवेल्थ गेम्स 2030' का आयोजन गुजरात के अहमदाबाद में होगा। गुजरात सरकार खेलों के इस महाकुंभ की तैयारी शुरू कर चुकी है। हाल ही में तैयारियों का जायजा लेने और आयोजन स्थल को देखने के लिए कॉमनवेल्थ की टीम भी गुजरात के दौरे पर थी।

भारत में आखिरी बार 2010 में कॉमनवेल्थ गेम्स का आयोजन हुआ था। उस समय दिल्ली में कॉमनवेल्थ हुआ था। ठीक 20 साल बाद अहमदाबाद इस बड़े खेल आयोजन का मेजबान बनेगा।

कॉमनवेल्थ गेम्स 2030 का सफल आयोजन भारत के लिए ओलंपिक 2036 की मेजबानी का अधिकार दिलाने में बड़ी भूमिका निभा सकता है।

स्क्वैशः अभय सिंह पहली बार पीसीए गोल्ड-लेवल क्वार्टर फाइनल में पहुंचे

ज्यूरिख। भारत के अभय सिंह ने मिस्र के दुनिया के नंबर 13 खिलाड़ी एली अबू एलीनेन को हराकर ग्रासहॉपर कप स्क्वैश में अपने पहले पीएसए गोल्ड-लेवल इवेंट के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई।

दुनिया के 24 नंबर के खिलाड़ी पहले गेम में 8-5 से पीछे थे, लेकिन फिर उन्होंने स्कोर 8-8 कर दिया और एलीनेन की दोनों गेम बॉल बचाकर टाईब्रेक में गोल कर दिया।

अभय सिंह को दूसरे गेम में एलीनेन की वापसी का सामना करना पड़ा, लेकिन उन्होंने बराबरी कर ली। सिंह के बैकहैंड की ताकत ने उन्हें 12-10, 11-9 से जीत दिलाई।

बता दें कि सिंह ने इस महीने की शुरुआत में एल गौना इंटरनेशनल में एलीनेन को 3-2 से हराया था।

अब उनका मुकाबला मिस्र के दुनिया के नंबर 4 खिलाड़ी करीम गवाद से होगा, जो सेमीफाइनल में

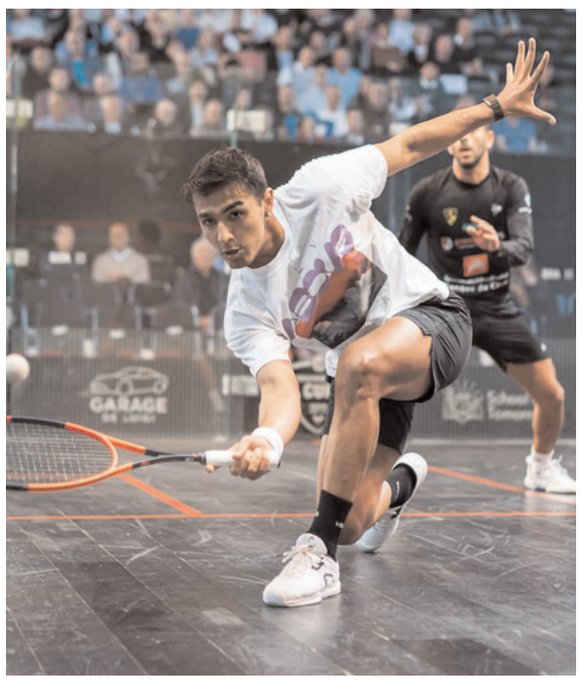

जगह बनाने के लिए खेलेंगे।

पीएसए टूर के मुताबिक, जीत के बाद सिंह ने कहा, 'क्या मैच था, दोनों गेम के आखिर में मुझे पहले गेम में पीछे रहने के बाद वापसी करने के लिए सच में बहुत मेहनत करनी पड़ी। मुझे लगता है कि ऐसी ही स्थिति में यह डीजा वू जैसा था। एल गौना में मेरे साथ भी ऐसा ही हुआ था। इसका श्रेय जिम्बो (जेम्स विलस्ट्रॉप) को जाता है, उन्होंने एक अच्छा प्लान बनाया, क्योंकि मैं पहले गेम में पीछे रहने वाला था। शुरुआती राउंड में, सिंह ने स्विस डेविड बर्नेट को 11-9, 9-11, 11-8 से हराया, जबकि उनके हमवतन रामित टंडन मिस्र के फारेस डेसौकी से 6-11, 9-11 से हार गए।

इस बीच, इकर पजारेस नंबर 6 सीड यूसुफ सोलिमन को हराकर पहली बार गोल्ड-लेवल इवेंट के क्वार्टर-फाइनल में पहुंच गए हैं।

पजारेस, जो पहले भी प्लैटिनम इवेंट्स के आखिरी आठ में पहुंच चुके हैं, ने एक और शानदार प्रदर्शन करते हुए सोलिमन को सीधे गेम में हराया, इससे पहले उन्होंने पहले राउंड में स्विस नंबर 1 दिमित्री स्टीनमैन को हराया था।

14 बार के स्विस नेशनल चैंपियन निकोलस म्यूलर के जोएल माकिन से हारने के बाद घरेलू उम्मीदें टूट गईं।

इंडिया अंडर-18 आइस हॉकी टीम एशिया कप के लिए बिश्केक पहुंची

नई दिल्ली। इंडियन आइस हॉकी टीम आईआईएचएफ आइस हॉकी अंडर-18 एशिया कप के लिए किर्गिस्तान के बिश्केक पहुंच गई है। छह टीमों का यह टूर्नामेंट 27 अप्रैल से 3 मई तक होना है।भारतीय टीम का नेतृत्व गुरतेज सिंह भट्टी करेंगे। देवांश शर्मा और इफ्तिखार हुसैन वैकल्पिक कप्तान होंगे।

स्क्वाड में चंडीगढ़ और लद्दाख से सबसे मजबूत प्रतिनिधित्व है। इसके अलावा, टीम में देश के अन्य राज्यों के खिलाड़ी भी शामिल हैं।इस ग्रुप के लिए, बिश्केक सिर्फ एक और टूर्नामेंट स्टॉप नहीं है, बल्कि जूनियर इंटरनेशनल सर्किट में एक अहम टेस्ट है। अंडर-18 कैंपेन ऐसे समय में भी आ रहा है जब भारतीय आइस हॉकी पहले से ज्यादा मजबूती के साथ आगे बढ़ रही है।

2025 में, भारतीय महिला टीम ने अल ऐन में आईआईएचएफ महिला एशिया कप में कांस्य पदक जीता, जिससे देश को इस खेल में पहला अंतरराष्ट्रीय पदक मिला और आइस हॉकी राष्ट्रीय चर्चा में आई।

पुरुषों की टीम ने इससे पहले 2017 आईआईएचएफ चैलेंज कप ऑफ एशिया डिवीजन आई में रजत पदक जीता था। हिमाद्री आइस रिंक के फिर से खुलने और इंडिया आइस हॉकी लीग के लॉन्च ने देश में इस खेल के विकास को एक नई दिशा दी है।

सचिन तेंदुलकर बर्थडेः आईसीसी अध्यक्ष जय शाह, बीसीसीआई, आईपीएल फ्रेंचाइजियों ने खास अंदाज में दी बधाई

नई दिल्ली। महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर अपना 53वां जन्मदिन मना रहे हैं। तेंदुलकर को भारतीय क्रिकेट कंट्रोल (बीसीसीआई), आईसीसी अध्यक्ष जय शाह, और आईपीएल की फ्रेंचाइजी ने जन्मदिन की बधाई दी है।

आईसीसी अध्यक्ष जय शाह ने एक्स पर लिखा, 'हमारे खेल के आइकॉन सचिन तेंदुलकर को जन्मदिन की बहुत-बहुत शुभकामनाएं। क्रिकेट में आपका शानदार योगदान दुनिया भर की पीढ़ियों को हमारा शानदार खेल खेलने और देखने के लिए प्रेरित करता रहेगा, जबकि आपकी हमदर्दी और इंसानियत का समाज पर लगातार और अहम असर पड़ता रहेगा।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने सचिन तेंदुलकर को जन्मदिन पर बधाई देते हुए लिखा, '2011 वनडे विश्व कप जीतने वाली भारतीय टीम के सदस्य, महान खिलाड़ी सचिन तेंदुलकर को जन्मदिन की बहुत-बहुत शुभकामनाएं।

बीसीसीआई के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने तेंदुलकर को जन्मदिन की बधाई देते हुए एक्स पर लिखा, 'जन्मदिन मुबारक हो, सचिन तेंदुलकर। आपका असाधारण सफर सिर्फ मैदान पर आपकी बेमिसाल कामयाबियों से ही नहीं, बल्कि ईमानदारी, अनुशासन और खेल भावना के उन मूल्यों से भी तय होता है जिन्हें आपने हमेशा बनाए रखा है। क्रिकेट की तरक्की और दुनिया भर में पहचान बनाने में आपका योगदान बहुत बड़ा है, जिसने खिलाड़ियों और प्रशासकों की पीढ़ियों को प्रेरित किया है। अच्छे स्वास्थ्य, खुशी और क्रिकेट की दुनिया को मार्गदर्शन और प्रेरणा देने के लिए कई और सालों तक शुभकामनाएं।

सचिन तेंदुलकर को उनके जन्मदिन पर आईपीएल की सभी फ्रेंचाइजियों ने भी शुभकामनाएं दी हैं।

मुंबई इंडियंस ने एक्स अकाउंट पर सचिन की केक काटते हुए एक तस्वीर साझा की है। टीम ने कैप्शन में लिखा है, 'वो छोटा लड़का जो क्रिकेट को पसंद प्रत्येक व्यक्ति के दिल की धड़कन बन गया। जन्मदिन मुबारक हो, सचिन तेंदुलकर। बता दें कि सचिन आईपीएल में मुंबई इंडियंस के लिए खेल चुके हैं और संन्यास के बाद से ही इस टीम के मेंटॉर हैं।

मुंबई इंडियंस को रोहित शर्मा की कमी खल रही हैः आकाश चोपड़ा

मुंबई। आईपीएल 2026 में मुंबई इंडियंस (एमआई) के निराशाजनक प्रदर्शन का सिलसिला जारी है। गुरुवार को अपने घरेलू मैदान वानखेड़े में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ एमआई को 103 रन के बड़े अंतर से हार का सामना करना पड़ा। आईपीएल में रनों के लिहाज से एमआई की ये सबसे बड़ी हार है। पूर्व क्रिकेटर और कमेंटेटर आकाश चोपड़ा ने कहा है कि मुंबई इंडियंस को रोहित शर्मा की कमी खल रही है।

स्टार स्पोर्ट्स के 'अमूल क्रिकेट लाइव' पर जियोस्टार एक्सपर्ट आकाश चोपड़ा ने कहा, 'मुंबई को रोहित शर्मा की कमी जरूर खली है। अच्छी शुरुआत के बिना, 210-220 के लक्ष्य का पीछा करना बहुत मुश्किल हो जाता है। सूर्यकुमार यादव और हार्दिक पांड्या ने अब तक ज्यादा योगदान नहीं दिया है। तिलक वर्मा ने पिछले मैच में जरूर शतक लगाया था, लेकिन बाकी बल्लेबाजों को बेहतर करने की जरूरत है। गेंदबाजी में भी जसप्रीत बुमराह और गजनफर अच्छा कर रहे हैं। उन्हें बाकी लोगों से बेहतर सपोर्ट की जरूरत है।

रोहित शर्मा ने आईपीएल 2026 की शुरुआत धमाकेदार अंदाज में की थी और केकेआर के खिलाफ पहले मैच में 38 गेंदों पर 78 रन बनाए थे। सीजन के चौथे मैच में रोहित इंजर्ड हो गए थे। इसके बाद से प्लेइंग इलेवन से बाहर चल रहे हैं। रोहित पिछले तीन मैच नहीं खेले हैं। रोहित के टीम में न होने से निश्चित रूप से न सिर्फ ओपनिंग प्रभावित हो रही है, बल्कि उनका अनुभव भी कप्तान हार्दिक पांड्या को नहीं मिल पा रहा है।

मुंबई इंडियंस ने सीजन की शुरुआत कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ जीत के साथ की थी, लेकिन इसके बाद टीम को लगातार 4 मैचों में हार का सामना करना पड़ा था। गुजरात टाइटंस के खिलाफ तिलक वर्मा के विस्फोटक शतक की बदौलत एमआई जीत की राह पर लौटी थी, लेकिन सीजन के सातवें मैच में एक बार फिर सीएसके ने उसके जीत के क्रम को रोक दिया।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा साई प्रीटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर 6 नोएडा,गौतम बुध्द नगर पिन कोड -201301 उ.प्र. से मुद्रित और मकान संख्या एन-58 जगतराम पार्क के सामने, लक्ष्मी नगर पूर्व दिल्ली-110053 से प्रकाशित
समाचार संपादक : चन्द्रमणी साव (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र दिल्ली होगा) मोबाइल 9340573892 ई-मेलः vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. DLHIN/2015/61415